



■ फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12 प्रतिशत बढ़ सकती है कीमत -12



■ कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट -12



■ जैडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ, संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा -13



■ आईपीएल में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत -14

आज का मौसम 31.0°
अधिकतम तापमान
19.0°
न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.10
सूर्यास्त 06.21

आमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

- लखनऊ
- बरेली
- कानपुर
- मुरादाबाद
- अयोध्या
- हल्द्वानी

चैत्र शुक्ल पक्ष पंचमी 06:38 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत् 2083

लखनऊ

सोमवार, 23 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 44, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

पश्चिम एशिया : चौथे सप्ताह की शुरुआत में खतरनाक हमलों के साथ युद्ध ने किया नए चरण में प्रवेश

मिसाइलों से दहले इजराइल-ईरान

अमेरिका ने अल्टीमेटम के 48 घंटे पूरे होने से पहले ही तेहरान पर किए हमले, टॉप लीडर्स को मौत के घाट उतारने का दावा

ईरान ने इजराइल के दो बड़े शहरों पर किए हमले, 300 लोग घायल इजराइली परमाणु अनुसंधान केंद्र डिमोना के पास गिरी मिसाइल

काहिरा, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अपने चरम पर है। ईरान ने शनिवार देर रात दक्षिणी इजराइल के दो इलाकों पर मिसाइल हमले किए, जिससे इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और 300 से ज्यादा लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर है। ये हमले इजराइल के मुख्य परमाणु अनुसंधान केंद्र के पास हुए। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होमरुज को पूरी तरह नहीं खोलता है तो अमेरिका उसके ऊर्जा संयंत्रों को नेस्तनाबूद कर देगा। इसी धमकी के बीच अमेरिका ने ईरान के कई महत्वपूर्ण लोगों को निशाना बनाते हुए ताबड़तोड़ मिसाइल हमले किए हैं।



डिमोना में ईरानी मिसाइल हमले से प्रभावित स्थल का सर्वेक्षण करते इजराइली सुरक्षा बल।

ईरान बोला- अमेरिकी धमकियों का जवाब मैदान में देंगे
तेहरान। अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों के बाद ईरान ने सैन्य जवाब देने की बात कही है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि देश के खिलाफ दी जा रही धमकियों और हमले ईरान को और ज्यादा एकजुट कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम इन बेतुकी धमकियों का मैदान में डटकर सामना करेंगे। पजशकियान ने होमरुज स्टेट को लेकर भी साफ किया कि यह सभी के लिए खुला है, लेकिन जो ईरान की जमीन का उल्लंघन करेगा, उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। इससे पूर्व ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि अगर होमरुज पूरी तरह नहीं खोला, तो पावर प्लांट्स को निशाना बनाएंगे।

ऊर्जा संयंत्रों को निशाना बनाएगा। रविवार तड़के ईरान ने चेतावनी दी कि उसके ऊर्जा टिकानों पर किसी भी हमले के जवाब में वह क्षेत्र में अमेरिका और इजराइल के ऊर्जा व बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगा। इजराइल पर ये हमले ऐसे समय हुए जब उसी दिन पहले तेहरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन केंद्र नतांज पर हमला हुआ था। इजराइली सेना ने कहा कि वह

दक्षिणी शहरों डिमोना और अरद पर गिरी मिसाइलों को रोक नहीं सकी। यह पहली बार था जब परमाणु केंद्र के आसपास के क्षेत्र में ईरानी मिसाइलें इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली को भेदने में सफल रहीं। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यदि इजराइल डिमोना जैसे अत्यधिक सुरक्षित क्षेत्र में भी मिसाइलों

जंग में ब्रिटेन भी कूदा, अरब सागर में तैनात की परमाणु पनडुब्बी, यूएस को सौंपे मिलिट्री बेस

लंदन। ब्रिटेन की परमाणु-संचालित पनडुब्बी अरब सागर पहुंच गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियान को तेज करने के संकेत दिए हैं। एचएमएस एसन नाम की यह पनडुब्बी 6 मार्च को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से रवाना हुई थी और अब माना जा रहा है कि उसने होमरुज जलडमरूमध्य के निकट उत्तरी अरब सागर में अपनी तैनाती ले ली है। यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक-4 लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस है, जिनकी मारक क्षमता लगभग 1,600 किलोमीटर है। इसके अलावा इसमें स्पीयरफिश हेवीवे टॉरपीडो भी लगे हुए हैं। मध्य-पूर्व क्षेत्र में इस पनडुब्बी की तैनाती ऐसे समय में हुई है जब ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका को ईरान के खिलाफ हमलों के लिए ब्रिटिश सैन्य टिकानों के उपयोग की अनुमति देने पर सहमत जताई है।

अमेरिका-इजराइल दुनिया के लिए लड़ रहे : नेतन्याहू

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेजाकिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि डिप्लोमासिंया पर हाल ही में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमलों से स्पष्ट होता है कि फारस खाड़ी का देश यूरोप तक मार करने की क्षमता रखता है और वह पूरी दुनिया के लिए खतरा पैदा करता है। नेतन्याहू ने दक्षिणी इजराइली शहर अरद का रविवार को दौरा किया, जिस पर शनिवार शाम ईरान ने मिसाइल हमले किए थे। उन्होंने यह भी कहा कि उनका देश और अमेरिका पूरी दुनिया की ओर से मिलकर लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर आप इस बात का सबूत चाहते हैं कि ईरान पूरी दुनिया के लिए खतरा है, तो पिछले 48 घंटों में यह मिल गया है। पिछले 48 घंटों में, ईरान ने एक नागरिक क्षेत्र को निशाना बनाया। वह इसका इस्तेमाल सामूहिक नरसंहार के हथियार के रूप में कर रहा है।

को रोक नहीं पा रहा है, तो यह युद्ध के नए चरण में प्रवेश का संकेत है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेजाकिन नेतन्याहू ने कहा कि घटनास्थल पर और आपातकालीन दल भेजे जा रहे हैं। यह बेहद कठिन शाम है। बचावकर्मियों के अनुसार, अरद में सीधे हमले से कम से कम 10 अपार्टमेंट इमारतों को भारी नुकसान हुआ, जिनमें से तीन गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त होकर गिरने

पीएम ने की हाईलेवल बैठक ईंधन-ऊर्जा और उर्वरक आपूर्ति का लिया जायजा



पश्चिम एशिया की बदलती स्थिति के मद्देनजर समीक्षा बैठक करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति के मद्देनजर कच्चे तेल, गैस और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों तथा ऊर्जा एवं उर्वरक क्षेत्रों से संबंधित स्थिति की रविवार को वरिष्ठ मंत्रियों के साथ समीक्षा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

सूत्रों के अनुसार, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने इस उच्च स्तरीय बैठक में हिस्सा लिया। सूत्रों के अनुसार सरकार पेट्रोलियम उत्पादों समेत सभी आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय कदम उठा रही है। बैठक में पश्चिम एशिया संघर्ष के मद्देनजर मौजूदा वैश्विक स्थिति और उपभोक्ता एवं उद्योग हितों की रक्षा के लिए

● पश्चिम एशिया संकट के कारण उपजी परेशानी से निपटने पर मंथन, शाह-नड्डा पुरी समेत सीनियर लीडर रहे मौजूद

होमरुज बंद से मंडराया संकट

ईरान ने होमरुज को बाधित कर दिया है, जो एक प्रमुख समुद्री मार्ग है और इसके जरिये दुनिया की 20 प्रतिशत ऊर्जा की दुलाई होती है। संघर्ष शुरू होने के बाद से ईरान ने बहुत कम पोतों को इससे गुजरने की अनुमति दी है। इसके कारण भारत समेत कई देशों में ऊर्जा आपूर्ति में गंभीर व्यवधान पैदा हो गया है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतार, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

उदाए गए उपायों की समीक्षा की गई। मोदी ने 12 मार्च को कहा था कि पश्चिम एशिया में युद्ध ने विश्वव्यापी ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, जो राष्ट्रीय चरित्र की एक गंभीर परीक्षा है और इससे शांति, धैर्य एवं लोगों में अधिक जागरूकता के जरिये निपटने की जरूरत है।



इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, **वादिश्या ये फिजाए बुला रही हैं तुम्हें...** व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है। रविवार को ईद का अवकाश होने के कारण परिशिष्ट लोक दर्पण आज के अंक के साथ पढ़ें।

www.amritvichar.com

नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का 28 को उद्घाटन

नोएडा। पीएम मोदी 28 मार्च को नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। इसके मद्देनजर कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी रविवार को नोएडा पहुंचे। -विस्तृत खबर पेज 2 पर

शहरों में गैस परियोजनाओं को तेजी से मंजूरी देने का निर्देश

● सीएनजी/पीएनजी के आवेदन तेजी से निपटाने व वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने गैस वितरण को सुव्यवस्थित करने और आपूर्ति दबाव को कम करने के लिए कदम तेज कर दिए हैं। इसके तहत शहरों में पाइपलाइन गैस परियोजनाओं (सीएनजी/पीएनजी) के आवेदन तेजी से निपटाने और प्रमुख क्षेत्रों को वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाने का निर्देश दिया गया है, ताकि चुनौतीपूर्ण वैश्विक भू-राजनीतिक हालात के बीच घरेलू और व्यावसायिक जरूरतों को पूरा किया जा सके।

पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन ने अपने कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे शहर गैस वितरण (सीजीडी) के सभी आवेदन केवल

अमेरिका का एलपीजी जहाज मंगलुरु पहुंचा

मंगलुरु। युद्ध के कारण आपूर्ति में आई कमी के बीच अमेरिका से एलपीजी (रसोई गैस) लेकर एक जहाज रविवार को न्युमंगलूर बंदरगाह पहुंचा। पिकिसस पायनियर नामक यह जहाज 14 फरवरी को टेक्सास के पोर्ट ऑफ नौदरलैंड से रवाना हुआ था और इसमें 16,714 टन एलपीजी लाई गई है, जिसे एजिस लॉजिस्टिक्स को उतारा जाएगा। यह जहाज एक दिन के भीतर बंदरगाह पहुंचने वाले रूसी जहाज एक्वा टाइटन के बाद आया है। यह घटनाक्रम इस्लामिफ अहम माना जा रहा है क्योंकि मंगलुरु में देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा मौजूद है, जो सितंबर, 2025 में शुरू हुई थी। समुद्र तल से करीब 225 मीटर नीचे स्थित इस भंडारण केंद्र की क्षमता 80,000 टन है।

जरिये आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस (पीएनजी) की ओर स्थानांतरित होने की सलाह दी गई है। घरेलू एलपीजी की आपूर्ति स्थिर बनी हुई है, वितरकों के पास गैस की कमी की कोई सूचना नहीं है और देशभर में वितरण सामान्य रूप से हो रहा है।

बदलाव नवरात्र में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र, योगी बोले, पहले प्रत्येक पद के लिए चाचा-भतीजा व उनके सिपहसालार करते थे वसूली

प्रदेश में बिना सिफारिश, लेन-देन के मिल रही नौकरी : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने नवरात्र के पावन अवसर पर रविवार को लोकभवन में 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित करते हुए इसे महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों को रोजगार मिलना समाज में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष है, जहां बिना किसी सिफारिश या लेन-देन के योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिल रहा है। जबकि वर्ष 2017 के पहले प्रत्येक



लखनऊ: लोकभवन में 1,228 नर्सिंग अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में नव चयनित महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

पद के लिए बोली लगती थी। चाचा-भतीजा और उनके सिपहसालार झोला लेकर वसूली पर निकलते थे। योगी ने 1,228 नवचयनित नर्सिंग अधिकारियों में 1,097 महिलाओं के शामिल होने को समाज में सकारात्मक परिवर्तन

का संकेत बताते हुए कहा कि आज नर्सिंग प्रोफेशनल की मांग देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी से बढ़ रही है। जापान और जर्मनी जैसे देशों में भारतीय नर्सिंग प्रोफेशनल्स के प्रति सम्मान है। ऐसे में नर्सिंग के

स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े बदलाव

- 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्र पुनः संचालित
- 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणधीन
- 976 सीएचसी पर टेलीमेडिसिन सुविधा
- 14.28 करोड़ से अधिक आभा आईडी जारी
- वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज पर तेजी
- मेडिकल शिक्षा में एकरूपता और संस्थानों का नेटवर्क
- सुपर स्पेशियलिटी संस्थानों में आधुनिक सुविधाएं

केजीएमयू का एनआईआरएफ रैंकिंग में आठवां स्थान

किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय ने वर्ष 2025 की एनआईआरएफ रैंकिंग में देशभर में आठवां स्थान हासिल कर प्रदेश का मान बढ़ाया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि डॉ. राम मनोहर लोहिया आधुनिक संस्थान में किडनी, लीवर व बोन मेरो ट्रांसप्लांट जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं शुरू हो चुकी हैं, वहीं टेली-आईसीयू से कई मेडिकल कॉलेज जुड़े हैं। प्रदेश में लेवल-2 टॉमा सेंटर भी विकसित किए जा रहे हैं। बाबू कल्याण सिंह कैसर संस्थान में एडवांस्ड डायग्नोस्टिक्स सेंटर स्थापित हुआ है।

डिजिटलीकरण पर जोर देते हुए उन्होंने बताया कि 9.25 करोड़ लोग यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज से जुड़े हैं और 14.28 करोड़ से अधिक आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ आईडी (आभा) जारी किए जा चुके हैं।

बंद पड़े 35 एएनएम प्रशिक्षण केंद्रों को पुनः संचालित किया गया है और 31 नए नर्सिंग कॉलेज निर्माणधीन हैं। प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज की अवधारणा को तेजी से लागू किया जा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं के



न्यूज़ ब्रीफ

एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ में संगठन मजबूत करने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ: बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने मध्य प्रदेश, बिहार और छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों से कहा कि इन राज्यों में पूरी निष्ठा के साथ बहुजन आंदोलन को आगे बढ़ाना जरूरी है, ताकि पार्टी को 'शासक वर्ग' के रूप में स्थापित किया जा सके। बसपा प्रमुख रविवार को राजधानी स्थित कार्यालय में एमपी, बिहार व छत्तीसगढ़ पार्टी इकाइयों के साथ समीक्षा बैठक कर रही थीं। पिछले निर्देशों की समीक्षा करते हुए उन्होंने कार्यों पर आंशिक संतोष जताया, लेकिन संगठन को और मजबूत बनाने के लिए लगातार प्रयास जारी रखने पर जोर दिया। काशीराम के अधुरे मिशन को आगे बढ़ाने के लिए पार्टी पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और सक्रिय बनाने तथा आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए रणनीति पर भी चर्चा की गई।

पीएम सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना में यूपी अक्विल

अमृत विचार, लखनऊ: प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देशभर में पहला स्थान हासिल किया है। प्रदेश में अब तक 7340 प्रस्ताव स्वीकृत किए जा चुके हैं, जो देश में सर्वाधिक हैं। इसके साथ ही विभिन्न बैंकों द्वारा 2000 करोड़ रुपये से अधिक का टर्म लोन स्वीकृत किया गया है, जिससे खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को बड़ी गति मिली है। योजना के तहत प्रति इकाई औसत 10 लाख रुपये का टर्म लोन और करीब 4 लाख रुपये का अनुदान दिया जा रहा है, जबकि प्रस्तावों की औसत स्वीकृति अवधि लगभग 100 दिन है। राष्ट्रीय स्तर पर बिहार दूसरे और महाराष्ट्र तीसरे स्थान पर है।

रोहित शेट्टी के घर फायरिंग करने का आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के मुंबई स्थित आवास पर रावदारी व दहशत फैलाने के इरादे से फायरिंग करने वाले एक आरोपी को एसटीएफ ने आगरा के बाह से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उसे क्राइम ब्रांच मुंबई के सुपुर्द कर दिया। मामले की जांच क्राइम ब्रांच मुंबई कर रही है। आरोपी प्रदीप एसटीएफ के एसपी राकेश के मुताबिक, बाह के बिजौली महावीरनगर निवासी आरोपी प्रदीप शर्मा अंतरराष्ट्रीय कुख्यात अपराधी शुभम लोकर गिंग का सदस्य है। उसे शनिवार दोपहर करीब 3:50 बजे उसके घर के पास से दबोचा गया। रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग के मामले में शामिल दीपक, विष्णु कुशवाहा समेत अन्य पांच आरोपियों को 15 फरवरी को एसटीएफ और मुंबई क्राइम ब्रांच पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

'वाया' के सहयोग से कर्ज से उबरा परिवार

अमृत विचार, लखनऊ: वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन 'वाया' के सहयोग से दिल्ली के पश्चिम विहार निवासी सीए विकास गर्ग का परिवार कर्ज से उबर सका। यह जानकारी औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नन्दी ने दी। नन्दी ने कहा कि वाया संस्था समाज के सहयोग से जरूरतमंद परिवारों को सहाय देने का कार्य कर रही है। संस्था की कमेटी ने त्वरित निर्णय लेते हुए सभी लेनदारों को बुलाकर करीब 12.40 लाख रुपये का पूरा कर्ज चुका दिया।

चंद्रावती गंगा घाट का निर्माण अंतिम चरण में

अमृत विचार, लखनऊ: धार्मिक और आध्यात्मिक पर्यटन को नई दिशा देने के लिए वाराणसी के चंद्रावती गंगा घाट का निर्माण लगभग पूरा हो गया है। पर्यटन विभाग द्वारा जैन सर्किट के तहत करीब 17.06 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह आधुनिक और इको-फ्रेंडली घाट अब अंतिम चरण में है और जल्द ही आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। गंगा तट पर स्थित चंद्रावती गांव, जिसे प्रखर स्वामिजी की जन्मस्थली माना जाता है, अब वैश्विक जैन पर्यटन के मानचित्र पर प्रखर स्थान बनाने की ओर अग्रसर है। करीब 200 मीटर लंबे इस तीन-स्तरीय घाट को पारंपरिक आस्था और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय के रूप में विकसित किया गया है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयदीप सिंह ने कहा कि चंद्रावती घाट परियोजना जैन सर्किट के विस्तार में मील का पत्थर साबित होगी।

खनन से बढ़ा राजस्व सोनभद्र सबसे आगे

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में खनिज एवं उपखनिज खनन से राजस्व प्राप्त में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। फरवरी माह में प्रदेश के दस प्रमुख खनिज संपन्न जनपदों से लगभग 2543.42 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ, जिसमें सोनभद्र जनपद सबसे आगे रहा।

भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की समीक्षा बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, सोनभद्र ने सर्वाधिक 678.28 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। इसके अलावा महोबा, हमीरपुर, झांसी और जालौन जैसे

● महोबा, हमीरपुर, झांसी-जालौन भी टॉप सूची में

जनपद भी खनन आधारित आय में प्रमुख योगदानकर्ता रहे। विभाग के अनुसार, राजस्व वृद्धि के पीछे अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण, खनन गतिविधियों की सतत निगरानी और पर्यावरणीय मानकों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करना प्रमुख कारण है। खनन पट्टों के आवंटन और संचालन में पारदर्शिता बढ़ाने से भी राजस्व संग्रह में सुधार हुआ है। अन्य प्रमुख जिलों में सहारनपुर, बांदा और प्रयागराज ने भी उल्लेखनीय योगदान दिया।

नवरात्र में शक्तिपीठों पर होंगे भव्य आयोजन

अमृत विचार, लखनऊ: चैत्र नवरात्रि के अवसर पर प्रदेश में इस बार भक्ति और सांस्कृतिक आस्था का विशेष संगम देखने को मिलेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सप्तमी, अष्टमी और नवमी (25, 26 व 27 मार्च) को प्रदेशभर के देवी मंदिरों और शक्तिपीठों में देवी गीत, भजन, दुर्गा सप्तशती पाठ और शक्ति आराधना के भव्य आयोजन किए जाएंगे। संस्कृति विभाग ने इन आयोजनों की व्यापक तैयारी कर ली है और कलाकारों का चयन भी पूरा कर लिया गया है। कार्यक्रम स्थानीय प्रशासन के समन्वय से जनपद स्तर पर आयोजित होंगे, जिनमें लोक कलाकारों, भजन और कीर्तन मंडलियों की सक्रिय भागीदारी रहेगी।

'द शैडो' एप से बेटियों की सुरक्षा को तकनीक का कवच

प्रदेश सरकार की नई पहल, यूपीएसआईएफएस के छात्रों ने विकसित किया एप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ



अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप बेटियों की सुरक्षा को तकनीकी मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। यूपी स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज (यूपीएसआईएफएस) द्वारा विकसित 'द शैडो' एप अब छात्राओं के लिए 'डिजिटल परछाई' की तरह काम करेगा। यह एप न केवल सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, बल्कि शैक्षणिक गतिविधियों की निगरानी और प्रबंधन को भी एक ही प्लेटफॉर्म पर लाएगा। संस्थान के डिप्टी डायरेक्टर

चिरंजीव मुखर्जी के अनुसार, यह एप वीटैक छात्रों द्वारा विकसित किया गया है और इसका उद्देश्य छात्राओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पारदर्शी व जवाबदेह प्रणाली तैयार करना है। एप के माध्यम से कैम्पस में प्रवेश-निकास, अवकाश अनुरोध और अन्य गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसकी सबसे अहम विशेषता

एप की विशेषताएं

- पैरेंट-फर्स्ट अप्रुवल से बाहर जाने की अनुमति
- एसओएस इमरजेंसी अलर्ट से त्वरित सहायता
- रियल टाइम एंटी-एग्रेसिव ट्रेकिंग
- क्यूआर कोड आधारित डिजिटल गेट पास
- पढ़ाई, अटेंडेंस और प्रदर्शन की मॉनिटरिंग

'पैरेंट-फर्स्ट अप्रुवल सिस्टम' है, जिसमें छात्रा के कैम्पस से बाहर जाने से पहले अभिभावकों की अनुमति अनिवार्य होगी। इससे सुरक्षा के

साथ अभिभावकों का विश्वास भी मजबूत होगा।

इसके अलावा एप में इंटीग्रेटेड एसओएस इमरजेंसी फीचर दिया गया है, जिससे किसी भी खतरे की स्थिति में एक क्लिक पर संस्थान प्रशासन और परियोजना को तत्काल अलर्ट मिल जाएगा। क्यूआर-कोड आधारित डिजिटल गेट पास सिस्टम कैम्पस में अनधिकृत प्रवेश पर भी प्रभावी नियंत्रण रखेगा। डॉ. नेहा सिंह के मार्गदर्शन में छात्र हर्ष और आदित्य मिश्रा द्वारा विकसित यह एप तकनीकी नवाचार का उदाहरण है, जो बेटियों की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देता है।

जेवर एयरपोर्ट के लोकार्पण की तैयारियां तेज

28 को प्रधानमंत्री मोदी करेंगे उद्घाटन, मुख्यमंत्री योगी ने निरीक्षण कर दिए व्यापक दिशा-निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गौतमबुद्धनगर

अमृत विचार: नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर के प्रस्तावित लोकार्पण कार्यक्रम को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक का कार्यक्रम को भव्य व व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और कार्गो टर्मिनल का लोकार्पण करेंगे, साथ ही मेट्रोनेज, रिपेयर एंड ओवरहॉल (एमआरओ) परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के संभावित भ्रमण मार्ग, पैसेंजर टर्मिनल, कार्गो टर्मिनल, हेलीपैड, पार्किंग और रैली स्थल का अवलोकन कर तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी कार्य समयसीमा के भीतर और तय मानकों के अनुरूप पूरे किए जाएं।

समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, विशिष्ट अतिथियों और आमजन की उपस्थिति को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुचारु और प्रभावी हों। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय, निर्बाध बिजली, साइनेज, परिवहन, चिकित्सा और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और ब्रांडिंग पर भी जोर



नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारी का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य।

तैयारी के मुख्य बिंदु:

चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू, ट्रैफिक और पार्किंग के लिए विशेष प्लान, पेयजल, शौचालय व चिकित्सा सुविधाओं पर जोर, कार्यक्रम की ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार-प्रसार।

दिया, ताकि इसे वैश्विक स्तर का आयोजन बनाया जा सके। साथ ही विभिन्न जनपदों से आने वाले लोगों के लिए पार्किंग स्थलों पर आवश्यक

लिंइंडर पेस और मिताली राज को योगी ने किया सम्मानित

अमृत विचार, लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के प्रतिभावान खिलाड़ियों का उत्तर प्रदेश की धरती पर आमजन पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। लखनऊ में आयोजित एक स्पोर्ट्स अवार्ड समारोह में मुख्यमंत्री ने टैनिंस खिलाड़ी लिंइंडर पेस को 'मेटॉर ऑफ द इयर' और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज को 'लॉइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया। हॉकी खिलाड़ी पी.आर. श्रीजेश सहित

और पुलिस को चार स्तरीय सुरक्षा घेरा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। ट्रैफिक प्रबंधन और वैकल्पिक मार्गों की विस्तृत योजना भी प्रस्तुत की गई। बैठक में कई जनप्रतिनिधि व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



क्रिकेटर मिताली राज को सम्मानित करते मुख्यमंत्री, साथ में लिंइंडर पेस व पीटी ऊषा।

अभ्युदय योजना से लहराया परचम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की बेटियां अब सपनों को हकीकत में बदल रही हैं।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना उनके लिए ऐसा सशक्त मंच बनकर उभरी है, जिसके सहारे वे देश की सबसे कठिन माननी जाने वाली संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता हासिल कर रही हैं। वर्ष 2025 में इस योजना का लाभ लेकर प्रदेश की तीन बेटियों ने उल्लेखनीय सफलता दर्ज कर 'नारी तू नारायणी' की भावना को साकार किया है। खास बात यह है कि इस योजना के तहत बेटियां बिना महंगी कोचिंग के भी बड़ी सफलता हासिल कर रही हैं। अब तक ढाई सौ से अधिक अभ्यर्थी, विशेषकर बेटियां, इस योजना के जरिए



● महंगी कोचिंग के बिना मिली यूपीएससी में सफलता, तीन बेटियों ने बनाई पहचान

सफलता प्राप्त कर प्रशासनिक सेवाओं में स्थान बना चुकी हैं। गाजियाबाद की मानसी ने सीमित संसाधनों के बावजूद सेल्फ स्टडी और योजना के मार्गदर्शन से 444वीं रैंक हासिल की। झांसी की अदिति सिंह ने 859वीं रैंक पाई और तैयारी के साथ-साथ अन्य अभ्यर्थियों को पढ़ाकर

चुनाव से पहले संगठन को धार देने में जुटी भाजपा

नए चेहरों और जातीय संतुलन पर फोकस, 17 जिलों में अमी फंसा पेंच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: पंचायत और विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा संगठन को मजबूत करने में जुटी है और जिला इकाइयों के गठन को लेकर तेजी से मंथन चल रहा है। पार्टी नए चेहरों को अवसर देने के साथ जातीय समीकरण साधने पर विशेष ध्यान दे रही है, लेकिन कई जिलों में मतभेदों के कारण अंतिम सहमति बनने में देरी हो रही है। प्रदेश मुख्यालय पर पिछले दो दिनों में विभिन्न क्षेत्रों की जिला टीमों को लेकर व्यापक चर्चा हुई। शनिवार को कानपुर और काशी क्षेत्र, जबकि रविवार को अवध क्षेत्र



डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर संगठनात्मक चर्चा करते प्रदेश अध्यक्ष पंकज घोषरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और सांठन महामंत्री धर्मपाल सिंह।

के जिलों पर विचार-विमर्श किया गया। अब तक पांच क्षेत्रों के 82 संगठनात्मक जिलों पर चर्चा पूरी हो चुकी है, लेकिन 17 जिलों में अभी भी पेंच फंसा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, जिन जिलों में नए जिलाध्यक्ष बनाए जाने हैं, वहां संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद सामने आए हैं। पश्चिम क्षेत्र में बागपत, मेरठ, मुरादाबाद और अमरगढ़, जबकि ब्रज क्षेत्र में अलीगढ़, आगरा, शाहजहांपुर, हाथरस और मैनपुरी में सहमति नहीं बन सकी है। काशी

क्षेत्र में जौनपुर, वाराणसी महानगर, वाराणसी जिला और चंदौली, वहीं अवध क्षेत्र में अंबेडकरनगर रायबरेली और लखीमपुर में भी प्रक्रिया अटकी हुई है। हालांकि कानपुर क्षेत्र के सभी 17 जिलों में सहमति बन चुकी है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि मार्च के भीतर सभी जिला इकाइयों का गठन कर लिया जाएगा, ताकि संगठन चुनावी मोड में पूरी तरह सक्रिय हो सके। भाजपा नेतृत्व का मानना है कि मजबूत जिला संगठन ही विधानसभा स्तर तक चुनावी जमीन तैयार करेगा और पार्टी के अभियानों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाएगा।

नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में नदियों की निर्मलता को लेकर योगी सरकार ने बोते नौ वर्षों में बढ़ा बदलाव दर्ज किया है। नमामि गंगे योजना के तहत जहां वर्ष 2017 से पहले मात्र पांच सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित हो पाए थे, वहीं इसके बाद 50 से अधिक नए एसटीपी स्थापित किए गए हैं। इस तरह सीवर शोधन ढांचे के विस्तार की रफ्तार लगभग दस गुणा तक बढ़ी है। वर्तमान में प्रदेशभर में करीब 160 एसटीपी संचालित हैं, जिनके जरिए प्रतिदिन लगभग 5000 मिलियन

● लखनऊ में क्षमता 1000 एमएलडी पार करने की तैयारी

लीटर (एमएलडी) गंदे पानी का शोधन किया जा रहा है। इससे नदियों में गिरने वाले प्रदूषित पानी को रोकने में बड़ी सफलता मिली है। राजधानी लखनऊ को भी सीवेज शोधन के क्षेत्र में तेजी से काम हुआ है। यहां नौ एसटीपी संचालित हैं, जिनकी कुल क्षमता 624.50 एमएलडी है। भरवावा, दौलतगंज, हाथी पार्क, वृंदावन और सीजी सिटी जैसे क्षेत्रों में स्थापित इन संयंत्रों के माध्यम से गोमती और उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण से बचाया जा रहा है।

लखनऊ का मॉडल

* 9 एसटीपी संचालित, क्षमता 624.50 एमएलडी
* 3 प्लांट निर्माणाधीन, 4 प्रस्तावित
* गोमती में जाने से पहले पानी का शोधन
* 1000 एमएलडी क्षमता पार करने की तैयारी

अमृत विचार : प्रदेश में रोके जा सकने वाले अंधत्व को खत्म करने और नेत्रदान को बढ़ावा देने के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग ने एक उच्चस्तरीय टास्क फोर्स का गठन किया है। इस टास्क फोर्स की अध्यक्षता संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) के चिकित्सा अधीक्षक एवं सोटी यूपी के संयुक्त निदेशक प्रो. राजेश हर्षवर्धन करेंगे। अपर मुख्य सचिव अमित घोष, आईएएस न इस्कॉ औपचारिक घोषणा करते हुए कहा कि नई टास्क फोर्स का

● कॉर्निया प्रत्यारोपण और आई बैंकिंग को मजबूत करने के लिए बड़ा कदम

मुख्य उद्देश्य प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों में कॉर्नियल दान, आई बैंकिंग और कॉर्निया प्रत्यारोपण की व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। समिति में एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज, मेरठ की नेत्र रोग विभागाध्यक्ष डॉ. अल्का गुप्ता को सह-अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज, कानपुर की विशेषज्ञ डॉ. शालिनी मोहन सदस्य सचिव और

एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा की डॉ. शेफाली मजूमदार संयोजक नियुक्त की गई है। इसके अलावा पीजीआई के नेत्र विभाग के प्रमुख प्रो. विकास कर्नाजिया, सीतापुर आई हॉस्पिटल की निदेशक डॉ. मधु भदोरिया, नवोदय आई हॉस्पिटल, वाराणसी के निदेशक डॉ. अभिषेक चंद्रा सहित केजीएमयू और राम मनोहर लोहिया संस्थान के नेत्र रोग विशेषज्ञों को भी सदस्य बनाया गया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी 2026 को पीजीआई में आयोजित 'नेत्रमंथन' कार्यक्रम के दौरान हुई पैनल चर्चा में इस टास्क फोर्स के गठन का निर्णय लिया गया था।

चैत्र नवरात्रि
की हार्दिक शुभकामनाएं

मिलते-जुलते नामों, डिजाइन व कलर स्क्रीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलीवाम युक्त **एम.के. वन्धानी हींग** ही खरीदें। पाँच पीढ़ी की विश्वस्वीय हींग परम्परा पुष्पशैलीक गोलीकवारी **वावू किशोर वन्द कपूर "किशोर"** जी के आशीर्वाद से अभिविधित एवम संवालिता

एम.के. वन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर



विक्रय केन्द्र : नारायण प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन - 9619456555, 9695416555

पंचम स्कंदमाता



पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नक्चतेना का निर्माण करने वाली स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी को पूजा-अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मृत भी ज़ानो हो जाता है। स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं। देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।

बीज मंत्र...

माँ स्कंदमाता: ह्रीं क्लीं स्वमिन्ध्र्यै नमः

न्यूज़ ब्रीफ़

पुलिस अधिकारी बनकर युवक से ठगे 96 हजार

अमृत विचार, आलमबाग : कृष्णानगर स्थित एलटीए कॉलोनी सेक्टर सी-1 निवासी अनुज गुप्ता साइबर ठगी का शिकार हो गए। जालसाज ने मोबाइल फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को पुलिस अधिकारी बताते हुए धमकाते हुए कहा कि आपके खिलाफ एक अपराधिक मामला दर्ज है और जल्द ही उनकी गिरफ्तारी की जाएगी। यह सुनकर वे डर गए। गिरफ्तारी के भय से घबराए अनुज गुप्ता ने कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए आरोपी द्वारा भेजे गए वकूआर कोड पर 96 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। ठगी का एकसास होने पर पीड़ित ने कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराया है।

प्रोफेसर समेत दो के खाते से उड़ाए 6.81 लाख

अमृत विचार, लखनऊ: आशियाना स्थित बीबीयूयूनिवर्सिटी के प्रोफेसर के बैंक खाते से साइबर जालसाज ने तीन दिन में 3.73 रुपये उड़ा लिए। प्रो. रामचंद्र ने बताया कि 8 मार्च को उनके पास एक नंबर से कॉल आई। जालसाज ने ग्रीन गैस बिल के भुगतान के लिए नया एप डाउनलोड कराया और उनके केनरा बैंक खाते का विवरण ले लिया। उसके बाद 15 मार्च से 18 मार्च तक उनके खाते से 3.73 लाख रुपये निकल गए। प्रोफेसर ने साइबर सेल में शिकायत करने के बाद आशियाना थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिजनर के पटवारी मोहल्ला निवासी मतीन अहमद ने बताया कि 14 मार्च को दोपहर करीब 12:45 बजे उनके एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोनकर्ता ने बैंक ऑफ इंडिया का अधिकारी बनकर केवाईसी अपडेट कराने का झांसा दिया। इसके बाद एक लिंक भेजकर एप डाउनलोड कराया। उसके बाद खाते से 3.08 लाख रुपये उड़ा लिए। पीड़ित ने बिजनर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पत्नी से झगड़कर युवक ने की आत्महत्या

अमृत विचार, लखनऊ: गाजीपुर थाना क्षेत्र में पत्नी से झगड़े के बाद मोहित शर्मा (29) ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर दी। बेटा जब कमरे में गया तो उसने पिता को फंदे से लटक देखा तो वह चीख पड़ा। शोर सुनकर परिजन पहुंचे और फंदे से उतारकर आत्महत्या करी का राम मनोहर लोहिया अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मूलरूप से सीतापुर रहकर पुत्र निवासी मोहित झा में प्राइवेट नौकरी करता था। वह गाजीपुर स्थित शक्तिनगर में पत्नी पूनम और बच्चे संग किराए पर रहता था। पिता रामचंद्र ने बताया कि मोहित का किसी बात को लेकर पत्नी से झगड़ा हो गया था। कहासुनी के बाद पत्नी नाराज होकर कमरे के बाहर चली गई। इस बीच बेटे ने कमरे में जाकर फंदा लगाकर जान दे दी।

यक्ष एप ने पकड़वाए हाइवे पर लूट करने वाले दो बदमाश

काकोरी में एक ही रात में की थी दो वारदात, लूटी गई बाइक, मोबाइल व लूट में प्रयुक्त बाइक बरामद, साथियों की तलाश में दबिश

संवाददाता, काकोरी

अमृत विचार : हाइवे पर एक ही दिन में हुई लूट की दो वारदातों को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को काकोरी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों के पास से लूटी गई बाइक, मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है। पुलिस गिराह के अन्य सदस्यों की तलाश में दबिश दे रही है। डीसीपी परिभ्रम विश्वजित श्रीवास्तव ने बताया कि यक्ष एप की मदद से दोनों पकड़े गए हैं। डीसीपी ने बताया कि रहीमाबाद के सस्पन निवासी सुमित तिवारी ने 19 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराया थी कि हरदोई रोड स्थित रोशन लॉन के पास चार बदमाशों ने मारपीट कर उनकी बाइक और मोबाइल लूट लिया। इसी दौरान मौंदा गांव निवासी मनोज से भी पेट्रोल पंप

के पास बाइक और पर्स लूट लिया गया था। दोनों घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने चार टीमों का गठन किया। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिले, जिनमें आरोपियों की तस्वीरें सामने आईं। इन फुटेज को यक्ष ऐप पर अपलोड किया गया, जिससे मिलते-जुलते अपराधियों का डाटा सामने आया। इसी दौरान एक उपनिरीक्षक ने एक आरोपी की पहचान की। एप से उसके आपराधिक इतिहास और लोकेशन की जानकारी भी मिली, जिससे उसकी संलिप्तता की पुष्टि हुई। आरोपी की पहचान काकोरी के दुर्गागंज निवासी अजय के रूप में हुई। रविचार को सर्विलांस के आधार पर नरौना नहर मोड़ पर चेंकिंग के दौरान पुलिस ने अजय और उसके साथी दीपांशु उर्फ लक्की राजपूत निवासी कब्जा काकोरी को



बरामद बाइक के साथ लूट के आरोपी और पुलिसकर्मी।

क्या है यक्ष एप

27 दिसंबर 2025 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यक्ष एप को लांच किया था। इस एआई आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए अपराधियों की लोकेशन, नेटवर्क और आपराधिक पैटर्न की जानकारी तुरंत मिल जाती है। फेंस सर्व, क्रिमिनल स्कोरिंग, वायस और वाहन सर्व जैसी सुविधाओं से पुलिस को त्वरित कार्रवाई में मदद मिल रही है।

गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर दोनों लूट की

नकली सोने की मूर्ति गिरवी रख ले लिए 35 लाख

अमृत विचार, लखनऊ : जालसाज पिता-पुत्र ने नकली सोने की मूर्ति गिरवी रखकर 35 लाख रुपये ले लिए। पीजीआई पुलिस ने बेटे को गिरफ्तार कर लिया है और पिता की तलाश कर रही है। महंगे शौक पूरा करने के लिए पिता-पुत्र ठगी करते हैं। इस्पेक्टर पीजीआई धीरेन्द्र सिंह के मुताबिक आरोपी रवींद्र यादव गोरखपुर के कैम्पयरगंज कानोनी के आशरा फत्तेव निवासी रणजय सिंह के पास गिरवी रखी थी। मूर्ति में आधा सोना होने का दावा किया था। दोनों ने बताया था कि विदेश जाने के लिए रुपये कम पड़ रहे हैं। रणजय ने पिता-पुत्र को 25 लाख के जेवर और 10 लाख नकद दे दिए। जांच कराने पर सुनार ने बताया कि मूर्ति में सोना है ही नहीं। रणजय ने रुपये मांगे तो पिता-पुत्र ने धमकाया। इसके बाद रणजय ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर रविचार को पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक आरोपी के पास से सोने के तीन बिस्कुट और सोने की चेन बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक पिता-पुत्र लोगों से ठगी कर अपने शौक पूरे करते थे। दोनों विदेश जाने की तैयारी में थे।

किसान के घर में सेंध लगाकर चोरी

अमृत विचार, काकोरी : मोहदीनपुर गांव निवासी किसान नंद किशोर ने बताया कि वह रात में परिवार संग सो रहे थे। तभी चोर मकान के पीछे बनी दीवार में सेंध लगाकर कमरे में रखे तीन बक्स उठा ले गए। पीड़ित किसान मकान के पीछे गए तो देखा कि दीवार में सेंध है और इंट खेत में पड़ी है। किसी ग्रामीण ने बक्स और कपड़े मकान से कुछ दूरी पर पड़े देखे। पीड़ित परिवार के साथ वहां पहुंचे और देखा कि बक्स और कपड़े किसान के थे। पीड़ित किसान ने घर में चोरी की जानकारी पुलिस को दी। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि चोर उनके घर से करीब 60 हजार रुपये नगद और करीब चार लाख के जेवर उठा ले गए।

दो वर्ष से लापता

किशोरी दिल्ली में मिलीं **अमृत विचार, मोहनलालगंज:** दो वर्ष पूर्व मोहनलालगंज के एक गांव से लापता 16वर्षीया किशोरी को पुलिस ने दिल्ली से बरामद कर लिया है। किशोरी जब लापता हुईं थी। परिजन ने निगोहां थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने शुरूआती जांच में आरोपी को बेकसूर मिला। पर, किशोरी बरामद नहीं हुईं। जांच के बाद पुलिस ने अंतिम रिपोर्ट लगा दी। एसीपी ने लचौला जांच बताते हुए दोबारा शुरू कराई। जिसके बाद किशोरी को दिल्ली से बरामद किया गया। अब वह बालिंग है। उसका एक बच्चा भी है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

विधायक को फोन पर धमकाने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नगरमा पुलिस ने की कार्रवाई, शनिवार को अंजाम नंबर से आई थी कॉल

अमृत विचार: मोहनलालगंज से भाजपा विधायक अमरेश रावत को फोन कर गलियां और जान से मारने की धमकी देने वाले आरोपी को नगरमा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शनिवार दोपहर जिस समय विधायक को धमकी दी गई थी, उस समय वह अपने सरकारी आवास दारूलशफा में थे। उन्होंने हजरतगंज थाने में तहरीर दी थी। नगरमा पुलिस ने शांति भंग की कार्रवाई कर आरोपी को जेल भेज दिया है। विधायक अमरेश रावत

शब्दों का प्रयोग कर धमकियां देता रहा। इाइवर अनिल रावत ने जब दूसरे नंबर से उसे कॉल बैक किया तो उन्हें भी गलियां और धमकियां दी गईं। विधायक ने कार्यकर्ता असलमनगर निवासी बीजक प्रकाश को मोबाइल नंबर देकर फोन कर पता लगाने को कहा। आरोपी ने बीजक प्रकाश को भी गलियां देकर अपशब्द कहे, जिसकी ऑडियो रिकार्डिंग बीजक के पास है। पुलिस ने कॉल डिटेल्ड खंगाली, जिसमें फोन करने वाला नगरमा के अंबवा मुर्तजापुर का रहने वाला लालबहादुर साहू निकला। विधायक के सहयोगी उत्तम कुमार की तहरीर

पर हजरतगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस के मुताबिक होली के दिन गांव में लालबहादुर साहू और राम विलास उर्फ बबलू रावत में मारपीट हुई थी। पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर रही थी। लालबहादुर को लगा कि पुलिस विधायक के दबाव में कार्रवाई नहीं कर रही है। इसी से वह नाराज था। एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय के मुताबिक आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई। जिसमें सामने आया कि वह नशे की हालत में विधायक से अमर्यादित शब्दों का प्रयोग किया।

जेसीबी मालिक पर हमला कर लूटपाट, रिपोर्ट दर्ज

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के मिरानपुर पिनवट निवासी रूपेंद्र यादव उर्फ सुनील ने बताया कि शुकवार को वह अपनी जेसीबी से चालक अमित कुमार रावत बंधरा गये थे। बंधरा के सिकंदरपुर क्षेत्र में, अपोलो टायर के पीछे काम कर रहे थे। इसी बीच प्रदीप रावत, दिलीप, राहुल राजपूत, राहुल यादव, शनि यादव व उनके 8 अन्य साथी मौके पर पहुंचे। सभी गाली-गलौज

महिला के घर गया युवक झुलसा

संवाददाता, सरोजनीनगर

अमृत विचार: थाना क्षेत्र में उधारी की रकम वापस मांगने पर युवक पर पेट्रोल डालकर जलाने का मामला सामने आया है। घायल को झुलसी हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मां ने एक महिला पर जलाने का आरोप लगाया है। सरोजनीनगर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बंधरा गांव निवासी मजदूर इरफान ने बताया कि बेटे आसिफ (22) ने डेढ़ माह पहले सरोजनी नगर के अंबेडकर पुरी (गुड्डारा) निवासी 50 वर्षीय महिला को 15 हजार रुपये उधार दिए थे। रुपये वापस न करने

लगा दी। इससे वह झुलस गया। उसने पानी भरे गट्टे में कूद कर जान बचाई। सूचनापुकार सुनकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया। इस्पेक्टर सरोजनीनगर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि महिला व आसिफ काफी एक दूसरे के परिचित हैं। आसिफ का उसके घर आना जाना है। आसिफ शराब के नशे में महिला के पास गया था। महिला ने बाद में आने को कहा तो दोनों के बीच विवाद हुआ। जिसपर तैश में आसिफ ने पहले हाथ पर ब्लेड मारा फिर खुद पर तेल उड़ेलकर आग लगा ली। फिलहाल जांच की जा रही है।

मां-बेटे की मौत के बाद पिता ने तोड़ा दम

संवाददाता, सरोजनीनगर

बंधरा में जहर खाकर आत्महत्या का मामला

अमृत विचार: बंधरा के नीवां गांव में दंपति और उसके बेटे द्वारा जहर खाने के मामले ने पुलिस की जांच उलझ गयी है। शुकवार को हुई तारावती (52) और उसके बेटे संदीप (30) की मौत के बाद रविचार शाम रूपनारायण (55) ने भी निजी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जहर आया कहाँ से? किस तरह सेवन किया गया? मामला सामूहिक खुदकुशी का है या इसके

पीछे कोई और कारण हैं। घटनास्थल की तलाशी के दौरान पुलिस को किसी भी प्रकार के जहरीले पदार्थ की शोशी, रैपर नहीं मिला, जिससे संदेह और गहरा गया है। वहीं, संदीप की बच्चे से मिले सुसाइड नोट में हम लोग आत्महत्या कर रहे हैं, इसके लिए परिवार का कोई दोष नहीं है लिखा मिला था। पुलिस सुसाइड नोट की जांच के लिए हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की भी मदद लेगी। वहीं घटना के समय घर

में मौजूद भोजन को पुलिस ने कब्जे में लेकर फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा है। आशंका जताई जा रही है कि जहर खाने में मिलाकर या किसी पेय पदार्थ के जरिए दिया गया हो सकता है। पुलिस घटना के समय घर में मौजूद छोटे बेटे कुलदीप से भी पूछताछ कर रही है। इसके अलावा घर के बाहर दीवार पर चस्पा पांच पन्नों का एक फटा नोटिस भी जांच के दायरे में है, जिस पर सिक्सयोरटी ऑफिसर मुंबई लिखा मिला था। पुलिस आर्थिक या बाहरी दबाव के बिंदुओं पर भी जांच कर रही है।

शिक्षिका की कमाई 1.46 करोड़, संपत्ति 2.69 करोड़

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● विजिलेंस यूनिट की जांच के बाद आय से अधिक संपत्ति की रिपोर्ट दर्ज

स्थित फूलबाग कॉलोनी सीता पाठक तैौर सहायक अध्यापिका बख्शी का तालाब स्थित सुवंशीपुर प्राथमिक विद्यालय में तैनात हैं। शिकायत मिलने पर उनके खिलाफ जांच की गई। सतकंता अधिष्ठान द्वारा की गई विस्तृत जांच की रिपोर्ट 3 फरवरी को शासन को भेजी गई। जांच में सामने आया कि वैध स्रोत से कुल आय 1.46 करोड़ रुपये अर्जित किया। इस दौरान उन्होंने दो करोड़ 69 लाख रुपये खर्च किया। जांच में पया गया कि सीता

फॉलोअप

दुष्कर्म के बाद भतीजी को गोमती में फेंकने वाला मौसा गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

अमृत विचार: दुष्कर्म कर भतीजी को गोमती नदी में फेंकने वाले मौसा को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसके खिलाफ दर्ज मामले में पाँचसो एक्ट, दुष्कर्म और हत्या की धारा बढ़ाई गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर मेडिकोलगल एक्सपर्ट की राय और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने ये कार्रवाई की है। एडीसीपी उत्तरी ब्रह्मभ रणवाल ने बताया कि मौसा ने कबूला कि वह 18 मार्च को पीली कॉलोनी में बंगाली डॉक्टर के पास दवा दिलाने की बात कहकर भतीजी को बाइक से लेकर निकला था। पीपा पुल पुल के पास सुनसान जगह ले जाकर बहाने से किशोरी को बाइक से उतारा और अश्लील हरकत करने लगा। विरोध करने पर किशोरी को पीटा और

दुष्कर्म किया। किशोरी ने घरवालों में शिकायत करने की धमकी दी तो उसे नदी में फेंक दिया था। इसके बाद खुद के अपहरण की कहानी रच डाली। रात करीब 8:30 बजे घर पर फोन कर बताया कि कार सवार चार लोग किशोरी को अगवा कर ले गए। परिजन व पुलिस पहुंची तो मौसा बेहोश पड़ा मिला। पुल के पास किशोरी की सलवार व अंडर गार्मेंट्स मिले। सीसीटीवी फुटेज में कोई कार न दिखने पर पुलिस ने मौसा से सख्ती से पूछताछ की तो उसने गुनाह कबूल कर लिया। इस्पेक्टर मंडिर्यांव शिवानंद मिश्रा के मुताबिक किशोरी के भाई ने बताया कि मौसा बहन पर गंदी नजर रखता था। कई

किशोरी को अगवा कर दुष्कर्म का प्रयास, दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : रहीमाबाद इलाके में खेत में चारा काटने गई किशोरी को बाइक सवार बदमाशों ने अगवा कर दुष्कर्म का प्रयास किया। शनिवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पिता ने बताया कि 20 मार्च को शाम करीब 4 बजे 14 वर्षीय बेटी गांव से लगभग 200 मीटर खेत पर चारा काटने गई थी। वहां बाइक से आए दो बदमाशों ने दो पकड़ लिया। मुंह दबाकर झाड़ियों की तरफ खींचकर छेड़छाड़ शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे पीटने लगे। चीख-पुकार सुनकर पिता दौड़े, लेकिन बदमाश किशोरी को बाइक पर बिठाकर जंगल की तरफ भाग गए। सूचना पर पुलिस ने सर्विलांस टीम की मदद से आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। ग्रामीणों और पुलिस की धेराबंदी से घबराए बदमाश देर रात किशोरी को छेड़कर भाग निकले। 121 मार्च को माल के पारा गांव के निकट किशोरी परिजन को सड़क पर मिल गई। शनिवार सुबह करीब 11 बजे पुलिस ने थाना औरास के नसीरपुर निमेंवा निवासी आरोपी उरयवीर और सरवन को जालाम अंडरपास के नीचे से गिरफ्तार कर लिया। बाइक भी बरामद कर ली गई। उरयवीर मजदूरी करता है और सरवन मिठाई कारीगर है। इस्पेक्टर रहीमाबाद धरानु कुमार ने बताया कि पिता की तहरीर पर अपहरण व पॉक्सो एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर दोनों बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। न्यायालय के समक्ष बयान के आधार पर धाराओं का संशोधन किया जाएगा।

बस की डिग्गी में रखे बैग से 25 लाख के जेवर चोरी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: कृष्णानगर थाना क्षेत्र में एक महिला यात्री ने निजी ट्रेवल एजेंसी कर्मचारियों और बस के क्लीनर पर यात्रा के दौरान डिग्गी में रखे बैग से 25 लाख के जेवर चोरी का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर कृष्णानगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आलमबाग के ओमनगर निवासी सुमन अहिरवार ने बताया कि 19 फरवरी को उन्होंने साहारा ट्रेवेल्स की प्राइवेट बस आसिफ से झांसी से लखनऊ के लिए टिकट लिया था। आरोप है कि उसी रात निर्धारित समय पर बस आने के बाद वह अपने बेटे कृष्णा संग बस में सवार हो रही थी। तभी बस क्लीनर ने उनका लगेज बैग बस की डिग्गी में रख दिया। 20 फरवरी की सुबह

कुत्ते पर हमला करने वाले युवकों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ : नाका के रस्सी बटान मोहल्ले में 15 मार्च की सुबह कुछ युवकों ने रॉड और डंडों से कुत्तों पर हमला कर दिया। जानकारी होने पर एनिमल वेलफेयर टीम ने घायल कुत्तों को रेस्क्यू कर इलाज के लिए भेजा। वेलफेयर की टीम ने नाका थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। डा. विशाखा शुक्ला के मुताबिक घटना में चार कुत्ते गंभीर रूप से घायल हुए हैं। एक का जबड़ा टूट गया और सिर में फ्रैक्चर है, जबकि अन्य कुत्तों के पैर और शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। आरोप है कि मौके पर मौजूद अफान, साद समेत अन्य युवक कुत्तों को पीटते मिले। रेस्क्यू के दौरान 70-80 लोगों की भीड़ ने टीम को घेर लिया और जान से मारने की धमकी दी। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस को बुलाना पड़ा। इस्पेक्टर नाका अभिनव वर्मा ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

अमौसी जोन में 25 संविदा कर्मी हटाए

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● लाइनमैन व हेल्पर हुए इलेक्ट्रिक बिजली बिल वसूली में लापरवाही पर कार्रवाई

अमृत विचार: मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अमौसी जोन में बिजली बिल वसूली में लापरवाही बरतने पर 25 संविदा कर्मियों को सेवाओं को खत्म कर दिया गया। इनमें 8 लाइनमैन और 17 हेल्पर शामिल हैं। अधीक्षक अभियंता नेकी राम की ओर से मुख्य अभियंता रामकुमार को भेजे गए पत्र में बताया गया कि बिजली राहत बिल योजना के तहत बकायेदारों से वसूली में अपेक्षित योगदान न देने के कारण यह कार्रवाई की गई। लापरवाही के चलते राजस्व वसूली का ग्राफ गिर गया था, जिससे प्रबंधन ने सख्त रुख अपनाया। एमडी मध्यांचल रिया केजरीवाल की मंजूरी के बाद सभी संबंधित संविदा कर्मियों को न केवल सेवा से हटाने, बल्कि उन्हें ब्लैकलिस्ट करने के भी निर्देश दिए गए हैं। हटाए गए कर्मी दुबग्गा, मलिहाबाद, वृंदावन, कानपुर रोड, आलमबाग, मोहनलालगंज और नादरगंज उपकेंद्रों पर तैनात थे। इनकी तैनाती 15 नवंबर-25 से कलेक्शन इकाई में की गई थी। कार्रवाई की जद में आए



लाइनमैन में लक्ष्मीकांत मिश्रा, मोहम्मद सईद, कमल किशोर, नवीन कुमार यादव, सुनील कुमार द्विवेदी, रितेश कुमार मौर्या और सुनील कुमार यादव शामिल हैं, जबकि हेल्पर वर्ग में दीपक कुमार, सर्वेश कुमार सिंह, दिलीप कुमार परेल, अमित सैनी, महेंद्र कुमार दुबे, विक्रम सिंह, अवनीश कुमार भारती, शशुधन लाल, जितेंद्र कुमार, मनोष कुमार, विनय, चंद्रशेखर, सतीश कुमार यादव, हिमांशु श्रीवास्तव, मोहित खन्ना व साजन रावत सहित 17 कर्मियों को हटाया गया है। बिजली विभाग की इस कार्रवाई को राजस्व वसूली में सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

पाठक ने आय से 1.22 करोड़ रुपये अधिक खर्च कर संपत्तियां बनाई हैं। इस संबंध में उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया तो संतोषजनक जवाब नहीं मिला। सतकंता विभाग की जांच में आय से अधिक संपत्ति की दोषी पायी गई है। शासन ने सतकंता अधिष्ठान की रिपोर्ट पर 23 फरवरी को एफआईआर दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया। इसके बाद इस्पेक्टर हंसलाल यादव की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज किया गया है। सतकंता अधिष्ठान की टीम उनकी संपत्तियों, बैंक खातों और अन्य निवेश की विस्तृत जांच करेगी।

“गर फिरदौस बर-रु-ए-जमीं अस्त, हमीं अस्त ओ हमीं अस्त ओ हमीं अस्त।” अर्थात् यदि धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यहीं है, यहीं है, यहीं है। नामचीन शायर अमीर खूसरो द्वारा लिखा उक्त शेर कश्मीर की खूबसूरती को खुले दिल से बयां करने को काफी है। यहां के बारे में यह भी कहा जाता कि “पड़ता है आसमान का साया जमीन पर।” यूं तो समूचा कश्मीर ही नयनाभिराम, लेकिन लिह्वर पहाड़ियों की गोद में बसे पहलगाम के अलावा गुलमर्ग, सोनमर्ग, गुरेज घाटी तथा डल झील में नौका विहार की तो बात ही निराली है। अनुच्छेद-370 की समाप्ति के बाद कश्मीर संभाग के दस जिलों में आधारभूत संरचनाओं को और मजबूती मिली है। स्मार्ट सिटी सिस्टम, कुटीर व क्राफ्ट उद्योग, पलोरीकल्चर, हार्टिकल्चर ने यहां गति पकड़ ली है। बिजली-पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार और बेहतर जीवन स्तर को यहां बल मिला है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सौजन्य से पीआईबी द्वारा आयोजित मीडिया टूर के तहत गत दिनों अमृत विचार को भी कश्मीर में सरकार की योजनाओं को जानने का अवसर मिला।



अनिल किशोर
वरिष्ठ पत्रकार

पेश है विशेष रिपोर्ट...

बर्फ से ढंकी वादियों, झीलों, ऊंची चोटियों से गिरते चर्मों- झरनों, कल-कल निनाद करते दरियों, चिनार के रंग-बिरंगे पत्तों, देवदार, विलो, अखरोट के वृक्षों अलावा पोपलर, फर और चीड़ के पत्तों के मखमली स्वरूपों, हरे-भरे घास के मैदानों, पहाड़ों की सपाईली सड़कों, हाउसबोट्स में बैठने तथा शिकारों में रहकर कुदरत को महसूस करना हो, तो धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर जरूर जाएं। केसर की खेती, अखरोट, बादाम व सेब के बागानों की जब बात होती है, तब हमारा ध्यान कश्मीर की ओर बरबस खींचा जाता है। यकीन मानें, कश्मीर आज भी उतना ही खूबसूरत है, जितना कभी पहले था। सच में यह धरती का स्वर्ग ही है। अप्रैल-मई के अंत तक बर्फ देखनी हो तो कश्मीर। झीलों के पानी पर तैरते हाउसबोट्स व शिकारों में बैठ मनमोहिनी रात में चांद को निहारना है, तो भी कश्मीर। भारत का मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने कश्मीर को कुदरत ने भरपूर नवाजा है। बर्फ से लकड़क पहाड़ों से होने वाला जल प्रवाह जब मैदानों में दरिया का रूप अखिरा करता है, तो उनका लय-छंद इंसान के रोम-रोम को झंकृत कर देता है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद-370 की समाप्ति तथा अगस्त 2019 में जम्मू-कश्मीर का केंद्र शासित प्रदेश बन जाना बदलाव की कहानी बयां कर रहा है। वर्ष 1989 के मध्य में शुरू हुए पाक प्रायोजित आतंकवाद ने कश्मीर को थोड़ा असहज जरूर किया, लेकिन बमों के धमाके व गोलियों की तड़तड़हट यहां आने वाले सैलानियों के कदम कभी नहीं रोक पाई। कश्मीर में मनोरम व रमणीय स्थलों की सूची थोड़ी लंबी है। यहां कई स्थान हैं, जिनका चक्कर लगाए बगैर मन नहीं मानेगा। विश्व के प्रसिद्ध हिल-स्टेशनों में से एक गुलमर्ग और सोनमर्ग की तो बात ही निराली। गुरेज वैली की वादियों में बिताए पल स्वर्ग में रहने की अनुभूति कराते हैं। यहां के पर्वतों की हिमाच्छादित

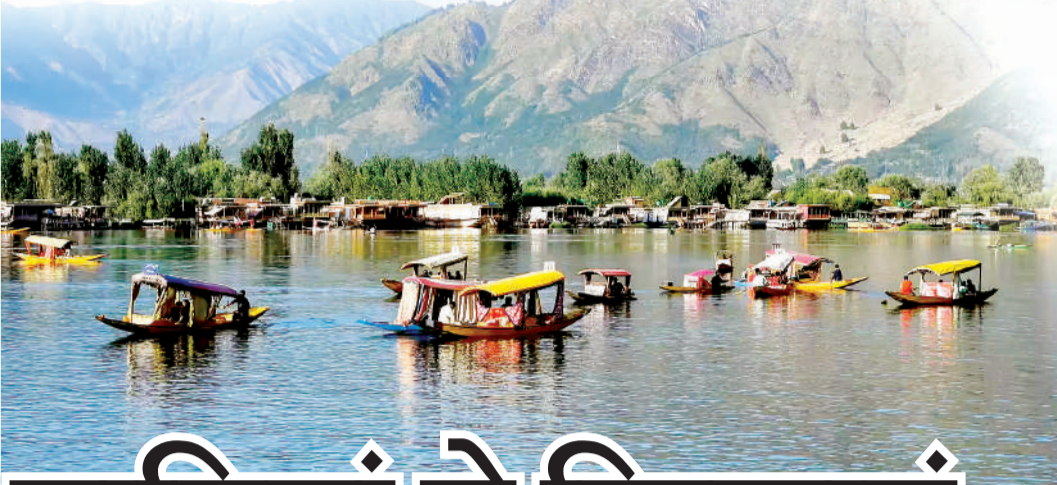


अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 22 मार्च 2026

www.amritvichar.com



वादियां ये फिजाएं बुला रही हैं तुम्हें...

चोटियां नयनाभिराम। इन पर जब सूरज की रोशनी पड़ती है, तो लगता है जैसे धरा पर स्वर्ण आभाएं अवतरित हो चली हों। गुलमर्ग में गंडोला के कारण आने वाले पर्यटक भारत-पाक नियंत्रण रेखा के करीब तक जा सकते हैं। कश्मीर के अन्य भागों में बर्फ से लदी पहाड़ियां, फूलों से गुलजार बाग-बगीचे, मनमोहक टयूलिप गार्डन, हरी-भरी वादियां, झीलें और झरने बहुतायत में मिल जाएंगे।

श्रीनगर से मात्र 96 किमी दूर करीब 7200 फीट ऊंची लिह्वर घाटी के बीचों-बीच बसे पहलगाम को कुदरत ने खूबसूरती से भरपूर नवाजा है। हिमाच्छादित पर्वत श्रृंखला इतनी मनोहारी की सैलानी मंत्रमुग्ध होकर उसे निहारने को बेबस हो जाता है। चारों ओर मखमली घास और लिह्वर नदी का कलकल निनाद पहलगाम की शोभा में चार चांद लगा देता है। यहां आइस स्कीइंग, स्केटिंग, पैराग्लाइडिंग भी की जाती है। पहलगाम से सटा अनंतनाग जिला कश्मीर के हस्तशिल्प के लिए विख्यात है। इसे कश्मीर के इतिहास व संस्कृति के लिए भी जाना जाता है। जहां गब्बों, नमदों, पेपरमाशों के कार्य करने वालों की लाइनें तो लगी ही होती हैं, पहलगाम की बेताब घाटी तो बेहद मनोहारी। तारसर, मांसर व तुलियान झील जैसे खूबसूरत पर्यटक स्थल इसके आसपास ही बसे हैं। चीड़ व देवदार के वृक्षों के बीच बसा पहलगाम अपने में सारे जहां के सौंदर्य को समेटे हुए है। पहलगाम में गत वर्ष 22 अप्रैल को 26 लोगों की जान लेने वाले आतंकवादियों के मनसूखे को धता बताने वाले यहां पर्यटकों की भीड़ फिर से लौट आई है। यहां के बाजार, होटल और सड़कें गुलजार नजर आ रही हैं। देशभर से आए सैलानी घाटी की खूबसूरती, मौसम और स्थानीय लोगों की मेहमाननवाजी का आनंद ल रहे हैं, जिससे पर्यटन कारोबार को नई उम्मीद मिली है। ‘चरवाहों की घाटी’ (पहलगाम) में पुनः रौनक-ए-बहार है।

पर्यटकों का जमावड़ा



पहलगाम में बर्फबारी का आनंद लेते पर्यटक।

दस जिलों वाले कश्मीर संभाग में पर्यटकों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। इसमें डल झील, निगिनी झील, हाउसबोट व शिकारा सफारी देखना हो, तो श्रीनगर जाएं। एशिया की सबसे मीठी पानी की झील वुलर व प्रसिद्ध गुरेज घाटी देखना हो तो बांदीपोर जिले में अवश्य जाएं। मौसम के अनुसार वुलर झील के आकार में बहुत विस्तार-सकुचन होता रहता है। इसका अकार 30 वर्ग किमी. से 260 वर्ग किमी. के बीच बदलता है। प्राकृतिक सुंदरता के लिए विश्व विख्यात लोलाब घाटी कुपवाड़ा जिले, जबकि झेलम नदी के किनारे स्थित बारमूला जिला स्कीइंग डेस्टिनेशन (गुलमर्ग) के लिए प्रसिद्ध है। श्रीनगर से सटे जिले बडगाम जिले में प्रसिद्ध चरार-ए-शरीफ दरगाह स्थित है। बेहद शांत स्थान के रूप में प्रख्यात यूसमर्ग भी यहीं है। ‘कश्मीर का आनंद’ कहे जाने वाले पुलवामा जिले में शुद्ध दूध उत्पादन और केसर की खेती बहुतायत में होती है। इसकी मुख्य खेती पोपोर क्षेत्र में होती है। पोपोर को ‘केसर शहर’ भी कहा जाता है। इसके अलावा किशतवाड और आसपास के करेवा (ऊंची भूमि) क्षेत्रों में भी उच्च गुणवत्ता वाला केसर उगाया जाता है। ‘सेब नगरी’ के नाम से मशहूर शोपिया जिला 60 प्रतिशत से अधिक आबादी के लिए रोजगार का केंद्र है। कुलगाम में धान की खेती की जाती है, इस जिले को ‘कश्मीर का चावल का कटोरा’ भी कहा जाता है।

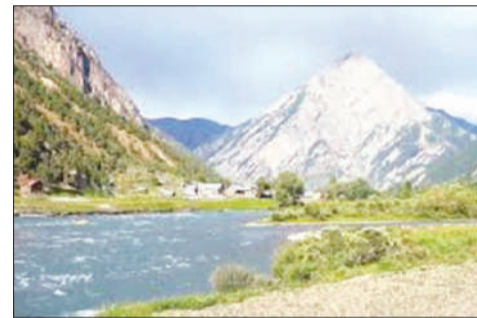


टयूलिप गार्डन : बस रह जाएंगे निहारते

श्रीनगर स्थित इंदिरा गांधी स्मारक टयूलिप गार्डन एशिया में सबसे बड़ा है। डल झील के किनारे तथा जबरवन पहाड़ियों की गोद में बसे इस बाग में इस वर्ष 70-75 किस्मों के 18 लाख से ज्यादा टयूलिप खिले हैं। गत वर्ष 8.55 लाख से भी अधिक सैलानी इस बाग को देखने यहां आए थे। संभावना है कि इस वर्ष यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। वर्ष 2007 में अपनी स्थापना के बाद से यह बाग विश्व प्रसिद्ध हो चला है। उद्यान प्रभारी जाविद मसूद ने बताया कि मनमोहक टयूलिप के अलावा, 55 हेक्टेयर क्षेत्र में फैले टयूलिप गार्डन में डेफोडिल, मस्करी और साइक्लेमेन फूल भी खिले हैं।



गुरेज वैली : इसके बिना कश्मीर की यात्रा अधूरी



श्रीनगर से लगभग 123 किमी की दूरी पर स्थित गुरेज वैली वर्ष के छह माह तक हिमाच्छादित ही रहती है। इस घाटी से किशानगा नदी बहती है, जो आगे चलकर पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद में झेलम नदी में मिल जाती है। इस घाटी के लोग मूलतः कश्मीरी नहीं हैं। यहां के निवासी दर्द शिन आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। करीब 60 साल तक इस जगह पर बाहर के लोगों को आने की मनाही थी। वर्ष 2007 में ये जगह पर्यटकों के लिए खोल दी गई।

रेशम उत्पादन : गांदरबल का रेशम सीड फार्म

रेशम उत्पादन कश्मीर के प्राचीन व्यवसायों में से एक है। यह उद्योग रेशम कीट पालन के माध्यम से लगभग 30 हजार परिवारों को अंशकालिक रोजगार प्रदान करता है। रेशम की चार किस्में अर्थात् शहतूत, परी, मूगा और तसर हैं। शहतूत का रेशम देश के रेशम उत्पादन में 87 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। गांदरबल जिले के मनसबल स्थित रेशम सीड फार्म हाउस में सेरी टूरिज्म प्रोजेक्ट कई एकड़ क्षेत्र में फैला है। इस फार्म हाउस में भारत के अलावा जापान, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश में उगने वाले मलबरी पौधे लगाए गए हैं। फार्म के विज्ञानी डॉ. राजेश ने बताया कि मलबरी की पत्तियों पर रेशम के कीड़ों से किण्वन करने की यहां पद्धति है। इस कार्य में कई लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिला हुआ है। यहां रेशम म्यूजियम भी है, जहां रेशम की कई किस्में रखी हुई हैं, केंद्रीय रेशम बोर्ड तथा वस्त्र मंत्रालय के सौजन्य से संचालित है।



कश्मीर: पश्मीना शाल के क्या कहने..

पश्मीना शाल बुनने में काफी समय लगता है और यह काम के प्रकार पर निर्भर करता है। एक शाल को पूरा करने में आमतौर पर लगभग 72 घंटे या उससे अधिक समय लगता है। पश्मीना शाल की बुनाई में उपयोग किया जाने वाला ऊन लदाख में पाए जाने वाले पालतू चांगथांगी बकरियों से प्राप्त किया जाता है। एक पश्मीना शाल की न्यूनतम कीमत चार हजार, जबकि अधिकतम कीमत करीब दस लाख रुपये तक होती है। कुछ पश्मीना शाल तो ऐसे भी होती हैं कि उन्हें बुनने में कारीगर को एक से डेढ़ वर्ष तक लग जाते हैं। कश्मीरी रेशम, बसोहली चित्रकला, विलो की टोकरियां और मिट्टी के बर्तन इस क्षेत्र की कुछ अन्य शिल्पकलाओं के उदाहरण हैं। कश्मीर में बुना जाने वाला टवीड कपड़ा विश्व प्रसिद्ध है। इसे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कपड़ों में से एक माना जाता है। कश्मीरी कढ़ाई भारत और अन्य देशों में भी मशहूर है। स्थानीय रूप से कसीदा के नाम से जानी जाने



श्रीनगर-गुलमर्ग मार्ग के समीप स्थित कश्मीर हस्तकला सेंटर पर लेडीज सूट को हाथ से बुनती महिलाएं।

वाली इस कढ़ाई में इस्तेमाल किए जाने वाले डिजाइन कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता से प्रेरित हैं। कश्मीरी कारीगर, जो अपनी जटिल काष्ठ कारीगरी के लिए जाने जाते हैं। हाथ से बुनी गई अनूठी कश्मीरी कालीनों में डिजाइन निर्देशों के लिए तालीम नामक कोडिन लिपि का उपयोग किया जाता है। कश्मीरी पुरुषों और महिलाओं की पारंपरिक पोशाक को फेरन कहा जाता है। फेरन ऊन से बना एक लंबा, ढीला गाउन होता है।

विकास की राह पर कश्मीर

कश्मीर अब शांति, सुरक्षा व विकास के पथ पर गतिमान हो चला है। बुनियादी ढांचे के निर्माण, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, पर्यटन में रिकार्ड वृद्धि, शिक्षा, डिजिटल कनेक्टिविटी के माध्यम कश्मीर को सशक्त कर रहा है। यहां दैनिक हड़तालें, पत्थरबाजी और बाजारबंदी अब अतीत की बातें रह गई हैं। परोक्ष नागरिक हानि (कोलेटरल डैमेज) न के बराबर हो गई है, आतंकी गतिविधियों पर अंकुश लग चुका है। पुख्ता सुरक्षा तथा बेहतर कानून व्यवस्था की वजह से वर्ष 2025 में कुल 1.77 करोड़ सैलानी कश्मीर (मिनी स्विट्जरलैंड) आए, जिनमें करीब 36 हजार विदेशी पर्यटक भी शामिल हैं। सुरक्षा स्थिति में सुधार के लिए जम्मू-कश्मीर में अनाधिकारिक रूप से करीब तीन लाख सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। इसमें सेना तथा पैरामिलिट्री फोर्स आतंक विरोधी घटनाओं से निपटने को तत्पर हैं। गरीबी, स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा और बुनियादी ढांचों में भी यहां सुधार हो रहा है।



बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को मिल रही रफ्तार

कश्मीर महिला सशक्तिकरण की ओर भी बढ़ चला है। यहां लैंगिक भेदभाव गुजरे जमाने की बात रह गई है। पर्यटन उद्योग कश्मीर का आर्थिक मेरुदंड है। सर्दियों में कश्मीर से करीब छह माह तक संपर्क कटे रहने वाले लदाख तक पहुंच के लिए जोजिला सुरंग यथाशीघ्र शुरू कर दिया जाएगा, पर्यटन को इससे उड़ान मिलेगी। राष्ट्रीय राजमार्ग-444 का ब्राजलू ब्रिज इसी माह निर्मित हो जाएगा। इससे दक्षिणी कश्मीर के कई जिले विशेषकर कुलगाम की श्रीनगर व एनएच-44 कनेक्टिविटी में सुधार हो जाएगा। पीर की गली टनल बनाने को टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इसका निर्माण पुंछ व शोपियां के बीच हर मौसम में कनेक्टिविटी देगी। साधना टनल दूर के सीमावर्ती जिलों सहित करनाह इलाके को स्थिर व सुरक्षित कनेक्टिविटी देगी। यह टनल खतरनाक साधना दर्रे की जगह लेगी। कुपवाड़ा में त्रेहगाम-छमकोट रोड प्रोजेक्ट उत्तरी कश्मीर के गावों के बीच बेहतर संपर्क बनाएगी। निर्माणाधीन श्रीनगर रिंग रोड जम्मू, बारामूला, गांदरबल और पुलवामा जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के बीच सुगम संपर्क स्थापित करेगी। वर्ष 2018 में 1500-1600 किमी के मुकाबले कश्मीर में सड़क निर्माण आज करीब 3200 किमी हो गया है।



उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक कश्मीर को देश के अन्य भागों से जोड़ने को तत्पर है। चेनाब नदी पर बना चिनाब रेल ब्रिज दुनिया का सबसे ऊंचा (359 मीटर) रेलवे पुल है। यह पुल कश्मीर को शेष भारत से जोड़ता है। कटरा से श्रीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन करीब 191 किमी की दूरी को महज दो घंटे 58 मिनट में पूरी कर लेती है। श्रीनगर में भारतीय वायु सेना के स्वामित्व वाले शेख उल-आलम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से देश के अन्य स्थानों के लिए विमान सेवाएं हैं। शहरी सुधार के लिए स्मार्ट सिटी मिशन व गतिशील रेल परियोजनाओं के अलावा फिल्म, खाद्य-प्रसंस्करण व बागवानी को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्रीनगर में लालचोक-पारिंपरा फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी इसी वर्ष शुरू होने की उम्मीद है। अंतर्देशीय पर्याय में निर्माणाधीन एम्स अस्पताल घाटी के स्वास्थ्य क्षेत्र में मजबूती को तैयार है।

स्थान जो अपनी ओर बरबस खींचते

- **अच्छबल** : श्रीनगर से 58 किमी दूर तथा 1677 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान कभी नूरजहां के पर्यटनस्थल के रूप में जाना जाता था। जहां मुगल उद्यान भी है, जो अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं।
- **मदन** : पहलगाम मार्ग पर स्थित इस स्थान पर हिंदुओं की आस्था का केंद्र प्राचीन शिव मंदिर है। यहां के झरने भी सैलानियों को आकर्षित करते हैं।
- **गुलमर्ग** : बारामूला जिले में स्थित यह स्थान फूलों के प्रदेश के नाम से मशहूर है। समुद्र तल से 2730 मीटर की ऊंचाई पर बसा गुलमर्ग सैलानियों के लिए किसी तीर्थ स्थान से कम नहीं। देश के शीतकालीन खेलों का यह बड़ा केंद्र भी है। बर्फ से ढकी यहां की पर्वत चोटियां सैलानियों को बुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ती है।
- **सोनमर्ग** : यह मनोरम स्थल श्रीनगर से लेह की ओर जाने वाले मार्ग में पड़ता है। हिमाच्छादित पर्वतों पर सूरज की किरणें पड़ती हैं, तो यहां का दृश्य मन को लुभाने वाला और अविस्मरणीय हो जाता है।
- **जामिया मस्जिद** : इस मस्जिद का निर्माण सुलतान सिकंदर ने 1400 ईसवी में करवाया था और बाद में उनके बेटे जेन-उल-अबीदीन ने इसके क्षेत्रफल को और बढ़ाया था।
- **परी महल** : यह महल कभी बौद्ध मठ था। मुगल बादशाह शाहजहां के बेटे दाराशिकोह ने इसे ज्योतिष के एक स्कूल के रूप में बदल दिया था।
- **डल झील** : श्रीनगर के बीच में स्थित डल झील में नौकाविहार के आनंद के क्या कहने। करीब 12 वर्ग किमी क्षेत्र में फैले इस झील में अनेक टापू भी हैं, जो सैलानियों को लुभाते हैं। इस झील में स्थित शिकारों में रहने का अलौकिक अनुभव मिलता है। डल झील को ‘कश्मीर का ताज’ व ‘श्रीनगर का गहना’ भी कहा जाता है। यह झील तैरते हुए बाजारों के लिए भी मशहूर है।
- **शंकराचार्य मंदिर** : श्रीनगर स्थित यह मंदिर जमीन से करीब एक हजार फीट की ऊंचाई पर है। जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसे तख्त-ए-सुलेमान के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर का निर्माण महाराजा अशोक के बेटे जलुका ने 200 ईसा पूर्व में करवाया था। इस मंदिर से पूरी पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला और श्रीनगर का प्रत्येक भाग देखा जा सकता है।
- **हजरतबल दरगाह** : यह दरगाह डल झील के पश्चिमी किनारे पर निशात बाग के बिल्कुल सामने है। एक ओर झील तथा दूसरी ओर पर्वत श्रृंखला होने के कारण इसकी सुंदरता देखते ही बनती है। हजरत मुहम्मद साहब की निशानी के रूप में उनका एक पवित्र बाल इसमें रखा गया है।



दिनचर्या और जीवनशैली का महत्व

वसंत ऋतु में सही दिनचर्या अपनाना भी उतना ही जरूरी है, जितना सही आहार लेना। सुबह जल्दी उठना, नियमित व्यायाम करना, दिन में न सोना और रात का भोजन हल्का व समय पर लेना वजन घटाने में सहायक होता है। देर रात खाना खाने और निष्क्रिय जीवनशैली से कफ बढ़ता है, जिससे मोटापा बढ़ सकता है। इसलिए संतुलित जीवनशैली अपनाकर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

वसंत ऋतु में वजन घटाना

आयुर्वेद, पंचकर्म और योग के साथ

वसंत ऋतु प्रकृति में नवजीवन का संदेश लेकर आती है। इस समय वातावरण सुहावना होता है और चारों ओर हरियाली दिखाई देती है, लेकिन शरीर के अंदर भी महत्वपूर्ण परिवर्तन होते हैं। शीत ऋतु में जमा हुआ कफ दोष इस मौसम में पिघलकर सक्रिय हो जाता है, जिससे शरीर में भारीपन, आलस्य और सुस्ती महसूस हो सकती है। यही वह समय है, जब शरीर प्राकृतिक रूप से खुद को शुद्ध करने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय सही आहार और दिनचर्या अपनाई जाए, तो यह ऋतु स्वास्थ्य सुधारने और वजन घटाने का सबसे अच्छा अवसर बन जाती है।

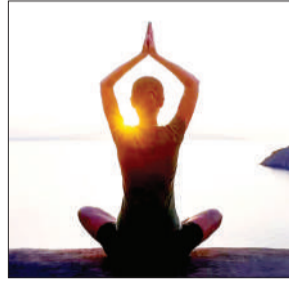
सर्दियों में भारी, तैलीय और मीठा भोजन अधिक लेने से शरीर में चर्बी और कफ बढ़ जाता है। वसंत ऋतु के आगमन पर तापमान बढ़ने से यह कफ पिघलने लगता है और शरीर में गतिशील हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यही स्थिति वजन घटाने के लिए अनुकूल होती है, क्योंकि इस समय शरीर जमा हुई वसा को कम करने के लिए तैयार रहता है। यदि इस समय व्यक्ति हल्का, सुपाच्य और कफ को कम करने वाला आहार लेता है तथा नियमित व्यायाम करता है, तो वजन कम करना आसान हो जाता है। इसलिए वसंत ऋतु को प्राकृतिक रूप से वजन घटाने का सर्वोत्तम समय माना गया है।

आहार की भूमिका

वजन घटाने में आहार सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस ऋतु में पाचन शक्ति थोड़ी कमजोर होती है, इसलिए हल्का और सुपाच्य भोजन लेना चाहिए। मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया, जौ की रोटी और सत्तू जैसे आहार शरीर को ऊर्जा देते हैं, लेकिन चर्बी नहीं बढ़ाते। साथ ही कड़वे और कसैले स्वाद वाले पदार्थ जैसे करेला, मेथी और हरी पत्तेदार सब्जियां शरीर को शुद्ध करती हैं और कफ को कम करती हैं। सुबह गुनगुने पानी में शहद और नींबू का सेवन पाचन को बेहतर बनाता है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करता है। इसके विपरीत तले, मीठे और ठंडे खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए, क्योंकि ये कफ और मोटापा दोनों बढ़ाते हैं।

शहद और हर्बल पेयों का महत्व

वसंत ऋतु में शहद का सेवन विशेष रूप से लाभकारी माना गया है। आयुर्वेद में इसे 'लेखन' गुण वाला बताया गया है, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद करता है। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद और नींबू मिलाकर पीने से शरीर डिटॉक्स होता है और मेटाबॉलिज्म बढ़ता है, ध्यान रहे कि शहद को कभी भी ज्यादा गर्म पानी में नहीं पीना है। इसके साथ ही जीरा, धनिया और सौंफ का पानी, अदरक और तुलसी की चाय जैसे हर्बल पेय शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालते हैं और वजन घटाने में सहायक होते हैं।



योग का महत्व प्राकृतिक और सुरक्षित उपाय

योग वसंत ऋतु में वजन घटाने का एक सरल, सुरक्षित और प्रभावी तरीका है। सूर्य नमस्कार पूरे शरीर को व्यायाम है, जो कैलोरी बर्न करता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। कपालभाति प्राणायाम पेट की चर्बी को सुधारने में मदद करता है। अनुलोम-विलोम तनाव को कम कर शरीर को संतुलित रखता है। इसके अलावा भुजंगासन, पवनमुक्तासन और त्रिकोणासन जैसे योगासन पेट और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में सहायक होते हैं। नियमित योग करने से न केवल वजन नियंत्रित रहता है, बल्कि मानसिक शांति और ऊर्जा भी बनी रहती है।



पंचकर्म की भूमिका: गहराई से शरीर की सफाई

वसंत ऋतु में पंचकर्म उपचार विशेष रूप से प्रभावी होता है, क्योंकि इस समय कफ दोष को शरीर से निकालना आसान होता है, हेमंत में संचित कफ दोष वसंत में सूर्य की तेज होती किरणों से स्वतः पिघलने लगता है जिसे 'वासंतिक वमन कर्म' द्वारा आसानी से निकाला जा सकता है। पंचकर्म की प्रमुख प्रक्रियाओं में वमन, विरेचन, स्वेदन और उद्धर्तन शामिल हैं। वमन चिकित्सा के द्वारा शरीर से अतिरिक्त कफ बाहर निकाला जाता है, जो मोटापा और एलर्जी में लाभकारी है। उद्धर्तन में हर्बल चूर्ण से मसाज की जाती है, जिससे शरीर की चर्बी कम होती है और त्वचा टोन होती है। स्वेदन (भाप) शरीर के रोमछिद्रों को खोलकर विषैले तत्वों को बाहर निकालता है, जबकि विरेचन पाचन तंत्र को साफ कर शरीर को हल्का बनाता है। इन प्रक्रियाओं से शरीर अंदर से शुद्ध होता है और वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

प्राकृतिक डिटॉक्स और फिटनेस का समय

वसंत ऋतु को शरीर के लिए प्राकृतिक डिटॉक्स का समय कहा जाता है। इस मौसम में शरीर स्वयं ही विषैले तत्वों को बाहर निकालने की प्रक्रिया शुरू करता है। यदि इस समय



सही आहार, पंचकर्म और योग को मिलाकर अपनाया जाए, तो शरीर अंदर से पूरी तरह साफ हो जाता है और वजन स्वाभाविक रूप से कम होने लगता है। यह एक ऐसा समय है, जब बिना कठोर डाइटिंग के भी अच्छे परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। वसंत ऋतु वजन घटाने के लिए एक स्वर्णिम अवसर प्रदान करती है। इस समय शरीर में जमा कफ पिघलता है, जिससे चर्बी कम करना आसान हो जाता है। यदि इस मौसम में आयुर्वेद के अनुसार आहार लिया जाए, पंचकर्म के द्वारा शरीर को गहराई से सफाई की जाए और नियमित योग को दिनचर्या में शामिल किया जाए, तो न केवल वजन कम किया जा सकता है, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। इसलिए वसंत ऋतु को केवल मौसम परिवर्तन न मानकर, अपने शरीर को स्वस्थ, हल्का और ऊर्जावान बनाने का सर्वोत्तम समय समझना चाहिए।

रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय एक प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक संस्थान है, जहां पारंपरिक आयुर्वेदिक चिकित्सा पंचकर्म चिकित्सा (वमन, विरेचन, स्वेदन आदि), योग एवं प्राणायाम केंद्र, पथ्य (डाइट) परामर्श, तंबाकू/नशा मुक्ति केंद्र एवं आयुर्वेदिक आहार योजना, ओपीडी एवं आईपीडी सेवा को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रदान किया जाता है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में रोगियों को व्यक्तिगत प्रकृति (प्रकृति-आधारित) के अनुसार उपचार और आहार सलाह दी जाती है, जिससे वजन घटाने और संपूर्ण स्वास्थ्य सुधार में विशेष लाभ मिलता है। रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय, सेक्टर-7, रामगंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश- +91 8077808309

एआई से पूछकर न करें इलाज

चिकित्सकीय सलाह बेहद जरूरी



इंदु सिंह
लेखिका

एआई के लाभ और उपयोगिता

निस्संदेह, एआई का उपयोग कई मामलों में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। विशेषकर ज्ञानवर्धन, जिज्ञासा शांत करने, सामान्य जानकारी प्राप्त करने या किसी समस्या के संभावित समाधान समझने में यह एक प्रभावी माध्यम बन चुका है। आज के दौर में जब परिवारों में संवाद कम होता जा रहा है और लोग अपने विचार खुलकर साझा नहीं कर पाते, तब एआई एक ऐसा माध्यम बनकर उभरा है, जहां व्यक्ति बिना झिझक अपनी बात कह सकता है।



युवाओं के लिए नया साथी

विशेषकर अकेले रहने वाले बच्चे, किशोर और युवा, जिनके मन में अनेक प्रश्न और उलझने होती हैं, लेकिन उन्हें सुनने वाला कोई नहीं होता, वे एआई की ओर आकर्षित हो रहे हैं। उनके लिए यह एक ऐसा साथी बन गया है, जो बिना टोकटाकी के उनकी बात सुनता है और तुरंत प्रतिक्रिया भी देता है। आज की स्मार्ट पीढ़ी एआई को केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि एक मित्र, मार्गदर्शक और कभी-कभी भावनात्मक सहारा मानने लगी है।

जब एआई को डॉक्टर समझ लिया जाता है

अब तक एआई का उपयोग जानकारी और संवाद तक सीमित रहता, तो स्थिति संतुलित कही जा सकती थी, लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब लोग इसे विशेषज्ञों का विकल्प मानने लगते हैं। आजकल कई लोग एआई को केवल सलाहकार नहीं, बल्कि डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सक तक समझने लगे हैं। वे अपने स्वास्थ्य संबंधी लक्षण बताते हैं और फिर उसके आधार पर दवाइयों के नाम पूछकर स्वयं ही उपचार करने लगते हैं।

स्वयं इलाज के खतरे

यहीं से एक गंभीर खतरे की शुरुआत होती है। किसी भी बीमारी का सही निदान केवल लक्षणों के आधार पर नहीं किया जा सकता। इसके लिए चिकित्सकीय जांच, अनुभव और व्यक्ति विशेष की शारीरिक स्थिति को समझना आवश्यक होता है। एआई सामान्य जानकारी दे सकता है, लेकिन वह आपके शरीर की वास्तविक स्थिति का आकलन नहीं कर सकता।

एआई बनाम विशेषज्ञ

एआई, गुगल या यूट्यूब जैसे माध्यम हमें सामान्य जानकारी प्रदान करते हैं, जो पहले से उपलब्ध ज्ञान पर आधारित होती है। ये हमें दिशा दिखा सकते हैं, लेकिन अंतिम निर्णय या उपचार का विकल्प नहीं हो सकते। इसके विपरीत, एक प्रशिक्षित चिकित्सक न केवल आपकी समस्या को गहराई से समझते हैं, बल्कि आपकी स्थिति के अनुसार उचित जांच, दवा और परामर्श भी प्रदान करता है।

उदाहरण और बढ़ती समस्या

हाल के समय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां लोगों ने इंटरनेट या एआई की सलाह पर दवाइयां लीं और उनकी स्थिति और बिगड़ गई। कुछ चिकित्सकों ने भी यह चिंता जताई है कि मरीज बिना परामर्श के दवाइयां लेने लगे हैं, जिससे जटिलताएं बढ़ रही हैं। यहां तक कि कुछ मेडिकल स्टोर्स पर भी बिना चिकित्सकीय पर्चे के, केवल समस्या सुनकर या ऑनलाइन जानकारी देखकर दवाइयां दे दी जाती हैं, जो अत्यंत खतरनाक प्रवृत्ति है।

हर व्यक्ति के लिए अलग उपचार

यह समझना आवश्यक है कि हर व्यक्ति की शारीरिक संरचना, रोग प्रतिरोधक क्षमता और बीमारी की प्रकृति अलग होती है। एक ही दवा हर व्यक्ति पर समान प्रभाव नहीं डालती। गलत दवा लेने से एलर्जी, साइड इफेक्ट्स या गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कई बार छोटी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारण बन जाती है।

विज्ञान: वरदान या अभिशाप

विज्ञान को संदेव दो धार वाली तलवार कहा गया है। यह वरदान भी है और अभिशाप भी। यदि इसका सही उपयोग किया जाए, तो यह जीवन को सरल, सुरक्षित और समृद्ध बना सकता है, लेकिन यदि इसका गलत उपयोग किया जाए, तो यह नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। एआई भी इसी श्रेणी में आता है। यह एक अत्यंत शक्तिशाली और उपयोगी साधन है, लेकिन इसका विवेकपूर्ण उपयोग आवश्यक है।

सही उपयोग की आवश्यकता

इसलिए आवश्यक है कि हम एआई का उपयोग सीमित और समझदारी से करें। इसे ज्ञान प्राप्त करने, जागरूकता बढ़ाने और सामान्य मार्गदर्शन के लिए उपयोग करें, लेकिन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील विषयों में इसे अंतिम निर्णयकर्ता न बनाएं। किसी भी प्रकार की बीमारी, मानसिक तनाव या शारीरिक असुविधा होने पर योग्य चिकित्सक से परामर्श लेना ही सर्वोत्तम और सुरक्षित विकल्प है।

जागरूकता ही सुरक्षा

यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम तकनीक के साथ संतुलन बनाए रखें। सुविधा के चक्कर में अपने स्वास्थ्य के साथ जोखिम न लें। यदि रखें एआई आपकी मदद कर सकता है, लेकिन आपका इलाज नहीं कर सकता। सही समय पर सही चिकित्सक तक पहुंचना ही सच्ची समझदारी और स्वस्थ जीवन की पहचान है।

साप्ताहिक राशिफल

- मेष** (♈): इस सप्ताह अपनी सेहत, संबंध और कामकाज को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही करने से बचना चाहिए। यदि आप नौकरपेशा व्यक्ति हैं, तो आप अपने कार्यालय में सावधान होकर कार्य करें। अपने काम को पूरे मनोयोग के साथ करें अन्यथा आपको बेजजह की परेशानियां झेलनी पड़ सकती हैं।
- वृष** (♉): इस सप्ताह आपको अपने कामकाज के सिलसिले में अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भूमि-भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद आपकी चिंता का कारण बनेंगे। इस दौरान स्वजन से अपेक्षाकृत सहयोग और समर्थन न मिलने पर आपका मन थोड़ा खिन्न रहेगा।
- मिथुन** (♊): इस सप्ताह अपने कार्य को योजनाबद्ध तरीके से समय पर करने का प्रयास करें। तो उन्हें अपेक्षा से अधिक सफलता और लाभ की प्राप्ति संभव है। ऐसे में इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य को पूरे मनोयोग के साथ करते हुए हाथ आर अवसर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।
- कर्क** (♋): इस सप्ताह आपको किसी भी व्यक्ति अथवा कार्य आदि को लेकर नकारात्मक धारणा बनाने से बचना चाहिए। समस्याएं घर-परिवार से जुड़ी हो अथवा करियर-कारोबार से, आपको उनसे भागने की बजाय डटकर मुकाबला करना होगा। नौकरपेशा लोगों को दिवक्तों का सामना करना पड़ सकता है।
- सिंह** (♌): यह सप्ताह करियर-कारोबार के लिए शुभता और लाभ लिए हुए है, लेकिन संबंधों की दृष्टि से थोड़ा प्रतिकूल रहने वाला है। करियर-कारोबार के सिलसिले में की जाने वाली यात्रा अत्यंत ही शुभ एवं लाभदायक साबित होगी। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे थे और रोजी-रोजगार के लिए प्रयास करते हैं, तो सप्ताह के अंत तक आपको इससे जुड़ी शुभ सूचना प्राप्त हो सकती है।
- कन्या** (♍): इस सप्ताह आपको किसी भी कार्य में सफलता पाने के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास की आवश्यकता रहेगी। भूमि-भवन से जुड़े विवाद को सुलझाने के लिए आपको अधिक भागदौड़ करनी पड़ सकती है। किसी भी कार्य को सावधानी के साथ करें तथा जल्दबाजी से बचें। विशेष तौर पर वाहन सावधानी से चलाएं अन्यथा चोट लगने की आशंका बनी रहेगी।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान है, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 51				
		29	12	
		16		15
17		4		
28				6
	4		4	
		5		
	20		4	
		6		

कुंभ

- तुला** (♎): इस सप्ताह आपके सोचे हुए कार्य समय पर पूरे होते हुए नजर आएंगे। यदि आप वीते कुछ समय से संतान से जुड़ी किसी समस्या को लेकर अजीब से जुड़ने को उसका समाधान निकल आएगा। परिवार के किसी वरिष्ठ सदस्य विशेष की मदद से पैतृक संपत्ति से जुड़े विवाद दूर होंगे।
- वृश्चिक** (♏): इस सप्ताह करियर आदि में किसी भी प्रकार का शर्टक लेने अथवा नियम कानून का उल्लंघन करने से बचे अन्यथा लाभ की जगह नुकसान झेलना पड़ सकता है। लोगों के साथ वाद-विवाद करने से बचना चाहिए। परिवार के किसी सदस्य की खराब सेहत आपकी चिंता का कारण बनेगी।
- धनु** (♏): यह सप्ताह शुभता लिए हुए है। किसी प्रभावी व्यक्ति से मिल-मुलाकात होने की संभावना बनेगी, जिसकी मदद से भविष्य में लाभदायक योजनाओं से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। यदि आप लंबे समय से बेरोजगार चल रहे हैं, तो आपको करियर-कारोबार से जुड़ बड़ा अवसर प्राप्त हो सकता है। सप्ताह के अंत में आप कार्य किसी प्रभावी व्यक्ति की मदद से पूरे होंगे।
- मकर** (♐): इस सप्ताह अपनी वाणी और व्यवहार पर बहुत ज्यादा नियंत्रण रखने की आवश्यकता रहेगी, क्योंकि इसी से आपकी बात ठान और बिगड़ सकती है। आपका मन किसी अनजान चिंता को लेकर प्रसिन्न रहेगा। इस दौरान कार्यक्षेत्र में आपके विशेषी सक्रिय रहेंगे और आपको बेवजह की चीजों में उलझने की कोशिश कर सकते हैं।
- कुंभ** (♑): यह सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव लिए रहने वाला है। किसी व्यक्ति विशेष से बहुत ज्यादा अपेक्षाएं पालने की बजाय अपने कार्य को अपने दम पर करने का प्रयास करें अन्यथा समय पर समर्थन और सहयोग न मिल पाने पर मानसिक कष्ट मिल सकता है। सप्ताह के अंत में अपने क्रोध और वाणी नियंत्रण रखने की बहुत ज्यादा आवश्यकता रहेगी।
- मीन** (♒): इस सप्ताह अचानक से घर और कार्यक्षेत्र से जुड़ी बड़ी जिम्मेदारियों का पहाड़ गिर सकता है। जिसे निभाकर के लिए आपको अधिक परिश्रम और प्रयास करने होंगे। यदि आप नौकरपेशा व्यक्ति हैं, तो काम के बोझ से परेशान होने की बजाय धैर्यपूर्वक चीजों को एक-एक करके निपटारें तथा अपने सहयोगियों से मदद मांगने में किसी प्रकार का संकोच न करें।

काकुरो 50 का हल

6	28		29	16
3	1	2	17	8
4	3	1	7	13
7	2	5	7	1
	16	4	6	2
	17	3	9	4
14	8	6		4
16	9	7	9	5

पञ्चसंसार

उत्तर भारत के विस्तृत मैदानी भूभाग में बसा एक छोटा-सा कस्बा, खैराबाद। कभी यह कस्बा अपने सौम्य वातावरण, आपसी भाईचारे और जीवत सामाजिक जीवन के लिए जाना जाता था। सुबह की पहली किरण के साथ ही यहां की गलियां जीवन से भर उठती थीं। खेतों की ओर जाते किसान, दुकानों के सामने बैठकर चाय पीते व्यापारी और चौपालों पर राजनीति व समाज की बातें करते बुजुर्ग, ये सब मिलकर खैराबाद की पहचान थे, लेकिन समय की गति किसी के लिए नहीं रुकती। रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में कई परिवार धीरे-धीरे शहरों की ओर चले गए। कुछ ही वर्षों में कस्बे की चहल-पहल कम होने लगी। कई मकान सूने पड़ गए, कुछ घरों के दरवाजे हमेशा के लिए बंद हो गए और कभी जीवत रहने वाली गलियां अब शांत दिखाई देने लगीं। कस्बे के ठीक बीचों-बीच एक पुराना किला खड़ा था। वह किला समय की मार झेलते-झेलते जर्जर हो चुका था। उसकी दीवारों में दरारें पड़ गई थीं और कई जगह पत्थर गिर चुके थे। किले के चारों ओर उगी झाड़ियां और बेलें उसे एक रहस्यमय स्वरूप प्रदान करती थीं, लेकिन उस किले की असली पहचान उसकी जर्जरता नहीं, बल्कि उससे जुड़ी एक भयावह कथा थी। लोग उसे 'जहन्नुम का किला' कहते थे। कस्बे के बुजुर्ग बताते थे कि किले के नीचे एक गहरा तहखाना है जहां 'जहन्नुम की आग' जलती है। यह आग कोई साधारण आग नहीं थी। कहा जाता था कि जो भी व्यक्ति उस आग के पास जाता है, वह कभी वापस नहीं लौटता। यह कथा वर्षों से लोगों के बीच प्रचलित थी, लेकिन लगभग पचास वर्ष पहले घटी एक घटना ने इस विश्वास को और भी दृढ़ बना दिया था।

एक अमावस की रात थी। पूरा कस्बा गहरी नींद में डूबा हुआ था। अचानक कुछ लोगों ने किले की दिशा में एक विचित्र दृश्य देखा। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक ओर खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।

कहानी

जहन्नुम की आग

सूर्यास्त के बाद उस रास्ते से गुजरने की किसी की हिम्मत नहीं होती थी। माताएं अपने बच्चों को चेतावनी देतीं, "शाम के बाद किले की तरफ मत जाना, वहां जहन्नुम की आग है।" धीरे-धीरे डर की यह कथा पूरे कस्बे के जीवन का हिस्सा बन गई। कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने आधी रात को किले के भीतर आग की लपटों में किसी आकृति को हिलते हुए देखा है। किसी ने कहा कि वहां से चीखने की आवाज आती है। डर और कल्पना मिलकर इस कथा को और भी रहस्यमय बना देते थे। समय के साथ कई परिवार कस्बा छोड़कर चले गए। खैराबाद की रौनक धीरे-धीरे कम होती गई।

कई साल बाद शहर से एक युवा शोधार्थी आरव वहां पहुंचा। आरव लोककथाओं और अंधविश्वासों पर अध्ययन कर रहा था। उसका मानना था कि समाज में फैली कई रहस्यमय कहानियों के पीछे कोई न कोई प्राकृतिक कारण अवश्य होता है। जब उसने 'जहन्नुम की आग' की कथा सुनी, तो उसकी जिज्ञासा बढ़ गई। उसने कस्बे के कुछ बुजुर्गों से इस घटना के बारे में विस्तार से बातचीत की। एक बुजुर्ग ने गंभीर स्वर में कहा, "बेटा, उस किले के पास मत जाना। हमने अपनी आंखों से वह आग देखा है। वहां कुछ अच्छा नहीं है।" आरव ने विनम्रता से उत्तर दिया, "कभी-कभी डर के पीछे छिपी सच्चाई को समझना जरूरी होता है।"

एक शाम वह टॉच, कैमरा और कुछ वैज्ञानिक उपकरण लेकर किले की ओर निकल पड़ा। सूरज ढल चुका था और अंधकार धीरे-धीरे फैल रहा था। किले की टूटी दीवारों के बीच से लाल-लाल लपटें उठती दिखाई दे रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो जमीन के भीतर से आग का कोई स्रोत फूट पड़ा हो। हवा के साथ एक अजीब-सी आवाज भी सुनाई दे रही थी, एक लंबी, गूंजती हुई कराह, जो सुनने वाले के मन में सिहरन पैदा कर देती थी। कुछ साहसी लोग दूर से देखने के लिए किले के पास तक गए, लेकिन जैसे ही उन्होंने वह दृश्य देखा, उनके चेहरे भय से पीले पड़ गए। "वहां से आवाज आ रही थी। जैसे कोई दर्द से चीख रहा हो," उनमें से एक ने अगले दिन बताया। उस घटना के बाद एक ओर खबर पूरे कस्बे में फैल गई। चार लोग अचानक लापता हो गए थे। लोगों को याद आया कि उन्हें आखिरी बार उसी किले की दिशा में जाते देखा गया था। बस, उस दिन से यह मान लिया गया कि किले के तहखाने में जहन्नुम की आग जाग उठी है।



विजय कुमार पाटक
गोरखपुर

था। किले की टूटी दीवारों अंधेरे में किसी मौन प्रहरी की तरह खड़ी थीं। जैसे ही वह भीतर पहुंचा, उसे दूर से एक हल्की लाल चमक दिखाई दी। वह सावधानी से आगे बढ़ा। तभी उसे एक लंबी गूंजती हुई आवाज सुनाई दी, मानो कोई कराह रहा हो। क्षण भर के लिए उसके मन में भी भय की एक लहर उठी, लेकिन उसने स्वयं को संभाला और आवाज का पीछा करते हुए तहखाने तक पहुंच गया। तहखाने में पहुंचकर उसने देखा कि जमीन में एक चौड़ी दरार है। उसी दरार से हल्की-हल्की आग की लपटें उठ रही थीं। आरव ने तुरंत अपने उपकरण से जांच की। कुछ ही क्षणों में परिणाम सामने आ गया, वहां से मीथेन गैस निकल रही थी। उसने चारों ओर ध्यान से देखा तो उसे कुछ पुराने औजार और जंग लगे पाइप भी दिखाई दिए। अब उसे पूरी स्थिति समझ में आने लगी। कई दशक पहले उस स्थान पर गैस या कोयले की खोज के लिए खुदाई की गई थी, लेकिन वह प्रयास अधूरा रह गया। खुदाई के कारण जमीन में दरारें पड़ गईं और उन्हीं दरारों से गैस बाहर निकलने लगी। जब यह गैस किसी चिंगारी के संपर्क में आती, तो छोटी-छोटी लपटें उठने लगतीं। जहां तक कराह जैसी आवाज का सवाल था, वह तहखाने की सुरंगों और दरारों से गुजरती हवा की गूंज थी। संकरी जगहों से गुजरती हवा अक्सर ऐसी ध्वनि उत्पन्न कर देती है, जो मानवीय कराह जैसी प्रतीत होती है। अब आरव को पूरा सच समझ में आ चुका था। जिसे लोग वर्षों से 'जहन्नुम की आग' समझते रहे, वह वास्तव में एक साधारण प्राकृतिक घटना थी। डर और अज्ञानता ने मिलकर इस घटना को एक भयावह दंतकथा में बदल दिया था। अगले दिन आरव ने अपनी खोज के प्रमाणों के साथ प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही समय बाद वैज्ञानिकों की एक टीम वहां पहुंची और जमीन के बाद वही निष्कर्ष सामने आया।

गैस के रिसाव को नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशात मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा। एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।

गैस के रिसाव को

नियंत्रित कर दिया गया और उस स्थान को सुरक्षित बना दिया गया। जब यह सच्चाई कस्बे के लोगों के सामने आई, तो कई लोग आश्चर्यचकित रह गए। दशकों से जिस कथा ने उनके मन में भय भर रखा था, वह दरअसल एक प्राकृतिक घटना की गलत व्याख्या थी। धीरे-धीरे लोगों का डर समाप्त होने लगा। कुछ समय बाद वही किला, जिसे लोग कभी अभिशात मानते थे, एक ऐतिहासिक स्थल के रूप में पहचाना जाने लगा। एक दिन कस्बे के स्कूल में आरव बच्चों से बातचीत कर रहा था। उसने कहा, "डर अक्सर अज्ञानता से जन्म लेता है। जब हम किसी घटना का कारण नहीं समझ पाते, तो उसे अलौकिक मान लेते हैं, लेकिन ज्ञान की रोशनी सबसे बड़े अंधविश्वास को भी समाप्त कर देती है।" बच्चे ध्यान से उसकी बात सुन रहे थे। आरव ने मुस्कुराते हुए कहा, "जहन्नुम की आग असल में कोई आग नहीं थी। वह केवल हमारे अज्ञान का अंधेरा था।" और जब ज्ञान की रोशनी फैली, तो वह अंधेरा सदा के लिए मिट गया।



काव्य

एक जीवन के लिए

मैं जानता हूँ बेटा तुम अपने अधिकारों के साथ अपने वृहत आकाश में उड़ना चाहते हो मुझे खुशी होती है जब मैं तुम्हारे लिए तुम्हारी पसंद की चीजें लाकर रखता हूँ तुम्हारे सामने और प्रतीक्षा करता हूँ तुम्हारी प्रतिक्रिया की देखाता हूँ तुम्हारी आंखों में संतोष की एक चमकती रेखा किंतु बेटे तुम्हारा यह संतोष छोड़ नहीं पाता मेरे आसुओं को जब मैं देखाता हूँ तुम्हारे जैसे बच्चों का एक झुंड जिनके हाथों में रोटियाँ नहीं हैं शरीर पर कपड़े नहीं हैं मेरे बेटे एक जीवन के लिए किस कदर वो चीख रहे हैं तुम सुन पा रहे हो न



रमेश्वर सिंह
लेखक

नववर्ष

हम अपना नववर्ष मनाएं, चलो चलें सब नाचें, गाएं।

धरा पुष्प से लदी हुई है, छेड़ रहे जन मंजु मुदुल स्वर, आओ पींडित कृष्ण बुलाएं। कली हंसी, भंवर मुस्कारें, हम अपना नववर्ष मनाएं।

ग्रह, नक्षत्र, तिथि, वार मुदित हैं, सूर्य गमन पर पूर्ण उदित हैं। प्रमुदित दिखतीं दसो दिशाएं। हम अपना नववर्ष मनाएं।

टंड गर्म सब दूर हो गई, धरा अन्न फूलों से लद गई। बहें वसंती मरत हवाएं, चलो चलें नववर्ष मनाएं।

झूम रही पेड़ों पर कलियां, होरियारों से भरी हैं गलियां। आम जनों की बात करे क्या, आग्र मंजरी भी बौराएं।



दयाशंकर मिश्र 'सागर'
कानपुर

बेटियां

बेटियों को बेड़ियां क्यों? बेटियों तो संस्कार हैं, बेटियों तो कुलवती हैं, बेटियों तो कुलवती हैं, बेटियों तो सम्मान हैं। फिर बेटियों से भेदभाव क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों? बेटियों तो लक्ष्मी हैं, बेटियों तो दुर्गा हैं, बेटियों तो अभिमान हैं। फिर बेटियों का बलात्कार क्यों?

बेटियों को बेड़ियां क्यों? बेटियों तो राजकुमारी हैं, बेटियों तो राजकुमारी हैं। फिर बेटियों का तिरस्कार क्यों? बेटियों को बेड़ियां क्यों?



डॉ. शिकीला कुमारी
सहायक प्राध्यापिका

लघुकथा

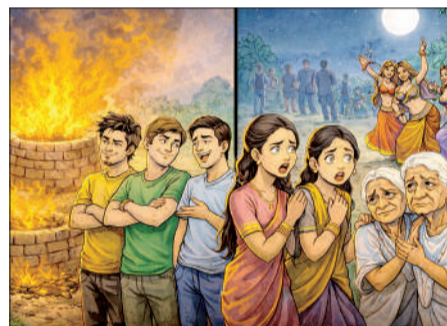
ऋषि और कीड़े

एक वन में एक महान ऋषि तपस्या में लीन रहते थे। वे घंटों ध्यान में बैठते। उसी स्थान पर एक छोटा सा कीड़ा रहता था। जब ऋषि ध्यान में बैठते, वह कीड़ा उन्हें बार-बार काट लेता। काटने से पीड़ा होती, पर ऋषि न क्रोधित होते, न उसे मारते। वे बस धीरे से कीड़े को अपनी देह से हटाकर पास रख देते और फिर ध्यान में बैठ जाते। यह क्रम रोज चलता रहा। कीड़ा काटता रहा, ऋषि हटाते रहे। एक दिन कीड़े ने फिर काटा, यह बात काफी दिन से उनका एक शिष्य देख रहा था। उससे रहा नहीं गया और बोला, गुरुजी मैं काफी दिन से देख रहा हूँ कि कीड़ा आपको बार बार काटता और नाली में चला जाता है लेकिन आप उसे उठाकर बार बार सड़क के सहारे रख देते हो।

ये सुनकर ऋषि की आंखों से करुणा झलक उठी और ऋषि ने कहा- "हे शिष्य मैं जानता हूँ वो अज्ञानवश ऐसा करता है पर मैं उसे पीड़ा देकर अपना धर्म नहीं छोड़ सकता।" धीरे-धीरे कीड़े पर ऋषि के संयम, शांति और करुणा का प्रभाव पड़ने लगा। वह काटना भूल गया। उसका स्वभाव बदल गया- अब वह ऋषि के शरीर पर चढ़ता, पर क्षति नहीं पहुंचाता। इसीलिए कहते हैं कि- हिंसा से नहीं, करुणा से स्वभाव बदलता है।



वर्षा वार्ण्य
लेखिका



आंखों देखा

सांझ हुई। चारों तरफ खबरें फैली- "नगर से कुछ दूर, सूख चुके अंधे कुओं में आग लग गई।" युवक हंसे- 'लगने दो! हमें क्या?' दौड़ी आई कुंवारी लड़कियां- "नहीं रे! क्यों ऐसा बोलते हो। आग लगी है, तो बुझाने को दौड़ो न?" टेंगे दिखाती, बदन छलकाती, शोर मचाती वधुएं आईं और बोलने लगी- "फूस ही तो जलेगा?...जलने दो! तुम रहो सुकून से, जलने दो!"

सुबह सोकर उठे तो देखा- "नगर में एक भी बूढ़ा, एक भी बूढ़ी दादी और बूढ़ी अम्मां दिखाई नहीं पड़ रही थी। पूछने लगी लड़कियां- "कहां गईं कहां गईं?" वधुएं बोली- "फूस ही तो था... जल गया...जल गया?" युवक अतीक रोमांस के नशे में मदमस्त झूम रहे थे। वधुओं ने उन्हें घेरे में लेकर नाचना शुरू किया। जिस्म की झलक शुरू हुई। फिर एक स्वर में युवकों ने कहा- "जाने दो! जहां गए हमें क्या?"



डॉ. सुरेश वशिष्ठ
साहित्यकार, नई दिल्ली

व्यंग्य

अविश्वास है, तो है

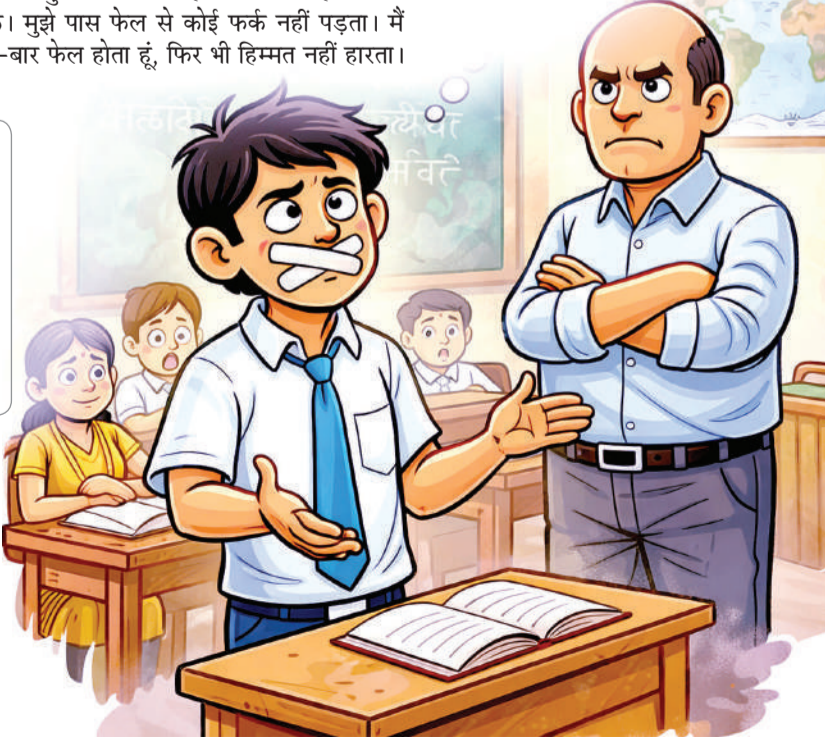
मुझे अविश्वास प्रस्ताव लाना है। मुझे नहीं हमें कहां, तुम अकेले अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकते, पर अविश्वास प्रस्ताव लाना क्यों है? हैड मास्टर मुझे क्लास में बोलने नहीं देता। क्यों बोलने नहीं देता? मुझे क्या पता, क्यों नहीं बोलने देता, मैं कुछ भी बोलता हूँ, तो कहता है कि विषय पर बोलो। क्या तुम विषय पर नहीं बोलते? मैं अपने हिस्साब से अपने विषय पर बोलता हूँ। कभी बोलता हूँ, कभी नहीं भी बोलता। हैड मास्टर सही तो बोलता है, विषय पर बोलो, तो बोलने देगा।

मैं कुछ नहीं जानता, मैं इतना जानता हूँ कि मैं ही विषय पर बोलता हूँ, मेरे अलावा कोई ऐसे विषय पर नहीं बोलता, जैसे विषय पर मैं बोलता हूँ। कोई तो कारण होगा, जो तुम्हें बोलने से रोका जाता है? यह तो वही जाने, अब मुझे उसके विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाना है। अविश्वास प्रस्ताव में क्या कहेंगे? यही कि हेडमास्टर भेदभाव करता है। अपने चहेते बालकों को बोलने की परमीशन देता है, जब भी मैं बोलने के लिए खड़ा होता हूँ, तो रोक-टोक करता है। कोई तो कारण होगा?

मैं इतिहास की क्लास में खड़े होकर जब जुड़ो कराते के दाव समझाता हूँ, तो वह कहता है विषय पर बोलो। सही तो कहता है, विषय पर बोलो, जब विषय से भटक कर ऊटपटांग बेसिर पैर की बातें करोगे, तो वह विषय पर बोलने के लिए कहगा ही। मैं विषय पर ही तो बोलता हूँ। क्लास के विषय पर या अपने विषय पर। अपने मनमोहक विषय पर, जो मैं बोलना चाहता हूँ,



सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्राध्यापक



आपका हृदय मित्र अर्जुन का वृक्ष

मैं रामायणकालीन वृक्ष अर्जुन हूँ। सदाबहार, छायादार, सघन, हरीतिमा से पूर्ण औषधीय। मुझे संस्कृत में ककुभ (अपने सफेद फूलों के कारण) कहते हैं और स्वयं मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने मुझे तिलक वृक्ष की उपाधि दी थी, क्योंकि माता सीता को मैं अत्यंत प्रिय था और

पंचवटी में पाए जाने वाले अन्य वृक्षों जैसे कदंब, बिल्व, अशोक, ताल, जामुन, कनेर, आम, साल, कदहल, कुरव, धव, अनार, वकुल, चंदन, केवड़े आदि की अपेक्षा अधिक शिखरवत हूँ। महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने- ककुभः शीतलो हृद्यः क्षत क्षय विषासजित्...मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्। महाकवि कालिदास भी मेरी सुंदरता पर मुग्ध थे। मेरी औषधीय गुणों पर सर्वप्रथम प्रकाश डाला महर्षि सुश्रुत ने- ककुभः शीतलो हृद्यः क्षत क्षय विषासजित्...मेदोमेह व्रणान् हंति तुवरः कफ पित्त हत्।

हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव-कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखा है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कम्बोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।



डा. श्रीधर द्विवेदी
वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ
शमनत हार्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली

हृदयजनित पीड़ा (एंजाइना) में मेरी छाल का लाभकारी प्रभाव का ज्ञान गांव-कस्बे के लोगों को भी ज्ञात है, इसीलिए जहां पर कोई चिकित्सा सुविधा नहीं है, वहां के लोग मेरे छाल का चूर्ण या काढ़ा बनाकर पीते हैं। इसका प्रमाण देखा है, तो यह चित्र देखिए पश्चिम बंगाल के नादिया जिले का है। स्थानीय लोगों ने मेरे छाल को नोच डाला है अपने हृदय शूल को दूर करने के लिए। कम्बोबेसी यही हाल काशी हिंदू विश्वविद्यालय में आईआईटी के सामने लगे तमाम अर्जुन के वृक्षों का है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में यूनानी कालेज के परिसर में लगे विशाल अर्जुन वृक्ष का तना भी इसी बात की मौन गवाही दे रहा है की न जाने कितने लोगों ने अपनी हृदय पीड़ा कम करने के लिए उसका उपयोग किया- 'परोपकाराय सतां विभूतयः।

समीक्षा अर्तमः शब्दों का सृजन

कविता लिखना और कविता को जीना दोनों अलग-अलग मार्ग हैं। जो कविता लिखते-लिखते कविता जीना सीख गया, उसी की कविता सिर चढ़कर बोलती है। एक ऐसा ही काव्य संग्रह शीर्षक - 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल) है। यह संग्रह छोटी-बड़ी कविताओं से सुसज्जित है। कवियत्री के लेखन में वैचारिक परिपक्वता, संवेदना की संपन्नता तथा शब्दों में भावनात्मक पहलुओं के साथ-साथ चिंतन की ठोस भूमिका भी मौजूद है। अर्तम शीर्षक पर सबसे अंतिम कविता है, जो यह दर्शाता है कि अंतः अस्ति प्रारंभः, जिसका अर्थ है अंत ही शुरुआत है। अर्तम अर्थात् माथे पर सुनहरा कमल-यह बिंब भारतीय सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। इन कविताओं में पवित्र जागृण और आत्मबोध ही नहीं, अपितु आत्मसम्मान, तेजस्विता और आध्यात्मिक उत्कर्ष का संदेश भी है। काव्य संग्रह की कविताएं 'शिवत्व' प्रतीक का प्राण बिंदु है। इसमें जीवन के संघर्ष और हलाहल का कोलाहल भी है। इन कविताओं का अंतिम सत्य जीवन के सूक्ष्म क्षणों की यात्रा में विस्तार करना है। संवेदनाओं की परतें, रिश्तों की आंतरिक ऊर्जा तथा स्त्री मन की पीड़ाओं के साथ-साथ उसके अंतर में छिपी उस अदृश्य शक्ति को काव्य भूमि में सजीव हो उठी हमें नजर आती है- जैसे जब वह निजी जिंदगी के द्वंद पर लिखती हैं। इस काव्य संग्रह में अन्य कविताएं, जैसे मिट्टी, जियो और जीने दो, सफलता का स्वेटर, मानवता की पुकार, मेरे निश्चल मन की गति को देखो, धुआं-धुआं आदि अपने आप में एक नई पृष्ठभूमि का निर्माण करती हैं, जो समकालीन समय में प्रासंगिक भी हैं।



पुस्तक: 'अर्तम' (माथे पर सुनहरा कमल)
लेखक: दिव्या सक्सेना
प्रकाशक: वेरा प्रकाशन, हिंदी अकादमी, नई दिल्ली
मूल्य: 250
समीक्षक: - हरि शंकर शर्मा, जयपुर

आधी दुनिया

गर्मियों का मौसम आते ही ऑफिस जाने वाली महिलाओं के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है, ऐसा आउटफिट चुनना जो आरामदायक भी हो, प्रोफेशनल भी लगे और स्टाइलिश भी दिखाई दे। इस मौसम में कॉटन फैब्रिक को सबसे भरोसेमंद माना जाता है, क्योंकि यह हल्का, सांस लेने योग्य और पूरे दिन शरीर को ठंडक देने वाला होता है। आजकल मार्केट में कॉटन सूट के इतने आकर्षक और आधुनिक डिजाइन उपलब्ध हैं कि इन्हें पहनकर ऑफिस में भी आप बेहद एलिगेंट और सॉफिस्टिकेटेड लुक पा सकती हैं। खास बात यह है कि ये सूट केवल आराम ही नहीं देते, बल्कि आपके व्यक्तित्व को भी निखारते हैं।

फ्लोरल, ए-लाइन और एथनिक प्रिंट जैसे डिजाइन इस समय खासे ट्रेंड में हैं। यदि आप भी अपने ऑफिस लुक में नया बदलाव चाहती हैं, तो इन कॉटन सूट डिजाइनों के साथ-साथ कुछ और स्टाइलिश आउटफिट्स को भी अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं।

ऑफिस के परफेक्ट आउटफिट्स स्टाइल के साथ एलिगेंट लुक



एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट
अगर आप अपने ऑफिस लुक में थोड़ा पारंपरिक आकर्षण जोड़ना चाहती हैं, तो एथनिक प्रिंटेड कॉटन सूट एक शानदार विकल्प है। छोटे-छोटे ब्लॉक प्रिंट, बुटी या ज्यामितीय पैटर्न वाले कुर्ते देखने में बेहद सादगीपूर्ण और आकर्षक लगते हैं। इंडिगो प्रिंट, अक्रा डिजाइन या हंडब्लॉक प्रिंट वाले कॉटन सूट इन दिनों काफी लोकप्रिय हैं। ये आउटफिट ऑफिस के साथ-साथ सेमी-फॉर्मल मौकों पर भी पहनने के लिए उपयुक्त होते हैं। आप इन्हें सिल्वर ज्वेलरी, ऑक्सिडाइज्ड झुमके या छोटे स्ट्रिड ईयररिंग्स के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद सादा, लेकिन प्रभावशाली दिखाई देगा।

कॉटन साड़ी
जो महिलाएं साड़ी पहनना पसंद करती हैं, उनके लिए कॉटन साड़ी भी ऑफिस के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। कॉटन साड़ी हल्की होती है और गर्मियों में पहनने पर काफी आराम देती है। पेस्टल रंगों या हल्के बॉर्डर वाली साड़ी ऑफिस के माहौल में बेहद गरिमामय लगती है। इसके साथ साधारण ब्लाउज और हल्की ज्वेलरी पहनकर आप एक वलासी और प्रोफेशनल लुक पा सकती हैं। कई कॉर्पोरेट और शिक्षण संस्थानों में कॉटन साड़ी को आज भी सबसे सुसंस्कृत और सम्मानजनक पहनावे के रूप में देखा जाता है।

स्ट्रेट कुर्ता विद प्लाजो
स्ट्रेट कट कुर्ता और प्लाजो का कॉम्बिनेशन भी ऑफिस के लिए बेहद आरामदायक और स्टाइलिश माना जाता है। प्लाजो पैट का ढीला और पलोजे डिजाइन गर्मियों में हवा के संचार को आसान बनाता है, जिससे पूरे दिन आराम महसूस होता है। स्ट्रेट कुर्ता के साथ प्लेन या हल्के प्रिंट वाले प्लाजो पहनने से लुक बेहद संतुलित दिखाई देता है। यह आउटफिट खासकर उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो दिनभर काम में व्यस्त रहती हैं और आराम को प्राथमिकता देती हैं। इसके साथ हल्की जूती या प्लैट सैडल पहनकर आप अपने ऑफिस लुक को सहज और आकर्षक बना सकती हैं।

ए-लाइन कुर्ता विद ट्राउजर

ऑफिस जाने वाली महिलाओं के लिए ए-लाइन कुर्ता एक बेहद लोकप्रिय और सुविधाजनक विकल्प बन चुका है। इस डिजाइन की खास बात यह है कि यह लगभग हर बॉडी टाइप पर अच्छी तरह फिट बैठता है और शरीर को संतुलित आकार देता है।

ए-लाइन कुर्ता ऊपर से फिट और नीचे की ओर हल्का फैला हुआ होता है, जिससे चलने-फिरने में भी आराम मिलता है। जब इसे ट्राउजर या स्ट्रेट पैट के साथ पहना जाता है, तो यह आउटफिट एक मॉडर्न और प्रोफेशनल लुक देता है। अगर आप इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाना चाहती हैं, तो इसके साथ ब्लॉक प्रिंट्स, कोल्हापुरी सैडल या सिंपल प्लेट्स पहन सकती हैं। हल्की घड़ी और छोटे स्ट्रिड ईयररिंग्स इस लुक को पूरा करने के लिए काफी हैं।



कॉटन कुर्ता विद जींस

आजकल ऑफिस फेशन में इंडो-वेस्टर्न स्टाइल भी काफी लोकप्रिय हो रहा है। यदि आपके ऑफिस का ड्रेस कोड थोड़ा कैजुअल है, तो कॉटन कुर्ता के साथ जींस पहनना एक स्मार्ट विकल्प हो सकता है। लॉन्ग या मिड-लेथ कुर्ता के साथ स्ट्रेट या स्लिम फिट जींस पहनने से एक सिंपल, लेकिन ट्रेंडी लुक मिलता है। यह स्टाइल खासतौर पर उन युवतियों के बीच लोकप्रिय है, जो पारंपरिक और आधुनिक फेशन का मिश्रण पसंद करती हैं। इस लुक को पूरा करने के लिए आप स्लीकर्स, बैले प्लेट्स या लोफर्स पहन सकती हैं। इसके साथ एक स्लीक बैग और हल्का मेकअप आपके व्यक्तित्व को और निखार देगा।

आउटफिट चुनते समय रखें इन बातों का ध्यान

- ऑफिस के लिए कपड़े चुनते समय केवल फेशन ही नहीं, बल्कि कुछ व्यावहारिक बातों का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।
- हल्के रंग चुनें - गर्मियों में पेस्टल और सॉफ्ट रंग ज्यादा आरामदायक होते हैं।
- फैब्रिक का ध्यान रखें - कॉटन, लिनन या खादी जैसे प्राकृतिक फैब्रिक शरीर को ठंडक देते हैं।
- कमफर्ट सबसे जरूरी - ऐसे कपड़े चुनें, जिनमें आप पूरे दिन सहज महसूस करें।
- ज्यादा भारी कढ़ाई से बचें - ऑफिस आउटफिट में सादगी ही सबसे ज्यादा आकर्षक लगती है।

गर्मियों में ऑफिस के लिए सही आउटफिट चुनना थोड़ा चुनौतीपूर्ण जरूर हो सकता है, लेकिन यदि आप सही फैब्रिक और डिजाइन का चयन करें, तो यह काम बेहद आसान हो जाता है। कॉटन सूट, ए-लाइन कुर्ता, एथनिक प्रिंटेड डिजाइन, प्लाजो सेट, कुर्ता-जींस या कॉटन साड़ी ये सभी विकल्प आपको आराम, स्टाइल और प्रोफेशनल लुक एक साथ प्रदान कर सकते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि आपका आउटफिट आपकी व्यक्तित्व के अनुरूप हो और उसमें आप आत्मविश्वास महसूस करें। सही कपड़ों का चयन न केवल आपकी उपस्थिति को प्रभावशाली बनाता है, बल्कि आपके कामकाजी दिन को भी ज्यादा सहज और सुखद बना देता है।

स्मार्ट पेरेंटिंग: बच्चों के उज्वल भविष्य का मार्गदर्शन

बच्चों का बचपन केवल खेलने-कूदने का समय नहीं होता, बल्कि यह उनके संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला भी होता है। इसी दौर में उनके विचार, आदतें और संस्कार आकार लेते हैं, जो आगे चलकर उनके जीवन की दिशा तय करते हैं। माता-पिता के लिए यह समय जितना महत्वपूर्ण होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी, क्योंकि बच्चों को सही और गलत के बीच अंतर समझाना आसान नहीं होता। आज के बदलते दौर में जहां तकनीक और बाहरी प्रभाव तेजी से बच्चों के व्यवहार को प्रभावित कर रहे हैं, वहां अच्छे संस्कारों की भूमिका और भी बढ़ जाती है। यदि बचपन में ही बच्चों को सही मार्गदर्शन, अनुशासन और नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी जाए, तो वे न केवल सफल, बल्कि जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक भी बन सकते हैं।

सम्मान की भावना का विकास

बच्चों को बचपन से ही बड़े के प्रति सम्मान और आदर का भाव सिखाना आवश्यक है। यह केवल शिष्टाचार का हिस्सा नहीं, बल्कि उनके संस्कारों की पहचान भी होता है। जब बच्चे बड़ों के अनुभव और मार्गदर्शन का महत्व समझते हैं, तो वे जीवन के कठिन निर्णयों में भी सही रास्ता चुनने में सक्षम होते हैं। विनम्रता और सम्मान का यह गुण उन्हें समाज में प्रिय बनाता है।

परिश्रम की आदत डालना

जीवन में सफलता पाने के लिए परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि हर उपलब्धि के पीछे मेहनत छिपी होती है। कहानियों, उदाहरणों और दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से उन्हें परिश्रम का महत्व सिखाया जा सकता है। इससे उनमें आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

ईमानदारी की नींव मजबूत करना

ईमानदारी एक ऐसा गुण है, जो व्यक्ति को जीवनभर सही दिशा में बनाए रखता है। बच्चों को बचपन से ही सच बोलने और सही आचरण करने की प्रेरणा देनी चाहिए। यदि वे ईमानदारी को अपने जीवन का हिस्सा बना लेते हैं, तो भविष्य में वे किसी भी परिस्थिति में गलत रास्ता अपनाने से बचेंगे और समाज में विश्वसनीय बनेंगे।

असफलता से सीखने की समझ

असफलता जीवन का अभिन्न हिस्सा है, लेकिन इसे स्वीकार करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि असफलता से डरना नहीं, बल्कि उससे सीख लेना चाहिए। जब वे समझेंगे कि हर असफलता उन्हें कुछ नया सिखाती है, तो वे चुनौतियों का सामना अधिक सहज और धैर्य के साथ कर पाएंगे।

समय प्रबंधन की समझ

समय का सही उपयोग करना एक महत्वपूर्ण जीवन कौशल है। बच्चों को शुरुआत से ही समय की कीमत समझानी चाहिए, ताकि वे अपने कार्यों को सही ढंग से व्यवस्थित कर सकें। पढ़ाई, खेल और आराम के बीच संतुलन बनाकर उन्हें अनुशासित जीवन की ओर प्रेरित किया जा सकता है। यह आदत आगे चलकर उनके लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायक होती है।



फ्लोरल कॉटन सूट डिजाइन

फ्लोरल प्रिंट हमेशा से ही महिलाओं की पसंदीदा डिजाइन रहा है। हल्के फूलों वाले प्रिंट किसी भी आउटफिट को सॉफ्ट और ग्रेसफुल लुक देते हैं। ऑफिस के लिए फ्लोरल कॉटन सूट सबसे अच्छे विकल्पों में से एक माना जाता है। इन दिनों पेस्टल शेड्स जैसे पाउडर ब्लू, मिंट ग्रीन, पीच, लैवेंडर और बेबी पिंक रंगों में फ्लोरल प्रिंट काफी पसंद किए जा रहे हैं। ये रंग आंखों को सुकून देते हैं और ऑफिस के शांत वातावरण के साथ भी मेल खाते हैं। फ्लोरल कॉटन सूट की खासियत यह है कि इसे आप केवल ऑफिस ही नहीं बल्कि छोटे-मोटे पारिवारिक कार्यक्रमों में भी आसानी से पहन सकती हैं। यदि आप इसे सिंपल दुपट्टे और हल्की ज्वेलरी के साथ स्टाइल करें, तो यह लुक और भी आकर्षक बन जाता है।

चेहरा धोने के लिए इस्तेमाल करें घरेलू उत्पाद खिल उठेगी त्वचा



आज के दौर में चमकती और बेदाग त्वचा हर किसी की चाहत है, लेकिन इस चाहत को पूरा करने के लिए हम अक्सर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लुभावने विज्ञापनों के जाल में फंस जाते हैं। टेलीविजन और सोशल मीडिया पर दिखने वाले ये विज्ञापन हमें महंगे और आकर्षक पैकेजिंग वाले उत्पादों को खरीदने के लिए मजबूर कर देते हैं। वास्तविकता यह है कि इनमें से अधिकांश उत्पादों में कठोर रसायनों का उपयोग किया जाता है।

दही: फेशनेस और टैनिंग का काल

दही केवल सेहत के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा के पीपेच संतुलन को बनाए रखने के लिए भी अद्भुत है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को भीतर से ठंडा करते हैं।



■ समय का महत्व: दही लगाने का सबसे सही समय सुबह या रात का होता है। सुबह दही लगाने से त्वचा दिनभर खिली-खिली रहती है, वहीं रात को लगाने से दिनभर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण आसानी से साफ हो जाता है।

■ बेसन, दही और हल्दी का पारंपरिक उबटन: पुराने समय से चले आ रहे इस नुस्खे का कोई मुकाबला नहीं है। दो चम्मच दही में दो चम्मच बेसन और चुटकी भर हल्दी मिलाएं। यह पेस्ट हर तरह की स्किन के लिए अनुकूल है। दही नमी देती है, हल्दी चमक लाती है और बेसन त्वचा से अतिरिक्त तेल को सोख लेता है। इसे 20-25 मिनट लगाकर रखें और फिर सादे पानी से धो लें।

एलोवेरा: हमारी त्वचा का सुरक्षा कवच

एलोवेरा या घृतकुमारी एक ऐसा जादुई पौधा है, जो नमी का भंडार है। गर्मियों के मौसम में यह त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं है, क्योंकि यह सूर्य की किरणों से होने वाली जलन को शांत करता है।

■ ताजे जेल का उपयोग: शहनाज हुसैन के अनुसार, पौधे से सीधे निकाली गई सुग्दी सबसे अधिक प्रभावशाली होती है। एलोवेरा की पत्ती को अच्छी तरह धोकर उसका जेल निकालें और 20 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। यह बिना चिपचिपाहट के त्वचा को हाइड्रेट रखता है और बढ़ती उम्र के निशानों को कम करने में मदद करता है।



■ एलो-बादाम नाइट क्रीम: यदि आपकी त्वचा बहुत रूखी रहती है, तो एक कटोरी में दो चम्मच एलोवेरा जेल और दो चम्मच बादाम का तेल मिलाएं। रात को सोने से पहले इस मिश्रण से चेहरे की मालिश करें। यह मिश्रण रात भर त्वचा की मरम्मत करता है और उसे युवा बनाए रखता है।

स्वच्छता और धैर्य है जरूरी

घरेलू और हर्बल उत्पादों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते। हालांकि शहनाज हुसैन स्वच्छता पर विशेष जोर देती हैं। किसी भी घरेलू उपचार को अपनाने से पहले चेहरे और उपयोग की जाने वाली सामग्री (जैसे एलोवेरा की पत्तियां) को अच्छी तरह साफ करना अनिवार्य है। प्राकृतिक उपचार रातों-रात जादू नहीं करते, लेकिन इनका नियमित उपयोग आपको ऐसी स्थायी सुंदरता प्रदान करता है, जो किसी भी महंगे कॉस्मेटिक से संभव नहीं है।



खाना खजाना

- गेहूं का आटा - 2 कप
- सूजी - 2 टेबल स्पून
- घी - 4 टेबल स्पून
- अजवाइन - टी स्पून
- नमक - स्वादानुसार
- दूध/पानी - जरूरत अनुसार
- मूंग दाल मसाला के लिए
- धुली मूंग दाल - 1 कप (2-3 घंटे भिगोई हुई)
- प्याज - 1 बारीक कटा
- टमाटर - 2 पिसे हुए
- हरी मिर्च - 1-2 बारीक कटी
- अदरक-लहसुन पेस्ट - 1 टी स्पून
- जीरा - 1 टी स्पून
- हींग - चुटकी भर
- हल्दी - टी स्पून
- धनिया पाउडर - 1 टी स्पून
- लाल मिर्च - स्वादानुसार गरम मसाला - टी स्पून
- घी - 2 टेबल स्पून
- हरा धनिया - सजाने के लिए

खस्ता करारी मूंग दाल की बाटी

खस्ता करारी मूंग दाल मसाला बाटी सिर्फ एक व्यंजन नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध पारंपरिक स्वाद-यात्रा का अनुभव है। देसी घी की खुशबू, सांघी-सांघी बाटी और मसालेदार मूंग दाल का संगम हर खाने वाले को लुभा लेता है। यह डिश खास मौकों से लेकर रोजमर्रा के खाने तक में अपनी अलग पहचान रखती है। घर पर आसानी से बनने वाली यह रेसिपी स्वाद के साथ-साथ पोष्टिकता का भी बेहतरीन मेल है। अगर आप भी अपने किचन में रेस्टोरेंट जैसा राजस्थानी स्वाद लाना चाहते हैं, तो यह रेसिपी आपके लिए एकदम परफेक्ट है।

बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और सूजी लें। इसमें नमक, अजवाइन और घी डालकर हाथों से अच्छी तरह मसलें ताकि मिश्रण में मोहन अच्छी तरह मिल जाए। अब इसमें थोड़ा-थोड़ा पानी या दूध डालते हुए सख्त आटा गुथ लें। ध्यान रखें कि आटा ज्यादा नरम न हो, तभी बाटी खस्ता बनेगी। गुंथे हुए आटे को 10-15 मिनट ढककर रख दें। इससे दाल मध्यम आकार की गोल-गोल बाटियां बना लें और हल्का सा दबा दें। अब इन बाटियों को पहले से गरम किए हुए ओवन में 180 सी पर 30-35 मिनट तक बेक करें। बीच-बीच में पलटते रहें ताकि सभी तरफ से समान रूप से सुनहरी हो जाएं। यदि ओवन उपलब्ध न हो, तो आप कुकर (बिना सीटी) या अपो पैन में धीमी आंच पर भी इन्हें बेक सकते हैं। जब बाटियां बाहर से कुरकुरी और अंदर से पूरी तरह सिक जाएं, तो इन्हें निकालकर तुरंत गर्म घी में डुबो दें, जिससे इनका स्वाद और भी बढ़ जाता है।



मूंग दाल मसाला बनाने की विधि

सबसे पहले भिगोई हुई मूंग दाल को कुकर में डालकर 2-3 सीटी आने तक नरम उबाल लें। ध्यान रखें कि दाल अधिक गल न जाए, बल्कि दानेदार बनी रहे। अब एक कढ़ाही में घी गरम करें। इसमें जीरा और चुटकी भर हींग डालकर तड़का लगाएं। जैसे ही खुशबू आने लगे, बारीक कटा प्याज डालें और हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन पेस्ट और हरी मिर्च डालकर अच्छी तरह चलाएं ताकि कच्चापन खत्म जाए। अब टमाटर की प्यूरी डालें और धीमी आंच पर तब तक पकाएं, जब तक मसाले से घी अलग न होने लगे। इसमें हल्दी, धनिया पाउडर, लाल मिर्च और नमक डालकर मसाले को अच्छे से भूनें। अब उबली हुई दाल डालें और जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाएं। 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं ताकि मसाले का स्वाद दाल में अच्छी तरह समा जाए। अंत में गरम मसाला और हरा धनिया डालकर गैस बंद कर दें।

परोसने का तरीका

गरम-गरम बाटियों को हल्का सा तोंडकर प्लेट में रखें और ऊपर से तैयार मूंग दाल मसाला डालें। इसके साथ चूरमा, लहसुन की चटनी और कच्चे प्याज परोसें। घी की खुशबू और मसालों के लाजवाब मेल के साथ यह व्यंजन आपको शुद्ध राजस्थानी स्वाद का असली आनंद देगा।

न्यूज ब्रीफ

दो समुदायों के बीच हुआ तनाव

सिद्धार्थनगर अमृत विचार। पड़ोसी देश नेपाल के जिला कपिलवस्तु के महाराजगंज नगरपालिका-6 सानो बुढाहनिया चौक में शनिवार सुबह दो समुदायों के बीच तनाव के बाद स्थिति बिगड़ गई, जिसमें पुलिस की फायरिंग में तीन लोग घायल हो गये। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सुबह एक मंदिर में भजन-कीर्तन के दौरान तोड़-फोड़ की घटना को लेकर हिन्दू और मुस्लिम समुदाय के युवाओं के बीच विवाद शुरू हुआ, जो धीरे-धीरे तनाव में बदल गया। वहीं स्थिति को नियंत्रित करने के लिए नेपाल की कपिलवस्तु पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। इसी दौरान गोली चलने से तीन लोग घायल हो गये। बढ़ते तनाव को देखते हुए जिला प्रशासन कार्यालय कपिलवस्तु ने सख्त कदम उठाते हुए क्षेत्र में अग्नि आदेश तक के लिए कर्फ्यू लागू कर दिया। आदेश के मुताबिक अपराह्न 2 बजे से अगले आदेश तक किसी भी प्रकार की सभा, जुलूस या भीड़ एकत्रित होने पर रोक रहेगी। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाये रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

छत से गिरकर युवती घायल, रेफर

संतकबीरनगर, अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के काशीम शहर में रविवार को छत से गिरकर एक युवती गंभीर रूप से घायल हो गईं। परिजन आनन-फानन में घायल युवती को जिला अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद इमरजेंसी के डॉक्टर ने उसे मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। अस्पताल कर्मियों के मुताबिक 32 वर्षीय सोनी पुत्री अशोक घायल बताई गईं। युवती को हेड इंजरी है।

रामनवमी के आसपास सभी मंदिरों में होगा ध्वजारोहण

अयोध्या कार्यालय अमृत विचार : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ने अन्य मंदिरों पर भी ध्वजारोहण की तिथियां तय कर दी हैं। श्रीरामनवमी के पूर्व से पश्चात तक शेष मंदिरों में ध्वजारोहण कर लिया जाएगा। यह निर्णय श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की एक दिवसीय बैठक में लिए गए हैं। उपमंदिरों के ध्वजारोहण कार्यक्रम में मंदिर आंदोलन के बड़े चेहरे शामिल किए जाएंगे, जिसमें भाजपा के फायरब्रैंड नेता व बजरंग दल के संस्थापक विनय कडियार अन्य प्रमुख रूप से शामिल किए गए हैं। महासचिव चंपतराय ने बताया

बीमा धोखाधड़ी गिरोह पर हाईकोर्ट सख्त पुलिस की जांच प्रक्रिया पर उठाया सवाल, आपराधिक गतिविधि की रोकथाम न होने पर नाराज

विधि संवाददाता, प्रयागराज



अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सक्रिय एक संगठित बीमा धोखाधड़ी गिरोह के मामले में सुनवाई करते हुए पुलिस की जांच प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाते हुए पाया कि मृतप्राय व्यक्तियों के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के जरिए विभिन्न बीमा कंपनियों से पॉलिसी हासिल कर धोखाधड़ी की जा रही है और इस आपराधिक गतिविधि में पर्याप्त रोकथाम नहीं हो पा रही है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की खंभोपीठ ने नवाब अली उर्फ नवाबुद्दीन की

लाईस मुरादाबाद के शाखा प्रमुख पुलकित गुप्ता व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हुए और पूर्व तिथि पर अनुपस्थिति के लिए दुर्घटना का हवाला देते हुए बिना शर्त माफी मांगी। कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत पुलिस रिपोर्ट में यह भी उजागर हुआ कि वादी के बैंक खाते से 4.8 लाख रुपए की राशि आरोपी की पत्नी के खाते में स्थानांतरित की गई, जबकि 10,000 की 49 बार निकासी भी दर्ज है। कोर्ट ने जांच अधिकारी को समस्त अभिलेखों सहित अगली तिथि पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 25 मार्च को निर्धारित की है।

भव्य रूप से मनेगा श्रीराम जन्मोत्सव

संवाददाता, शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। नवरात्र पर्व एवं भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव कार्यक्रम को तैयारियों को लेकर कमेटी के महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता द्वारा रविवार को मंदिर परिसर में श्रीराम जानकी मंदिर सेवा समिति के पदाधिकारियों की बैठक बुलाई गयी। बैठक समिति के अध्यक्ष नन्दू गौड़ की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें कार्यक्रम को भव्य रूप से मनाने पर चर्चा किया गया। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नन्दू गौड़ ने कहा कि भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव हर वर्ष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में इस वर्ष भी

नवरात्र व राम जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर मंदिर समिति की बैठक में लिया गया निर्णय

कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए रूपरेखा तय की जा रही है। इसके लिए समिति के पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियों सौंपी जायेगी, ताकि आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सके। वहीं समिति के संरक्षक एवं नपं चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि कार्यक्रम की भव्यता और सुव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए बैठक बुलाई गई है। बैठक में श्याम बाबा मंदिर के नवनिर्माण को लेकर भी चर्चा हुई। इस दौरान उन्होंने कहा कि फिलहाल मंदिर निर्माण को लेकर समिति की ओर

से कोई औपचारिक प्रस्ताव नहीं किया गया है। बैठक का संचालन कमेटी के महामंत्री मनोज गुप्ता ने किया। इस अवसर पर शिवपूजन वर्मा 'भोलेनाथ', किशोरी लाल, राजकुमार मोदनवाल, महावीर वर्मा, शैलेन्द्र कौशल, दिलीप वर्मा, रंजीत मित्तल, अशोक दूबे, रामकुमार कसौधन, दिनेश कुमार, रामसेवक गुप्ता, अनूप कसौधन, वीरेन्द्र गौड़, बीएन तिवारी, चंचल मित्तल, सुनील शर्मा, श्रवण पट्टा, सर्वेश कुमार खेताना, पिन्कू त्रिपाठी, महेश कसौधन, चिन्नु भारती, रिन्कू वर्मा, जीतेन्द्र पाण्डेय, रामकुमार कसौधन, दिनेश कुमार, रामसेवक कसौधन, दिनेश यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बैठक में संगठन के उद्देश्यों पर की चर्चा

संवाददाता कुशीनगर।

अमृत विचार: टीचर्स सेल्फ केयर टीम (टीएससीटी) की बैठक रविवार को हाटा बीआरसी परिसर में आयोजित की गई। बैठक में संगठन के उद्देश्यों, योजनाओं और अब तक किए गए कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में प्रांतीय उपाध्यक्ष अखिलेश मिश्रा ने कहा कि शिक्षक समाज का दर्पण होते हैं और समाज निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। टीचर्स सेल्फ केयर टीम शिक्षकों के बीच आपसी सहयोग और सुरक्षा की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रही है। बैठक में हाटा ब्लॉक टीम का मनोनयन भी किया गया। विजय कुमार बरनवाल को ब्लॉक संयोजक, भगवान नाथ

45 साल बाद नामांतरण प्रक्रिया स्वीकार्य नहीं

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजस्व अभिलेखों में म्यूटेशन से जुड़े एक मामले में सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि भले ही राजस्व अभिलेखों में म्यूटेशन (नामांतरण) के लिए कोई निष्धारित समय सीमा न हो, लेकिन अत्यधिक विलंब विशेषकर 45 वर्ष बाद दायित्व आवेदन स्वीकार नहीं किए जा सकते, क्योंकि इससे संबंधित दस्तावेजों की प्रामाणिकता पर गंभीर संदेह उत्पन्न होता है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति चंद्र कुमार राय की एकलपीठ ने बुलंदशहर निवासी दलवीर व अन्य की याचिका को स्वीकार करते हुए कहा कि निजी

प्रतिवादीयों ने कथित बिक्री विलेख के आधार पर 45 वर्ष से अधिक समय बाद म्यूटेशन का आवेदन प्रस्तुत किया, जिसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। कोर्ट ने माना कि इतनी लंबी देरी स्वयं ही दस्तावेज की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। मामले के अनुसार मूल रूप से विवाहित भूमि नाथू सिंह के नाम दर्ज थी। 1968 में उनकी मृत्यु के बाद उनके वारिसों और याचियों सहित सबके नाम राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कर दिए गए। वर्ष 2012 में टोडी सिंह के वारिसों ने आधे हिस्से पर सह-स्वामित्व की घोषणा के लिए वाद दायित्व किया, जो खारिज हो गया और अपील भी निरस्त कर दी गई।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ी का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए 01431/01432 पुणे-गाजीपुर सिटी-हडपसर ग्रीष्मकालीन द्विसप्ताहिक विशेष गाड़ी का संचलन पुणे से 17 से 28 अप्रैल तक प्रत्येक शुकवार एवं मंगलवार को तथा गाजीपुर सिटी से 19 से 30 अप्रैल तक प्रत्येक रविवार एवं गुरुवार को 04 फेरों के लिये किया जायेगा। इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 05, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

मनोनीत सभासदों का किया स्वागत

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। दुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल ने हाल ही में शासन द्वारा मनोनीत किए गए सभासदों को फूल माला पहनाकर स्वागत किया। कहा कि यह कदम क्षेत्रीय विकास और स्थानीय प्रशासन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पल है। सांसद कार्यालय पर आयोजित सम्मान समारोह में उसका बाजार, कपिलवस्तु नगर पंचायत, बढ़नी नगर पंचायत, बढ़नी चाफ़ा और दुमरियागंज नगर पंचायत के नव मनोनीत सदस्यों को सम्मानित किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मोय्य ने मनोनीत सभासदों को मिठाई खिलाकर सभी को शुभकामनाएं दी। सम्मानित होने

दीपक कुमार का नवोदय विद्यालय में हुआ चयन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद के बर्डपुर क्षेत्र से एक होनहार छात्र ने सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मॉडर्न पब्लिक स्कूल अलीगढ़वा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र दीपक कुमार पुत्र महेंद्र चौधरी, निवासी ग्राम पंचायत बर्डपुर नं0 1 पोखरभिटवा का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय में हो गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक दीपक कुमार ने नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 95 अंक प्राप्त किये। वर्तमान में वह कक्षा 5 उत्तीर्ण कर चुके हैं और अब उनका प्रवेश कक्षा 6 में जवाहर नवोदय विद्यालय बांसी



में होगा। दीपक की इस सफलता से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी माता गुहणी हैं, जबकि पिता अलीगढ़वा में एक किसान के दुकान चलाकर परिवार का भरण पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद दीपक ने अपनी मेहनत और लगन से यह मुकाम हासिल किया है। इस उपलब्धि में उनके शिक्षक वीरेन्द्र कसौधन का विशेष योगदान रहा। विद्यालय के प्रिंसिपल सुनील कुमार ने भी छात्र को सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की।



मनोनीत सभासदों के साथ सांसद जगदंबिका पाल। अमृत विचार

वाले सभासद नगर पंचायत उसका बाजार पवन जायसवाल, दिलीप सिंह, सावित्री देवी, नगर पंचायत बढ़नी अनीता जायसवाल, नगर पंचायत कपिलवस्तु विजय कश्यप, नीतीश पांडेय, नगर पंचायत बढ़नी चाफा संतोष गुप्ता, नगर पंचायत दुमरियागंज शशि प्रकाश अग्रहरि। भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने सभासदों का व्यक्तिगत रूप

से अभिनंदन किया और उन्हें संगठन व शासन की अपेक्षा के अनुरूप कार्य करने के लिए प्रेरित किया। सांसद ने विकास और 'जनसेवा का संकल्प' सभासदों को संबोधित करते हुए कहा कि सभासद की भूमिका केवल नगर पंचायत की बैठको तक सीमित नहीं है। कहा कि मनोनीत सभासद शासन और जनता के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी है।

आमेलित शिक्षकों को पुरानी पेंशन स्वागत योग्य कदम

संवाददाता कुशीनगर।

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ शर्मा गुट के जिलाध्यक्ष अनिल कुमार दूबे ने प्रदेश के आमेलित विषय विशेषज्ञ शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल करने के प्रदेश सरकार के फैसले का स्वागत किया है। शुकुवार की देर शाम विशेष सचिव उमेश चन्द्र ने इसका शासनादेश जारी कर दिया है। इससे प्रदेश के लगभग 2300 माध्यमिक शिक्षक लाभान्वित होंगे। शासनादेश जारी होते ही प्रदेश भर के सम्बंधित शिक्षकों में खुशी की लहर दौड़ गई। सभी देर रात तक एक दूसरे को बधाइयां देते



हुए सरकार का आभार जताते रहे। गोरखपुर फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी व विधान परिषद में नेता शिक्षक कुमार दुबे। दल ध्रुव कुमार मुख्यमंत्री से मिलकर इस उपलब्धि के लिए आभार प्रकट किया। जिसकी जानकारी दूरभाष पर जिलाध्यक्ष दूबे को दी। विषय विशेषज्ञों की नियुक्ति वर्ष 2000 से 2002 के बीच तत्कालीन भाजपा सरकार ने की थी। उस समय प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों की भारी कमी थी।

कुशीनगर में रसोई गैस न मिलने से लोगों में रोष

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचार: घरेलू गैस की किल्लत ने लोगों की परेशानी को चरम पर पहुंचा दिया है। हालात ये हैं कि उपभोक्ताओं को भोर होते ही खाली सिलेंडर लेकर गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन घंटों मशकत के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। आक्रोशित लोग सरकार और व्यवस्था दोनों को कोसते नजर आ रहे हैं। कई लोगों ने बताया कि उन्होंने बुकिंग तो कराई, लेकिन सिलिंडर नहीं मिला। उल्टे मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज जरूर आ गया। इससे एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर संदेह गहरा गया है।



बरसात के बीच गैस एजेंसी पर लगी सिलेंडरों की कतार। अमृत विचार

वही पडरौना नगर में बुढ़िया माई मंदिर के बगल में संचालित पकौड़ी दुकानों पर खुलेआम घरेलू गैस सिलेंडरों का धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है एक तरफ आम उपभोक्ता 20-25 दिन तक बुकिंग

के बाद गैस के लिए तरस रहे हैं, वहीं दुकानों पर गैस की सप्लाई इतनी मजबूत है कि हर दो दिन में नया सिलेंडर बदल दिया जाता है। यह व्यवस्था अपने आप में कई गंभीर सवाल खड़े करती है।

एएचटीयू प्रभारी किए गए निलंबित

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। जिले में पुलिस महकमे में अनुशासनहीनता पर बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस अकादमी सदीप कुमार मीना ने एंटी धूम्रपान ट्रेनिंग यूनिट (एएचटीयू) प्रभारी इस्पेक्टर आलोक कुमार सोनी को निलंबित कर दिया है। शनिवार को की गई इस कार्रवाई के साथ ही विभागीय स्तर पर व्यापक फेरबदल भी किया गया है। इधर, महंदावल थाने में एएसआई के तौर पर तैनात इस्पेक्टर हरि नारायण दीक्षित, जिन्हें हाल ही में पदोन्नति मिली है, को एएचटीयू की जिम्मेदारी सौंपी गई है। एस्प की अनुसार, इस्पेक्टर सोनी पर विभागीय कार्य में रुचि

पानी भरे टब में डूबने से बच्चे की मौत

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के संदूपुर में शनिवार को पानी भरे टब में डूबने से दो वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। मोहित यादव घटना के समय बड़े घर से बाहर थे। उनकी पत्नी घरेलू कार्यों में व्यस्त थी। दिन में करीब तीन बजे उनका दो वर्षीय पुत्र आरव आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान उसका खिलौना पास में रखे पानी भरे टब में गिर गया। खिलौना निकालने के प्रयास में आरव टब में डूबने लगा, तभी संतुलन बिगड़ने से वह टब में गिर पड़ा और पानी में डूब गया। काफी देर तक नजर न आने पर परिजनों ने तलाश शुरू की तो आरव टब में अचेत मिला। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

उपभोक्ताओं का आरोप है कि ऊंचे दाम पर गैस सिलेंडर की कालाबाजारी की जा रही है। यह समस्या सिर्फ पडरौना की नहीं बल्कि हाटा, कसया, कप्तानगंज, रामकोला, खड्डा, सेवरही, तमकुहीराज सहित पूरे जनपद की है। इतने बड़े पैमाने पर हो रहे इस खेल के बावजूद प्रशासन की चुप्पी कई सवाल खड़े कर रही है क्या जिम्मेदार विभाग को इसका भनक नहीं है? जानकारों का कहना है कि समय रहते प्रशासन द्वारा इस 'सिलेंडर खेल' पर लगाम नहीं लगायी गयी, तो हालात और भयावह हो सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि प्रशासन तत्काल जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे।

राम जन्म प्रसंग सुन हुए भाव-विभोर

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। शहर स्थित नगर पालिका के अवेद्यनाथ सभागार में आयोजित अमृतमयी श्रीराम कथा महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को भक्ति, उल्लास और आस्था का अलौकिक दृश्य देखने को मिला। कथा के दौरान जैसे ही प्रभु श्रीराम के जन्म का प्रसंग आया, पूरा सभागार जय श्रीराम के गगनभेदी जयघोष से गुंज उठा। श्रद्धालु भक्ति के रस में ऐसे डूबे कि मानों साक्षात् अयोध्या धाम का वातावरण साकार हो गया हो। तीसरे दिन यजमान के रूप में चौफ फार्मासिस्ट डॉ. योगेंद्र प्रसाद यादव, प्रमुख व्यवसायी मिट्टू कसौधन, महेश्वर अग्रहरी रहे, जिन्होंने अपनी-अपनी धर्म पत्नियों के साथ पूजन अर्चन किया।

चाइनीज मांझे की चपेट में आया नेशनल खिलाड़ी, हालत गंभीर

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: जीआईसी से वजीरगंज जप्ती ओवरब्रिज पर शुकुवार की शाम जिला रायफल क्लब से प्रशिक्षण के उपरांत स्कूटी से घर लौट रहे देवकाली निवासी शूटिंग के नेशनल खिलाड़ी सिद्धार्थ कुमार (15) चाइनीज मांझे की चपेट में आने से घायल गए। इससे उनके गले में गंभीर चोटें आईं। फिलहाल इलाज के बाद वह फिर से शूटिंग रेंज में लौट चुके हैं। चाइनीज मांझे से हुए उक्त हादसे महज बानगी भर है। अयोध्या में ऐसे कई हादसे हुए हैं, जिनमें लोग गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं, कुछ का लंबे समय तक इलाज भी चला है। यह हाल तब है जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चाइनीज मांझे से होने वाली मौत को हत्या मानकर मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में इसकी



खरीद-फरोख्त जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार और प्रशासन द्वारा बार-बार प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद अयोध्या में चाइनीज मांझे की बिक्री पूरी तरह थम नहीं पाई है। यह घातक मांझा बाजारों, गलियों और गुमटियों पर खुलेआम उपलब्ध है। इससे मासूम बच्चे, राहगीर और दोपहिया वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं। शहर में इससे सबसे ज्यादा घटनाएं रिडगंज व जीआईसी ओवरब्रिज पर हो रही हैं। सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी का कहना है कि प्रतिबंधित मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध है। समय-समय पर अभियान चलाकर कार्रवाई भी की जाती है। बिक्री करने वाले दुकानदारों के खिलाफ विधिक कार्रवाई भी की जाती है। साथ ही लोगों से अपील भी की जाती है कि वह इसका प्रयोग न करें।

भारतीय नववर्ष सृष्टि के प्रारंभ का द्योतक

अयोजन

आरएसएस ने भारतीय नववर्ष व डा. हेडगेवार की जयंती मनाई

संवाददाता, सिद्धार्थनगर अमृत विचार। भारतीय नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर नौगढ़ नगर द्वारा रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज परिसर में वर्ष प्रतिपदा उत्सव मनाया गया। स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए आरएसएस के विभाग प्रचारक राजीव नयन ने कहा कि भारतीय नववर्ष का आरंभ चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है, इसे सृष्टि के प्रारंभ का द्योतक माना गया है। यह केवल



कार्यक्रम में मौजूद संघ के स्वयंसेवक। अमृत विचार

तिथि परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति, नवसृजन का जीवंत प्रतीक है। नई पीढ़ी को भारतीय नववर्ष का महत्व नहीं पता है, इसलिए चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से होता है, इसे सृष्टि के प्रारंभ का द्योतक माना गया है। यह केवल

शुभ कार्य हिंदू पंचांग के अनुसार ही होते हैं, इसलिए पंचांग के माह-तिथि की समझ आवश्यक है। बताया कि आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार का जन्म भारतीय नववर्ष के दिन हुआ था और बचपन से ही उनमें प्रखर राष्ट्रभक्ति की भावना निहित थी। अंग्रेजी शासन के अत्याचार एवं हिंदू समाज की दयनीय स्थिति को देखकर उन्होंने चिकित्सकीय शिक्षा पूर्ण करने के बाद राष्ट्रसेवा का संकल्प लिया और वर्ष 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की।

इस छूट के मायने

अमेरिका द्वारा ईरान से सीमित अवधि के लिए तेल खरीद की छूट विरोधाभासी है। जिस देश पर प्रतिबंध लगाकर उसके तेल राजस्व को रोकने की कोशिश की गई, उसी को अचानक “राहत” क्यों? यह निर्णय किसी उदारता से अधिक जटिल भू-राजनीतिक गणित का परिणाम है। लक्ष्य है ऊर्जा बाजार को तात्कालिक झटके से बचाना, आपूर्ति की कमी से कीमतों को काबू में रखना और समुद्र में फंसा तेल चीन की ओर न चला जाए इसकी व्यवस्था। इसीलिए विरोधाभास से आंखें मूंदकर यह फैसला लेना पड़ा है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य पश्चिम एशिया में तनाव, शिपिंग जोखिम और रूस-यूक्रेन युद्ध ने तेल गैस आपूर्ति को इतना संवेदनशील बना दिया कि इस मामले ऐसी रियायत देनी पड़ी। सीमित समय सीमा शील इसलिए ताकि यह “नियंत्रित वाल्व” की तरह काम करे। थोड़ी अतिरिक्त आपूर्ति आए, तेल बाजार में कीमतें नरम पड़े, पर स्थायी ढील न बने, पर इससे कीमतें लंबे समय तक नियंत्रित नहीं रहने वाली।

समुद्र में फंसे लगभग 170 मिलियन बैरल तेल को बाजार तक लाने से अल्पकालिक राहत ही मिलेगी स्थायी समाधान नहीं। अगर भू-राजनीतिक तनाव जारी रहता है, तो यह राहत कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों से ज्यादा टिकाऊ नहीं होगी। ऊपर से ईरान का यह कहना कि उसके पास “सरप्लस तेल नहीं है”, संकेत देता है कि उपलब्ध अतिरिक्त आपूर्ति सीमित है या तो तेल पहले ही अनुबंधित है या ऐसे व्यवस्थागत ढांचे में है, जिसे तुरंत मोड़ा नहीं जा सकता। इसके वास्तविक आपूर्ति बनाम अपेक्षा के बीच अंतर पैदा होगा, जो कीमतों में अस्थिरता बनाए रख सकता है। रूस पर प्रतिबंध और ईरान को छूट की दोहरी नीति का आरोप अमेरिका पर भले लगे, लेकिन व्यवहार में यह परिस्थिति-आधारित रणनीति है। रूस के मामले में उद्देश्य उसके युद्ध वित्त को बाधित करना था, वहीं ईरान के मामले में लक्ष्य तत्काल आपूर्ति झटके को कम करना और ईरानी तेल तक चीन की निर्बाध पहुंच को संतुलित करना है। यानी यहां सिद्धांत नहीं, हित-आधारित लचीलापन काम कर रहा है। भुगतान और लेन-देन की शर्तें महत्वपूर्ण होंगी।

व्यवहार में कई शर्तें वॉशिंगटन की रूपरेखा के अनुसार होंगी। अमेरिकी निगरानी में लेन-देन होने से डालर, यूरो या विशेष एस्कॉ व्यवस्थाएं अपनाई जा सकती हैं। “शौडो प्लेटो”, पर लदे तेल के कारण बीमा, ट्रैकिंग और भुगतान जोखिम बढ़ते हैं, इसलिए खरीदार देशों को प्रशासनिक अनुपालन और जोखिम प्रबंधन में सावधानी रखनी होगी। भारत के लिए यह अवसर के साथ परीक्षा भी है। भारतीय रिफाइनरियां सीमित मात्रा में ईरानी ग्रेड्स, जो तकनीकी रूप से उपयुक्त और कभी-कभी प्रतिस्पर्धी कीमत पर मिलते हैं, उसका लाभ उठा सकती हैं, पर उन्हें अमेरिकी दिशा-निर्देशों, भुगतान चैनलों और बीमा शर्तों का पालन करना ही होगा। रूस के तेल की तुलना में ईरानी तेल हर बार सस्ता हो, यह तब नहीं, पर लॉजिस्टिक्स, गुणवत्ता और अनुबंध शर्तों के आधार पर यह आकर्षक विकल्प बन सकता है। भारत को चाहिए कि वह इस मौके का उपयोग आपूर्ति विविधीकरण, रणनीतिक भंडार और नवीन क्रांतिकारियों को भी तैज निवेश के साथ करे। क्योंकि ऊर्जा सुरक्षा का स्थायी उत्तर बाजार की दया पर नहीं, नीतिगत दूरदृष्टि और आत्मनिर्भरता पर टिका होता है।

प्रसंगवश

शहीद दिवस: क्या राष्ट्रप्रेम अब प्रतीक भर रह गया है

भारत हर वर्ष 23 मार्च को शहीद दिवस मनाता है। यह केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा में अंकित वह क्षण है, जब भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने हंसते-हंसते फांसी के फंदे को चूमकर इतिहास को अमर कर दिया। आज, जब देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पार कर चुका है, एक असहज प्रश्न हमारे सामने खड़ा है कि क्या हम उस बलिदान की अग्नि को अपने भीतर जीवित रख पाए हैं या वह केवल औपचारिक स्मरण तक सिमट गई है? आधुनिक भारत की हाईटेक और डिजिटल होती पीढ़ी के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आजादी कोई उपहार नहीं थी। यह उन अनगिनत क्रांतिकारियों की कीमत पर मिली, जिन्होंने अपने जीवन, अपने सपने और अपने परिवार तक को राष्ट्र के चरणों में समर्पित कर दिया।

भगत सिंह महज 23 वर्ष के थे, जब उन्होंने फांसी को गले लगाया। यह वही उम्र है, जब आज का युवा अपने करियर, सुविधाओं और निजी आकांक्षाओं के बारे में सोचता है। ऐसे में यह तुलना स्वयं में एक

प्रश्न बन जाती है कि क्या हमारे समय का युवा उस युग के युवा के समान अर्थ रखता है? साम्रमण कमीशन के विरोध में लाला लाजपत राय पर हुए निर्भम लाठीचार्ज और उनकी मृत्यु ने भारतीय युवाओं के मन में क्रांति की ज्वाला भड़का दी। इसी ज्वाला का परिणाम था सांडर्स वध, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को यह संदेश दिया कि भारत का युवा अब अन्याय सहने को तैयार नहीं है। इसके बाद केंद्रीय असेंबली में बम फेंकने की घटना, जिसे भगत सिंह ने

“बहरों को सुनाने का प्रयास” बताया था। सिर्फ एक विस्फोट नहीं था, बल्कि विचारों का उद्घोष था। बटुकेश्वर दत्त के साथ मिलकर उन्होंने गिरफ्तारी दी ताकि उनका संदेश पूरे देश में गूंज सके। जब अंग्रेजी हुकूमत ने इन युवाओं को फांसी की सजा सुनाई, तब पूरा देश उनके समर्थन में खड़ा हो गया। चंद्रशेखर आजाद ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, परंतु अल्फ्रेड पार्क में लड़ते हुए उन्होंने भी अपने प्राण न्योछावर कर दिए। अंततः 23 मार्च 1931 की शाम, नियत तिथि से पहले ही, अंग्रेजों ने भयवश तीनों क्रांतिकारियों को फांसी दे दी। यह केवल तीन व्यक्तियों की मृत्यु नहीं थी, बल्कि एक राष्ट्र की चेतना और भी अधिक जागृत हो उठी। आज स्थिति बदल चुकी है। राष्ट्रप्रेम अब कई बार प्रतीकों और अवसरों तक सीमित दिखाई देता है। सोशल मीडिया के स्टेटस, औपचारिक समारोह और दो चार देशभक्ति गीतों तक। सबसे अधिक चिंताजनक यह है कि समाज में एक विभाजनकारी मानसिकता पनप रही है, जहां समृद्ध वर्ग अपने बच्चों के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक भविष्य चाहता है, जबकि सीमाओं की रक्षा का दायित्व मानो केवल सामान्य या मध्यम वर्ग पर छोड़ दिया गया है। यह सोच न केवल असंतुलित है, बल्कि राष्ट्र की एकता के लिए भी खतरा है।

राष्ट्रप्रेम कोई अवसर विशेष की भावना नहीं, बल्कि एक सतत चेतना है। यह जाति, धर्म, वर्ग और व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर राष्ट्र को सर्वोपरि मानने का दृष्टिकोण है। यदि आज की पीढ़ी इस मूल भावना से दूर होती गई, तो वह दिन दूर नहीं, जब राष्ट्र का अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। इसलिए, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद और रामप्रसाद बिरमल जैसे अमर बलिदानियों को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें। शहीद दिवस केवल स्मरण का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन का अवसर है। यह हमें याद दिलाता है कि क्या हम उस स्वतंत्रता के योग्य नागरिक बन पाए हैं, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद दिवस हमें इतिहास को याद करने के साथ-साथ वर्तमान को परखने और भविष्य को दिशा देने का अवसर देता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)



अगर आप नीचे की ओर देख रहे हैं, तो आपको कभी इंद्रधनुष नहीं मिलेगा।
- चार्ली चैपलिन, हॉलीवुड अभिनेता

नाटो से बाहर हो सकता है अमेरिका



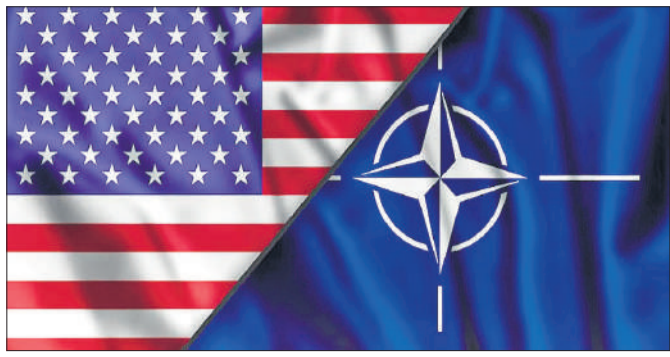
नवीन गुप्ता बरेली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनमानी बढ़ती ही जा रही है। पहले वेनेजुएला के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी और अब ईरान पर हमला करके उन्होंने खाड़ी देशों को युद्ध की आग में झोंक दिया। वे यहीं नहीं रुके हैं। उनका अगला निशान क्यूबा और ग्रीन लैंड होगा। यह बात पूरी दुनिया को पता है। यही वजह है कि नाटो के सदस्य देश अब न सिर्फ ट्रंप की मनमानी को रोकना चाहते हैं, बल्कि खुद की सैन्य शक्ति को बढ़ाकर रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। ईरान की बढ़ती आक्रमकता के बाद ट्रंप ने नाटो सदस्य देशों से अपने युद्धपोत होर्मुज में भेजने के लिए कहा था, पर सबने मनाकर दिया। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आए और उन्होंने अपने बेस के ईरान पर हमले की इजाजत ट्रंप को दे दी।

परिणाम यह हुआ कि ईरान ने डिएगो गार्सिया पर हमला कर यह बता दिया कि जो भी देश अमेरिका के साथ खड़ा होगा उसके वहां उसकी मिसाइलें गिरेगीं और तबवाही मचाएंगी। डिएगो गार्सिया पर चार हजार किलोमीटर लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल से ईरान के प्रहार ने न सिर्फ नाटो देशों में सकंते में ला दिया है, बल्कि पूरी दुनिया को यह सोचने पर विवश कर दिया है कि अमेरिका और इजरायल ने अब बड़ी गलती कर दी है, क्योंकि ईरान का मकसद अब युद्ध में न सिर्फ लंबा खींचना है, बल्कि एक के बाद एक अमेरिकी सहयोगी देश पर हमला करके इस युद्ध को व्यापक बनाना है। यही वजह है कि अब नाटो बिखरता हुआ दिख रहा है और ट्रंप नाटो से बाहर आने के संकेत दे रहे हैं।

ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बढ़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है।

हमले से पहले ट्रंप ने दावा किया था कि ईरान परमाणु बम बनाने के करीब है। यदि वह परमाणु बम का परीक्षण कर लेगा तो फिर इसके दुष्परिणाम पूरी दुनिया को भुगतान होंगे। उन्होंने इसका डर अमेरिकी जनता के साथ ही यूरोपीय और खाड़ी देशों को भी दिखाया। जबकि पिछले साल जब अमेरिका और इजरायल ने हमला किया



था, तो यह दावा किया था कि उसकी एयर स्ट्राइक में ईरान के परमाणु ठिकाने पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं। जबकि अमेरिकी सीनेट इंटरलिजेंस कमेट्री को दी गई अपनी लिखित गवाही में अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने यह स्वीकार किया है कि 2025 में अमेरिका और इजरायल के ऑपरेशन मिडनाइट हैमर के बाद ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता पूरी तरह नष्ट हो गई थी। परिणाम स्वरूप ईरान ने अपने न्यूक्लियर प्रोग्राम को दोबारा शुरू करने की कोई ठोस कोशिश नहीं की। इस रिपोर्ट के बाद राष्ट्रपति ट्रंप आलोचनाओं में घिर गए हैं, पर वे युद्ध की इस कार्रवाई को सही ठहराने में जुटे हैं।

अमेरिकी नागरिक और वहां के थिंक टैंक का आरोप है कि इजरायल के प्रधानमंत्री के कहने पर ट्रंप ने अमेरिका को बिना वजह युद्ध में शामिल किया। इस बात की कसक फ्रांस समेत कई नाटो देशों को भी है। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी नाटो का गठन जब हुआ था तब तय किया गया था कि नाटो के किसी एक सदस्य पर हमला होता है, तो सदस्य देश उसकी मदद को आगे आएंगे। तुर्किए नाटो का सदस्य है।

अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने तुर्किए पर मिसाइल व ड्रोन से प्रहार किया, लेकिन एक भी नाटो सदस्य देश उसके बचाव में आगे नहीं आया। यहां तक कि होर्मुज स्ट्रेट में ईरान द्वारा तेल और गैस लंदे जहाजों पर हमले के बाद भी फ्रांस, जर्मनी, जापान और ग्रीस जैसे देशों ने होर्मुज जलडमरूमध्य में युद्धपोत भेजने से मनाकर दिया। इन देशों को पता है कि यदि वे वहां अपने युद्धपोत भेजते हैं, तो ईरान जो हाल सऊदी अरब, कतर, बहरैन और यूएई का कर रहा है, वही उनका भी करेगा। ईरान उनके यहां भी एयरपोर्ट, सैनिक ठिकानों और रक्षा प्रतिष्ठानों पर हमले कर तबाही मचाएगा। इस तबाही की भरपाई मुश्किल होगी। डिएगो गार्सिया पर प्रहार से पहले ईरान के विदेश मंत्री

ने ब्रिटेन को धमकी दी थी कि यदि वह अमेरिका की मदद करेगा, तो फिर इसका अंजाम बुरा होगा, लेकिन ब्रिटेन ने इस धमकी को नजरअंदाज किया। परिणाम स्वरूप डिएगो गार्सिया पर हमला करके ईरान ने बता दिया कि उसकी मिसाइलों की जद में फ्रांस, ब्रिटेन समेत तमाम नाटो देश हैं, जहां वह कभी भी हमला कर सकता है। हालांकि फ्रांस, ग्रीस, जर्मनी जैसे देश पहले ही डोनाल्ड ट्रंप से साफ कह चुके हैं कि वे इस युद्ध में अमेरिका की कोई मदद नहीं करेंगे।

रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस इनकार की कई वजहें हैं। ट्रंप अब मनमानी पर उतर आए हैं। वे फ्रांस, जापान समेत तमाम देशों के राष्ट्राध्यक्षों को बात-बात पर नीचा दिखाने की कोशिश करते हैं। नाटो से निकलने की धमकियां देते हैं और बिना वजह युद्ध करना चाहते हैं। ऐसे में कोई भी देश उनका साथ देने को तैयार नहीं है। रही बात इजरायल की तो वह इस्लामिक राष्ट्रों से घिरा हुआ है और उसे अपना अस्तित्व बचाना है इसलिए वह अमेरिका के साथ कोई भी युद्ध हो उसमें शामिल होगा।

नाटो देशों द्वारा मदद से इनकार से ट्रंप बौखलाए हुए हैं और नाटो का अस्तित्व समाप्त होने की धमकी दे रहे हैं, पर ब्रिटेन के अलावा कोई भी अन्य देश उनकी गौदड़ भभकी में नहीं आया। ईरान पर हमले से पहले ट्रंप ने कहा था कि दो से चार दिन में ही ईरान हार जाएगा। उसकी नौसेना, वायुसेना समाप्त हो गई है, लेकिन ईरान अपने बेड़े से एक के बाद एक बढ़े हथियार निकालकर यह बता रहा है कि अभी उसमें दम है और वह अंतिम दम तक लड़ेगा। युद्ध लंबा खिंचेगा तो इसके बारूद की आग कई और देशों को अपनी चपेट में लेगी, जो किसी भी स्थिति में ठीक नहीं होगा। सदस्य देशों से नाराज डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के नाटो से बाहर आने की फाइल पर हस्ताक्षर भी कर सकते हैं। ऐसी आशंका है।

सोशल फोरम

सकारात्मक संकेत

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के दृष्टिकोण से ईरान और पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। ईरान इजरायल के कारण बढ़ते तनाव और क्षेत्र में युद्ध जैसी स्थितियों ने भारत की प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति श्रृंखला को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित किया है। खाड़ी क्षेत्र के बढ़ते तनाव और हालिया



आर एन शाही गोरखपुर

क्षेत्रीय अस्थिरता से पहले, भारत अपनी आवश्यकता का लगभग 50 प्रतिशत प्राकृतिक गैस आयात के माध्यम से पूरी करता रहा है। भारत के प्रमुख गैस आपूर्ति भागीदारों में कतर भारत का सबसे बड़ा एलएनजी आपूर्तिकर्ता (कुल आयात का लगभग 40-45 प्रतिशत) रहा। यह पूरी आपूर्ति फिलहाल ठप है और बहाल होने में लंबा समय लगने की आशंका है, क्योंकि ईरानी हमले से इसके प्लॉट संयंत्रों को भारी क्षति पहुंची है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अमेरिका से भी गैस आयात में भारी वृद्धि की है। अस्ट्रेलिया दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से एक स्थिर स्रोत बनकर उभरा है, जो लंबे समय तक राहत देगा। अन्य देशों में अंगोला, नाइजीरिया और ओमान जैसे देश हैं, जिनकी आपूर्ति जारी रहने वाली है। हालांकि भारत पाइपलाइन (आईपीआई पाइपलाइन) के माध्यम से ईरान से सीधे गैस नहीं ले पा रहा था, लेकिन ईरान ‘फारस की खाड़ी’ और ‘होर्मुज जलडमरूमध्य का द्वार है, जहां से भारत की 60 प्रतिशत से अधिक गैस आपूर्ति गुजरती है। यह पूरी की पूरी आपूर्ति फिलवक्त अवरोध और अनिश्चितता का शिकार है। हालािया संघर्षों के कारण सीधे तौर पर गैस के कुओं से उत्पादन कम होने की अपेक्षा, परिवहन और लॉजिस्टिक्स में बड़ी बाधाओं के कारण आपूर्ति प्रभावित हुई है। अनुमान है कि लाल सागर और फारस की खाड़ी में तनाव के कारण भारत की कुल गैस आपूर्ति का लगभग 10-15 प्रतिशत हिस्सा अनिश्चितता के घेरे में आया है। मुख्य रूप से उन देशों से आने वाली स्पलाई प्रभावित हुई है, जो लाल सागर मार्ग का उपयोग करते हैं, जैसे कुछ यूरोपीय स्रोत और ऑस्ट्रेलिया। युद्ध के खतरे के कारण जहाजों के समुद्री बीमा में 50 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है, जिससे लौडिंग लागत बढ़ गई है। भारत ने अपनी रणनीति को ‘विविधीकरण’ पर केंद्रित किया है ताकि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता कम हो। भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए पश्चिम एशिया से हटकर अफ्रीका और अमेरिका की ओर रुख कर रहा है, जो भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है। यह किसी भी सरकार के लिए चाहे भारत हो या चीन, जादू की छड़ी घुमाने जैसी कोई चमत्कारिक कार्यवाही नहीं है।

- फेसबुक वाल से

सामयिकी



मार्च में सर्दी-गर्मी जलवायु परिवर्तन की चेतावनी

प्रकृति का अपना एक निश्चित अनुशासन और संतुलन होता है। सर्दियों से पृथ्वी पर ऋतुओं का क्रम तय रहा है। वसंत की मधुरता, ग्रीष्म की तपिश, वर्षा की हरियाली, शरद की शांति, हेमंत की ठंडक और शीत ऋतु की सिहरन। भारत जैसे देश में यह ऋतुचक्र केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि जीवन, संस्कृति और कृषि व्यवस्था का आधार रहा है। किंतु हाल के वर्षों में यह संतुलन तेजी से बिगड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। मार्च के तीसरे सप्ताह में मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने इस असंतुलन को स्पष्ट कर दिया। हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बर्फबारी हुई, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हुआ, वहीं पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश और ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी। विशेष रूप से सरसों और गेहूं जैसी रबी फसलों को भारी नुकसान पहुंचा है, क्योंकि यह समय उनके पकने का होता है। ऐसे में मौसम की थोड़ी-सी भी अनियमितता उत्पादन को सीधे प्रभावित करती है।



राजेश जैन लेखक

किसान अपनी खेती का समय ऋतुओं के अनुसार तय करता है और त्योहार व परंपराएं भी मौसम से गहराई से जुड़ी होती हैं, लेकिन जब मौसम ही अनिश्चित हो जाए, तो पूरी जीवन व्यवस्था प्रभावित होती है। यह असामान्य मौसम केवल संयोग नहीं, बल्कि एक गंभीर वैश्विक समस्या जलवायु परिवर्तन का संकेत है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश के लिए यह स्थिति और भी चिंताजनक है। रबी फसलों- जैसे गेहूं, चना और सरसों के लिए मार्च का समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस दौरान तापमान अचानक बढ़ जाए, तो दानों का विकास प्रभावित होता है और उत्पादन घट जाता है। वहीं, अचानक बारिश, ठंड या ओलावृष्टि तैयार फसल को नष्ट कर सकती है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है और खाद्यान्न सुरक्षा भी प्रभावित होती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल कृषि तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर रहा है। अचानक बदलते मौसम के कारण शरीर को अनुकूलन का पर्याप्त समय नहीं मिल पाता, जिससे सर्दी-जुकाम, वायरल संक्रमण, एलर्जी और श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ जाती हैं। बच्चे, बुजुर्ग और कमजोर प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग विशेष रूप से इससे प्रभावित होते हैं। कई बार अचानक बढ़ती गर्मी ह्रीट स्ट्रोक जैसी समस्याओं को भी जन्म देती है। प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं भी इसी असंतुलन का संकेत हैं। बाढ़, सूखा, चक्रवात, जंगलों में आग और भूस्खलन जैसी घटनाएं अब अधिक बार देखने को मिल रही हैं। हिमालयी क्षेत्रों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे नदियों के प्रवाह और जलस्तर में बदलाव आ रहा है। यदि यह स्थिति बनी रही, तो भविष्य में जल संकट और भी गहरा सकता है। इस असंतुलन के पीछे मानव गतिविधियों की बड़ी भूमिका है। बढ़ती जनसंख्या और विकास की दौड़ में हमने प्रकृति के संसाधनों का अत्यधिक दोहन किया है। वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और अनियंत्रित शहरीकरण ने पर्यावरणीय संतुलन को कमजोर कर दिया है। पेड़-पौधों की कमी के कारण वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा बढ़ रही है, जिससे तापमान नियंत्रित रखने वाली प्राकृतिक प्रणाली प्रभावित हो रही है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। यह स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ असंतुलन का परिणाम मानव को ही भुगतान पड़ता है। यदि समय रहते हमने अपनी जीवनशैली और विकास की दिशा में सुधार नहीं किया, तो आने वाले वर्षों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसलिए आवश्यक है कि हम प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक संतुलित और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करें। (यह लेखक के निजी विचार हैं।)



आमने

आरजी कॉलेज की घटना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण थी, लेकिन टीएमसी और ममता बनर्जी का इससे कोई लेना-देना नहीं है। बीजेपी बंगाल में नहीं जीतीगी। हर जगह बीजेपी वोट की चोरी कर के जीत हासिल करती है। इतिहास में पहली बार चुनावों के दौरान बंगाल से 50 से ज्यादा अधिकारियों के तबादे किए गए हैं।

‘एसआईआर में वो वोट काटे गए, वे घुमपैटियों, दिवंगत लोगों के थे। वहां, एक आदमी कई वोट डालता था, एक आदमी के कई जगहों पर वोट थे। अगर ऐसे आदमी का वोट काटा गया, तो उन्हें क्या एतराज है? क्या आप बंगाल को बाकी भारत से अलग करना चाहते हैं? बंगाल के लोग सब देख रहे हैं और वहां बीजेपी की सरकार जरूर बनेगी। - विजय कुमार शर्मा, डिप्टी सीएम, छत्तीसगढ़



सामने

दिखावटी चुनाव में एक तानाशाह की बल्ले-बल्ले



डॉ. रमेश ठाकुर वरिष्ठ पत्रकार

2 करोड़ 66 लाख आबादी वाले अघोषित गुलाम मुल्क उत्तर कोरिया में 15 वें ‘सुप्रिम पीपल्स असेंबली’ के संपन्न दिखावटी चुनाव में भी किम जोंग उन ने एकरतफा जीत हासिल करके फिर से अपने तानाशाह होने का परिचय न सिर्फ अपने देशवासियों को, बल्कि समूचे संसार को दे दिया है। सभी 687 सीटों पर उनके समर्पित लोग जीते हैं। मौजूदा चुनाव में भी उनके सामने न कोई विपक्ष था और न ही कोई विरोधी चुनाव में उन्होंने उम्मीदवार के रूप में अपने चपरसी, नौकर, जीजा, बहनें और उनके टिकट देकर उतारा था। चुनाव में किम जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो सून-हुईन और जीजा किम नॉड व योंग-वोन भी जीते हैं। गठित कैबिनेट में इन चारों को बड़ी जिम्मेदारी देगे किम जोंग।

उत्तर कोरिया में चुनाव का मतलब केवल कोरियाई आवाम के अनुशासन को चेक करना और सरकारी डेटा को अपडेट करना मात्र होता है। वहां जनता अपनी पसंद का न उम्मीदवार चुन पाती है और न वोट कर सकती है। वोट न करना देशद्रोह माना जाता है। नाथं कोरियाई लोग किम जोंग का आदेश किसी भी सूरत में नहीं टालते। अगर वो कहें कि आज सूरज पूर्व से नहीं पश्चिम से उगेगा, तो देशवासियों को हां में ही जवाब देना होता है। जब वो हंसते हैं, तो सबको हंसा पड़ता है। घर से दो दिन किसी को नहीं निकलना है, तो कोई नहीं निकलता। लॉकडाउन जैसी स्थिति वहां हो जाती है।

नॉथं कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है।

डेमोक्रेटिक इंडिपेंडेंट पार्टी की धूम होती थी, लेकिन अब सिर्फ और सिर्फ तानाशाह का ही चारों ओर बोलबाला है। वहां, पिछला संसदीय चुनाव 10 मार्च 2019 को हुआ था। परंपरा प्रत्येक 5 साल बाद चुनाव कराने की है, लेकिन हुए 7 साल बाद है। इस चुनाव में आदेश था कि सभी सरकार में पक्ष में वोट करें, देशवासियों ने उनके आदेशानुसार वोट डाले। वोट टर्नअउट 99.99 प्रतिशत रहा, जिनमें उनके पक्ष में रिकॉर्ड 99.93 प्रतिशत वोटिंग हुई। पंजीकृत मतदाताओं में केवल 0.0037 प्रतिशत वोटरो ने चुनावी प्रक्रिया में किसी कारण हिस्सा नहीं लिया, जिनमें ज्यादातर जोंग की दो छोटी बहनें किम यो-जोंग, चो यो-जोंग से बाहर थे या हारी बीमारी से पीड़ित थे। सरकारी मीडिया एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के मुताबिक 516 लोगों ने वोट नहीं डाले, जिनकी खोज-पड़ताल जारी है। खोजने पर उन्हें मौत की सजा सुनाई जाएगी। घरों की तलाशी जारी है, हाथ पर लगे निशान की जांच की जा रही है। कुल मिलाकर पूर्ववर्ती चुनावों की तरह इस बार भी तानाशाह शासक का बोलबाला पूरे संसदीय चुनाव के दौरान रहा।

गौरतलब चुनाव में अगर कोई सरकारी कर्मचारी उनके पक्ष में वोट नहीं करता, उसे सेवा से बेदखल कर दिया जाता है। अगर हां में ही जवाब देना होता है। तो उस पर देशद्रोह का मुकदमा करके सरेआम कोंडों से पीटा जाता है। नाथं कोरिया में नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका या कोई ऐसे मुल्क जैसी व्यवस्था नहीं है कि विरोध में वहां के लोग ‘जेन-जी’ जैसा आंदोलन कर सके। ऐसा उपने में भी कोई नहीं सोच करता। सोचेंगे तो उसे जिंदा गाड़ दिया जाता है। पिछले साल अगस्त-2025 का वाक्या है जब किम जोंग उन अपनी कैबिनेट की मीटिंग कर रहे थे, तभी बीच में एक कर्मचारी ने चाय पीने को लेकर उनसे पूछ लिया।

सजा के तौर पर जॉन ने उनकी जुबान और दोनों हाथ कटवा दिए थे। मौजूदा 2026 का आम चुनाव भी उत्तर कोरिया के अनूठे राजनीतिक ढांचे को दर्शाता है कि जहां हर निर्वाचन क्षेत्र में केवल एक ही उम्मीदवार होता है, जो किम के नेतृत्व वाली सत्ता द्वारा पहले से ही चुन लिया जाता है। मतदान में उत्तर कोरिया के वोटर्स को सिर्फ हां या न कहने का अधिकार मिलता है। चुनाव में विपक्ष का उम्मीदवार खड़ा नहीं होता। नाथं कोरिया वैश्विक पटल से तकरीबन कटा हुआ है। उसे न अर्थव्यवस्था से मतलब है और न ही किसी किस्म की तरक्की से? अपने मन की हुकूमत किम जोंग चलाते हैं। किम जोंग न किसी मुल्क का दौरा करते हैं और न उनके किसी कोई राष्ट्राध्यक्ष जाता है। एकाध मर्तबा कोई पहुंचा भी, तो उसे सरेआम मारा-पीटा गया। कइयों को जान से भी हाथ धोना पड़ा? ग्लोबल स्तर पर बनीं तमाम कल्याणकारी समितियों का भी नाथं कोरिया सदस्य नहीं है। उनके प्रतिनिधि भी कहीं प्रतिभाग नहीं करते।

नाथं कोरिया के अलावा रूस में भी ऐसी ही चुनावी प्रक्रिया है। वहां भी सरकारी कर्मचारियों और आम जनता को अपने पक्ष में वोट करने का आदेश दिया जाता है। इस दिशा में कुछ और भी राष्ट्राध्यक्ष चल पड़े हैं। तानाशाह शासक बेशक लोकतंत्र होने की दुहाई देते हों, लेकिन वो गुलाम बनाकर रखते हैं अपने आवाम को। नाथं कोरियाई लोग कब तानाशाह से मुक्ति पाएंगे, ये सवाल भविष्य के गर्भ में सुरक्षित है। तारीख कौन सी मुकरें होंगी, ये तो आने वाले समय ही बताएगा। नाथं कोरियाई लोग ज्यादातर शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। विष्व में जनसंख्या के मामले में 56 वें स्थान पर है। 2.66 लाख वाद इस मुल्क के लोगों को आजादी की सुबह कब होगी नसीब उसकी दुआ पूरा संसार करता है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

हाथ की उंगलियों में पहनी जाने वाली खूबसूरत अंगूठियां

अंगूठी एक ऐसा आभूषण है, जो सदियों से सुंदरता और आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। महिलाएं ही नहीं, बल्कि पुरुष भी अपने हाथों की उंगलियों में अंगूठी पहनना पसंद करते हैं। यह केवल सजावट का साधन नहीं है, बल्कि कई बार यह प्यार, रिश्ते और भावनाओं का प्रतीक भी होती है। खासकर सगाई और शादी में अंगूठी का बहुत महत्वपूर्ण स्थान होता है। आजकल बाजार में अंगूठियों की बहुत सारी सुंदर डिजाइन मिलती हैं। सोने, चांदी, हीरे और अलग-अलग रंगों के पत्थरों से बनी अंगूठियां हाथों की खूबसूरती को और भी बढ़ा देती हैं। कुछ लोग साधारण और हल्की अंगूठी पहनना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग भारी और डिजाइनर अंगूठियां पहनना पसंद करते हैं। हर व्यक्ति अपनी पसंद और स्टाइल के अनुसार अंगूठी चुनता है।



नूर हिना खान
लेखिका

67 साल बाद एक गीत की वापसी

Choo, choo train, a-chugging down the track
Gotta travel on, never coming back
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues
Bye, bye love, my baby's leaving me
Now lonely teardrops are all that I can see
Whoo-oo-hoo, got a one way ticket to the blues

यह गीत हाल के समय में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 67 साल बाद अचानक फिर से वायरल हो गया है, जो यह दर्शाता है कि संगीत की कोई समय सीमा नहीं होती। 1959 में नील सेडका द्वारा लोकप्रिय बनाया गया यह गीत अपने भावनात्मक बोल और मधुर धुन के कारण पहले भी श्रोताओं के दिलों में खास जगह बना चुका था, लेकिन आज की डिजिटल दुनिया ने इसे एक नई पहचान दी है। आजकल सोशल मीडिया पर सैकड़ों की संख्या में इसके एआई वर्जन और लोगों द्वारा बनाई गई रील्स वायरल हैं।



इस गीत के वायरल होने का सबसे बड़ा कारण सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे इंस्टाग्राम और टिक टॉक हैं, जहां लोग पुराने गानों को नए ट्रेंड्स के साथ जोड़कर प्रस्तुत करते हैं। खासतौर पर रील्स और शॉर्ट वीडियो में इस गाने के इन्फ्लुएंसर ने इसे युवा पीढ़ी तक पहुंचाया, जो शायद पहले इस गीत से परिचित नहीं थी।



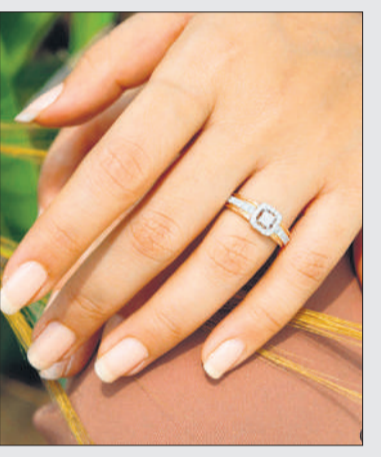
राजेश श्रीनेत
वरिष्ठ पत्रकार

गीत की धुन में एक तरह की उदासी और सादगी है, जो आज के तेज-तरार और शोर-भरे संगीत के बीच एक अलग ही सुकून देती है। यही कारण है कि लोग इसे बार-बार सुनना पसंद कर रहे हैं। इसके अलावा, इस गाने के बोल, जो एकतरफा प्रेम और बिछड़ने की पीड़ा को व्यक्त करते हैं, आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। यह भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी लोकप्रियता का मूल

कारण है। वायरल होने का एक और पहलू यह है कि लोग अब रेड्यो चीजों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पुराने गाने, फेशन और स्टाइल एक बार फिर ट्रेंड में आ रहे हैं और One Way Ticket to the Blues इसका एक बेहतरीन उदाहरण है। यह नॉस्टैल्जिया और नवीनता का एक अनोखा संगम प्रस्तुत करता है। अंततः इस गीत का दोबारा लोकप्रिय होना यह साबित करता है कि अच्छी कला कभी पुरानी नहीं होती। समय बदलता है, माध्यम बदलते हैं, लेकिन भावनाएं और सच्चा संगीत हमेशा जीवित रहते हैं। यह वायरल ट्रेंड न केवल एक पुराने गीत को नया जीवन देता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि नई पीढ़ी भी क्लासिक संगीत को उतनी ही सराहना देती है।

अंगूठियों की डिजाइन

अंगूठियों की डिजाइन समय के साथ बदलती रहती है। पहले साधारण गोल डिजाइन अधिक पसंद किए जाते थे, लेकिन आजकल फ्लॉवर डिजाइन, हार्ट शेप, क्राउन डिजाइन और मिनिमल स्टाइल की अंगूठियां बहुत ट्रेंड में हैं। खासकर युवतियां पतली और स्टाइलिश अंगूठियां पहनना पसंद करती हैं, जो उनके हाथों को और भी आकर्षक बनाती हैं। आज के समय में अंगूठियां केवल आभूषण नहीं रह गई हैं, बल्कि यह फेशन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं। किसी भी पार्टी, शादी या खास अवसर पर एक सुंदर अंगूठी पूरे लुक को और भी खास बना देती है। इसलिए कहा जा सकता है कि अंगूठी छोटी जरूर होती है, लेकिन इसकी सुंदरता और महत्व बहुत बड़ा होता है।



साधारण अंगूठी

यह हल्की और सादी डिजाइन की होती है। इसे रोजमर्रा में पहनना आसान होता है। ऑफिस, घर या सामान्य काम करते समय ऐसी अंगूठियां सबसे अच्छी रहती हैं।

डिजाइनर अंगूठी

डिजाइनर अंगूठियों में अलग-अलग स्टाइल, नक्काशी और नए फेशन की डिजाइन होती हैं। इन्हें पार्टी, शादी, त्योहार या किसी खास मौके पर पहनना ज्यादा अच्छा लगता है।



स्टोन या रत्न वाली अंगूठी

इन अंगूठियों में अलग-अलग रत्न लगे होते हैं, जैसे पन्ना, माणिक, मोती या नीलम। कई लोग इन्हें ज्योतिष के अनुसार पहनते हैं, क्योंकि माना जाता है कि सही रत्न जीवन में सकारात्मक ऊर्जा लाता है।

सगाई या शादी की अंगूठी

यह सबसे खास अंगूठी मानी जाती है। सगाई और शादी में जो अंगूठी पहनाई जाती है वह रिश्ते और प्यार का प्रतीक होती है। अक्सर इसमें हीरा या सुंदर पत्थर लगा होता है।



फेशन अंगूठी
फेशन अंगूठियां ट्रेंड के अनुसार बनाई जाती हैं। आजकल पतली, मिनिमल और स्टेकिंग (एक साथ कई अंगूठियां पहनना) स्टाइल बहुत लोकप्रिय है। युवतियां इन्हें कैजुअल और पार्टी दोनों में पहनती हैं।

कैसे चुनें अच्छी अंगूठी

अच्छी अंगूठी चुनते समय कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। सबसे पहले अंगूठी का साइज सही होना चाहिए ताकि पहनने में आराम रहे। दूसरा, उसकी डिजाइन आपके हाथों और स्टाइल पर सूट करनी चाहिए। तीसरा, उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए ताकि वह जल्दी खराब न हो। कुल मिलाकर अंगूठी एक छोटा सा आभूषण है, लेकिन यह व्यक्ति की खूबसूरती और व्यक्तित्व को और भी निखार देती है। सही अंगूठी सही समय पर पहनी जाए, तो हाथों की सुंदरता कई गुना बढ़ जाती है।

पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए पंजाबी आवाज वाले गायक जसपाल

होली के हिंदी फ़िल्मी गीतों के संग्रह में शायद ही किसी के पसंदीदा गानों में 'जोगी जी धीरे-धीरे...' न हो! इसे या 'नदिया के पार' के अन्य गीतों को सुनते हुए अक्सर ख्याल आता था कि भारत के पूर्वी क्षेत्र की मिठास लिए यह सरल, जादुई आवाज किसकी है, जो यूपी-बिहार के गांवों की भाषा और भावों को इतनी सहज और सुंदर अभिव्यक्ति देती है।

जिंदगी का सफर



फिर जब यह पता चला कि यह मधुर 'अंखियों के झरोखों से', 'सावन को आने दो' जैसी कई हिट बॉलीवुड फिल्मों के लिए गाया। चूंकि उस समय के सभी ख्यात गायक अलग-अलग लोकप्रिय नायकों के साथ जुड़े हुए थे। इस कारण नायक सचिन को ब्रेक देने वाली आवाज के रूप में पारदर्शक गायन करने के लिए नए गायक जसपाल सिंह को उल्लेख नहीं मिला नहीं।

उनका जन्म 23 मार्च 1943 को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। उन्हें स्कूल और कॉलेज के दिनों में ही गायन का शौक हो गया था। वे पढ़ाई के दौरान कई संगीत प्रतियोगिताओं में भाग लेते थे। जसपाल जी मोहम्मद रफी साहब के बहुत बड़े प्रशंसक थे और बचपन से ही उनके गाने-सुनते और मौका मिलते ही गाते थे। गायन के प्रति अपने जुनून को आगे बढ़ाने के लिए वे मुंबई चले गए, जहां उनकी बहन रहती थीं।

उनकी प्रतिभा को सर्वप्रथम 1968 में प्रसिद्ध महिला गायिका और संगीतकार ऊषा खन्ना जी ने पहचाना और पहला ब्रेक दिया। इनके संगीत निर्देशन में इन्होंने 'बंदिश' और 'अनजान है कोई' फिल्मों में गाने गए। मगर इन फिल्मों को ज्यादा सफलता मिली न इन्हें कोई विशेष पहचान। मगर इनका सही वक्त अभी आना शेष था। राजश्री की फिल्म 'गीत गाता चल' में संगीतकार रविन्द्र जैन जी के निर्देशन में उनकी आवाज पूरे देश में छा गई। इसके बाद उन्होंने 'नदिया के पार',

की बाधा भी बन गई। नायक के रूप में सचिन का कैरियर बहुत सफल और लंबा नहीं रहा, जबकि जसपाल जी सचिन की आवाज के रूप में सीमित पहचान में बंधते चले गए। आने वाला दौर हिंदी सिनेमा में पार्श्व गायन के स्तर में गिरावट का भी रहा, जो जसपाल जी जैसे प्रतिभावान गायकों के लिए अनुकूल नहीं रहा और वो इस नए दौर में गुमनामी में खोते गए।

उनके कंठ से निकले कुछ यादगार गीतों में-धरती मेरी माता, पिता आसमान, गीत गाता चल ओ साथी गुनगुनाता चल, मंगल भवन अमंगल हारी (फिल्म- गीत गाता चल), कौन दिशा में लेके चला रे, साची कंधे तोरे आवन से हमरे (फिल्म- नदिया के पार), जब-जब तू मेरे सामने आए (फिल्म- श्याम तेरे कितने नाम), सावन को आने दो (फिल्म- सावन को आने दो) आदि शामिल हैं। सफलता-असफलता से परे उनके दिल से गाए गीत आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं और आगे भी उनकी उपस्थिति का अहसास बन फिजाओं में गूंजते रहेंगे।

फिल्म समीक्षा

नए भारत की कूटनीति को बयां करती फिल्म

धुरंधर: द रिवेज, एक ऐसी फिल्म, जिसे आप दम साधे पूरी देखना चाहेंगे। कोई डिस्टर्बेंस आप को पसंद नहीं आएगा, आप की नजरें रुपहले पदों पर ही टिकी होगी, जिज्ञासा चरम पर होगी इसके बाद क्या? आप बस यही सोचेंगे, इसके सिवाय कुछ नहीं... यदि आप ने धुरंधर का पहला भाग देखा है, तो आप अनुभूत करेंगे कि ये उस से कहीं बेहतर है, फिल्म की एडिटिंग गजब की है, स्क्रिप्ट भी बेहतरीन और एक्टिंग तो ऐसी की, भाई सभी कलाकारों को सैल्यूट करने को जी करता है। ये भारतीय सिनेमा की सफल और बेहतरीन फिल्मों की सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएंगी।



डॉ. संजय अनंत
समीक्षक



सन 2014 के बाद का भारत, अब केवल बदला नहीं लेता, घर में घुसकर मारता भी है। मोदी जी, टीवी पर नोटबंदी की घोषणा करते हैं और बर्बाद पाकिस्तान होता है, ये फिल्मी शोशा नहीं, हकीकत थी। कराची में आईएसआई के इशारे पर बड़े पैमाने पर फेक करेंसी यानी नकली नोट बड़े पैमाने पर छपते और ये नेपाल या कश्मीर के रास्ते से भारत लाया जाता। ठीक है फिल्म की कहानी में कुछ नाटकीयता है, किंतु इसके बाद भी ये फिल्म, कराची के इस सदी के प्रथम दशक की कहानी

बयां करती है। रॉ के लोग पहले भी पाकिस्तान में सक्रिय थे, वे सूचना भेजते, किंतु उस पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती थी, पर अब अजीत डोभाल देश की सुरक्षा संभाल रहे हैं, जो स्वयं कभी पाकिस्तान में भारत के जासूस रहे हैं, अब जो इनपुट हमारे एजेंट्स वहां से भेजते हैं, उस पर तुरंत कार्यवाही होती है। यूपी के माफिया अतीक अहमद, पाकिस्तान की संस्थाएं, लाऊद सबका गठबंधन सच्चाई है और यही इस फिल्म का आधार है। बीते वर्ष में अनेक मोस्ट वांटेड आतंकी या उनके अन्नदाता जो पाकिस्तान में थे, अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा कल्ल कर दिए गए।

यही है नया भारत। जमील साहब यानी राकेश बेदी साहब की एक्टिंग तो कमाल की है, आर माधवन, सान्याल साहब के रूप में, संजय दत्त एसपी चौधरी के रूप में, फिल्म का हीरो रणवीर सिंह, सब ने अपने रोल के साथ न्याय किया है, अर्जुन रामपाल (मेजर इकबाल) क्रूरता घृणा चेहरे से झलकी, गजब की एक्टिंग, दो कमियां भी बताते चल्ते, अत्याधिक वीथल्स हिंसक सीन और कुछ अश्लील संवाद, इसलिए सेंसर बोर्ड ने ए सर्टिफिकेट दिया है, निर्देशक इसके बिना भी यदि फिल्म बनाते तो वो उतनी ही प्रभावशाली होती, इसकी जरूरत नहीं थी। यह फिल्म निश्चित ही सुपरहिट होगी और भारतीय सिनेमा की बेहतरीन फिल्मों में अपना स्थान बनाएगी। निर्देशक और पटकथा लेखन, दोनों आदित्य धर ने किया, वे निश्चित ही बधाई के पात्र हैं और पुरस्कार के भी।

जंजीर जिसने बदल दी अमिताभ बच्चन की तकदीर



11 मई 1973 को रिलीज हुई 'जंजीर' एक ऐसी फिल्म थी, जिसने अमिताभ बच्चन के करियर को पूरी तरह से बदलकर, उन्हें बॉलीवुड में एंटी यंग मैन के रूप में स्थापित किया। इस फिल्म ने फिल्म इंडस्ट्री को एक नया सुपरस्टार दिया। गौरतलब है कि सलीम-जावेद द्वारा लिखित और प्रकाश मेहरा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को पहले कई बड़े अभिनेताओं ने टुकरा दिया था। जावेद अख्तर ने एक इंटरव्यू में बताया था कि जंजीर धर्मेन्द्र को लेकर लिखी गई थी, लेकिन धर्मेन्द्र ने किन्हीं कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था।

अमिताभ बच्चन ने 1969 में फिल्म 'सात हिंदुस्तानी' से अपने फिल्मी करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उनकी 11 फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें भुवन सोम, परवाना, रेश्मा और शेर, प्यार का घर आदि शामिल हैं, पर कोई भी बड़ी हिट साबित नहीं हुई। 1971 में आई फिल्म आनंद जरूर सफल रही पर सारा क्रेडिट राजेश खन्ना ले गए। जंजीर में इम्पेक्टर विजय खन्ना के किरदार ने अमिताभ बच्चन को एक गुस्सैल, कड़क पुलिस अधिकारी के रूप में पेश किया, जिसे तब के युवा दर्शकों ने खूब पसंद किया और फिल्म की सफलता के बाद अमिताभ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इस फिल्म के बाद अमिताभ बच्चन की तकदीर बदल गई और उन्होंने कई हिट फिल्में दीं। फिल्म में अमिताभ बच्चन और प्राण पर फिल्माया गया गाना 'यारी है इमान मेरी' आज भी बहुत पसंद किया जाता है। अमिताभ बच्चन को जंजीर इतनी आसानी से नहीं मिली। वे इस फिल्म के लिए पहली पसंद तो कर्तव्य नहीं थे। इससे पहले उनकी कई फिल्मों में फ्लॉप हो चुकी थीं। धर्मेन्द्र के बाद राजकुमार और देवानंद ने भी निजी कारणों से फिल्म करने से मनाकर दिया था। एक दिन प्रकाश मेहरा 'मुंबई टू गोवा' फिल्म देख रहे थे। अमिताभ की एक्टिंग देख उन्होंने तय किया कि उनकी फिल्म के हीरो वही होंगे। कहते हैं कि प्राण ने भी प्रकाश मेहरा को अमिताभ बच्चन का नाम सुझाया था। जंजीर की कहानी सलीम खान और जावेद अख्तर की



मशहूर जोड़ी ने लिखी थी। फिल्म की कहानी, डायलॉग और सीन लोगों को इतने पसंद आए कि फिल्म सुपरहिट साबित हुई और अमिताभ भी रातों-रात स्टार बन गए। इसके बाद इस जोड़ी ने अमिताभ के साथ कई हिट फिल्में दीं, जिनमें शोले, दीवार, काला पत्थर, शान, त्रिशूल, डॉन आदि शामिल हैं। जंजीर में अमिताभ बच्चन इम्पेक्टर विजय खन्ना के रोल में थे, जबकि जया बच्चन उनकी प्रेमिका माला तथा प्राण ने शेर खान का रोल निभाया था। इनके अतिरिक्त इस फिल्म में अजीत, ओमप्रकाश, इफ्तखार, केस्टो मुखर्जी, बिंदु आदि कलाकार भी शामिल थे। फिल्म में संगीत कल्याण जी आनंद जी का था।

यह फिल्म लगभग 90 लाख की बजट में बनी थी और इस फिल्म ने 17 करोड़ से ज्यादा की कमाई की। फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। जंजीर के लिए उस साल अमिताभ बच्चन को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए फिल्म फेयर पुरस्कार के लिए भी नामांकित किया गया था, लेकिन पुरस्कार बांबी के लिए ऋषि कपूर को मिला था।



दीपक नौगाँव
लेखक, हल्द्वानी

शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा

मुंबई। पिछले सप्ताह मामूली बदलाव के बाद आने वाले सप्ताह में भी घरेलू शेयर बाजारों पर वैश्विक कारकों का असर जारी रहेगा। निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों पर रहेगी। साथ ही घरेलू अर्थव्यवस्था पर पश्चिम एशिया संकट के प्रभाव का भी वे आकलन करेंगे। अभी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का कोई वृद्ध आर्थिक आंकड़ा नहीं आया है।

बिजनेस ब्रीफ

महत्वपूर्ण खनिजों के ब्लॉक की नीलामी का 7वां चरण शुरू होगा

नई दिल्ली। सरकार सोमवार को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए नीलामी का सातवां चरण शुरू करेगी, जिसके तहत कई राज्यों में फैले 19 ब्लॉक को बिक्री के लिए रखा जाएगा। यह घटनाक्रम इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के बीच सरकार का लक्ष्य स्वच्छ ऊर्जा, उन्नत प्रौद्योगिकियों, उर्वरकों और रणनीतिक क्षेत्रों में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करना है। अब तक, नीलामी के छह दौर हो चुके हैं, जिसमें 46 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक की बिक्री की जा चुकी है। खान मंत्रालय ने कहा, सातवें चरण में खनिज पट्टे और संयुक्त लाइसेंस के तहत कई राज्यों में 19 ब्लॉक पेश किए जाएंगे।

श्रीलंका ने की बिजली और ईंधन के सीमित

इस्तेमाल की अपील

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने रविवार को जनता से वैश्विक तेल बाजारों में अस्थिरता के बीच संभावित कमी से निपटने के लिए ईंधन और बिजली का सीमित व सोच-समझकर उपयोग करने की अपील की। यह अपील ऐसे समय आई है जब द्वीपीय देश ने आधी रात से ईंधन के खुदरा दाम बढ़ा दिए हैं, जो एक सप्ताह में दूसरी बढ़ोतरी है। सरकार ने प्रत्येक वाहन के लिए जारी वयूआर कोड के आधार पर ईंधन की बिक्री निश्चित मात्रा में शुरू कर दी है। श्रीलंका सरकार के प्रवक्ता और मंत्री निलिदा जयतिस्सा ने कहा, हम जनता से आग्रह करते हैं कि वे बिजली और ईंधन का समझदारी से उपयोग करें और ऊर्जा खपत को न्यूनतम रखें।

देश में कोयला आयात

4.2% घटकर 21.3 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह अप्रैल से जनवरी के दौरान 4.2 प्रतिशत घटकर 21.31 करोड़ टन रहा है। समुद्री मार्ग से दुलाई मुंबई होने के कारण अभी कोयला आयात कमजोर रही रहने की संभावना है। आयात में गिरावट का यह भी संकेत है कि देश में कोयले का घरेलू उत्पादन बढ़ रहा है। हालांकि, भूराजनीतिक तनाव की वजह से वैश्विक स्तर पर तापीय कोयले की कीमतें बढ़ रही हैं। बीबीसी-कॉमर्स मंच एमएनजेशन सर्विसेस लिमिटेड के आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जनवरी के दौरान गैरकोयला कोयले का आयात 12.78 करोड़ था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 14.11 करोड़ टन के आंकड़े से कम है।

स्कोडा ऑटो का 2026 में बिक्री में

12% वृद्धि का लक्ष्य

नई दिल्ली। चेक वाहन ब्रांड स्कोडा इस साल भारत में '10 उपकरणों में कुछ बदलाव' और देश में नेटवर्क के विस्तार के जरिये बिक्री में 12 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य लेकर चल रहा है। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक आशीष शर्मा ने कहा, 'कंपनी ने मध्यम आकार के मॉडल एक्सप्लूडी कुशाक का नया संस्करण पेश किया है। कंपनी ने भविष्य में एक लाख इकाइयों की सालाना बिक्री का आंकड़ा पार करने का लक्ष्य रखा है।

असल स्थिति अभी परिदृश्य में नहीं

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेट और डब्ल्यूटीआई जैसे वैश्विक बेंचमार्क तेल बाजार की वास्तविक कमी और संकट को पूरी तरह नहीं दर्शा रहे हैं। यानी यह संकट उससे भी ज्यादा गहरा है जो वास्तव में दिख रहा है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि कच्चे तेल का वास्तविक संकट वैश्विक स्तर पर परिलक्षित होने में कुछ समय लग सकता है लेकिन यह जब सामने आएगा तो वर्तमान संकट से भी ज्यादा गहरा होगा। रिपोर्ट के अनुसार, तेल की जो कीमतें फिलहाल स्क्रीन पर दिख रही हैं, वे जमीनी हकीकत से काफी अलग हैं। केवल ब्रेट या डब्ल्यूटीआई चार्ट देखकर समझना कि तेल बाजार शांत है, भूल हो सकती है। असली महंगाई और किल्लत उन स्थानीय बाजारों और रिफाइन प्रोडक्ट्स में दिख रही है, जो वैश्विक व्यापार की रीढ़ हैं।

बेंचमार्क बनाम फिजिकल मार्केट

- ब्लूमबर्ग और जेपी मॉर्गन का तर्क है कि ब्रेट और डब्ल्यूटीआई वायदा बाजार की कीमतों में क्षेत्रीय इन्वेंट्री और पॉलिसी हस्तक्षेप के कारण विस्थापित दिख रही हैं। लेकिन फिजिकल मार्केट जहां वास्तविक तेल खरीदा-बेचा जाता है, वहां स्थिति गंभीर है।
- मध्य पूर्व के बेंचमार्क जैसे दुबई और ओमान के नकद दाम 155 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गए हैं। यह अंतर बताता है कि खाड़ी देशों से आने वाले तेल की भारी कमी है, जो वैश्विक बेंचमार्क में अभी पूरा अंतर ग्राइंड इन नहीं झूड़ है।

रिफाइन उपादानों में भारी महंगाई

- कच्चा तेल तो फिटर भी 110 डॉलर के करीब है, लेकिन वास्तविक अर्थव्यवस्था जिस चीज का उपयोग करती है, जैसे डीजल, गैसोलीन और बंकर प्यूल, उनकी कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं।
- सिंगापुर में बंकर प्यूल की कीमतें 140 से 175 डॉलर तक पहुंच गई हैं। इसे ऑयल क्राइसिस- 2.0 कहा जा रहा है, जहां कच्चे तेल और रिफाइन उत्पाद के बीच का पारंपरिक संबंध टूट गया है।

कच्चे तेल की महंगाई का भारत पर पड़ सकता है गंभीर आर्थिक प्रभाव : रिपोर्ट

वैश्विक आपूर्ति बाधित होने से सेमीकंडक्टर, निर्माण और उर्वरक क्षेत्र पर बड़ेगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और संभावित व्यवधानों के कारण कई प्रमुख क्षेत्रों में वैश्विक आपूर्ति संकट उत्पन्न हो सकता है, जिसका असर सेमीकंडक्टर और निर्माण जैसे कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो भारत पर इसका व्यापक आर्थिक प्रभाव गंभीर हो सकता है। सेमीकंडक्टर और निर्माण क्षेत्रों पर असर पड़ने के साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत भी बढ़ सकती है।

डेम कैपिटल एडवाइजर्स की एक रिपोर्ट में यह चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संकट से हीलियम, सल्फर, मेथनॉल और एल्यूमिनियम जैसे वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे सेमीकंडक्टर निर्माण, उर्वरक और निर्माण जैसे उद्योगों पर असर पड़ेगा। उर्वरक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बाधा आने से कृषि लागत बढ़ सकती है और इसका असर खाद्य सुरक्षा पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कच्चे तेल की उपलब्धता अल्पावधि में संभालने योग्य रह सकती है, लेकिन एलपीजी, नैपथा, एंविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) और गैस ऑयल जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति पर दबाव बढ़ेगा, क्योंकि रिफाइनिंग क्षमता सीमित है। साथ ही, वैश्विक एलएनजी आपूर्ति का 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है, जिससे प्राकृतिक गैस बाजार में भी दिक्कत आ सकती है।

ऑल न्यूरेनॉल्ट डस्टर 2026 का अनावरण, खूबियां गिनाई



बरेली। शहर के प्रमुख ऑटोमोबाइल डीलर अंबे मोटर्स में रविवार को रेनॉल्ट की बहुप्रतीक्षित और प्रतिष्ठित एसयूवी, 'ऑल-न्यू रेनॉल्ट डस्टर 2026' को एक समारोह आयोजित कर लॉन्च किया गया। इस कार्यक्रम में राजनीति, समाज सेवा और ऑटोमोटिव उद्योग से जुड़ी कई हस्तियों ने शिरकत की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर डॉ. उमेश गौतम, क्षेत्रीय भाजपा अध्यक्ष दुर्गिन्य सिंह शाव्य, विशिष्ट अतिथि सामाजिक कार्यकर्ता पारुल डी. मलिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। संस्थान के निदेशक आनंद प्रकाश, सचिव भसीन, मनीष सहगल, अनामोल अग्रवाल, नवनीत प्रभाश और अरविंद अग्रवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में हस्तियों में भाजपा जिलाध्यक्ष अश्वीर सक्सेना, पूर्व विधायक विजय पाल सिंह. प्रशांत पटेल,



दो महीने संघर्ष जारी रहा तो देश में आ सकती है मंदी

रिपोर्ट में कहा गया है कि उच्च कीमतों से अपस्ट्रीम तेल एवं गैस कंपनियों को लाभ हो सकता है, जबकि डाउनस्ट्रीम कंपनियों, विशेषकर तेल विपणन कंपनियों पर मार्जिन का दबाव बढ़ेगा। विमानन क्षेत्र पर भी असर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन लागत परिचालन खर्च का लगभग 40 प्रतिशत तक होती है। एफएमसीजी कंपनियों को सेकेजिंग लागत बढ़ने से दबाव डेलाता पड़ सकता है, जबकि बुनियादी ढांचा और पूंजीगत व्यय भी प्रभावित हो सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्त्र, रसायन और उर्वरक जैसे उद्योगों पर लागत बढ़ने और आपूर्ति बाधित होने का असर पड़ेगा, हालांकि कुछ क्षेत्रों को अल्पकालिक इन्वेंट्री लाभ मिल सकता है। रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि यदि संघर्ष दो महीने से अधिक समय तक जारी रहता है, तो इससे गंभीर आपूर्ति संकट, लागत में वृद्धि और वैश्विक तथा भारतीय अर्थव्यवस्था में व्यापक मंदी का खतरा उत्पन्न हो सकता है।

एथनॉल उद्योग ने पेट्रोल में मिश्रण के लिए की 20% से ज्यादा आपूर्ति की पेशकश

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) ने पेट्रोल के साथ 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल के मिश्रण की आपूर्ति की पेशकश की है। संघ का कहना है कि इससे भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता घटेगी।

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को लिखे एक पत्र



में एआईडीए की उप-महानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि एथनॉल उद्योग देश द्वारा पहले ही हासिल किए जा चुके हैं 20 के लक्ष्य से आगे जाने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, अब जबकि पश्चिम एशिया युद्ध में उलझा हुआ है और कच्चे तेल की कीमतें बढ़

जून से शिपकी ला के जरिए फिर शुरू होगा

भारत-तिब्बत व्यापार

शिमा। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय विकास एवं राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने रविवार को कहा कि किन्नौर स्थित शिपकी ला दर्रे के जरिए भारत-तिब्बत व्यापार इस साल जून से फिर शुरू होने के लिए तैयार है। इसे कोविड महामारी के कारण 2020 में स्थगित कर दिया गया था।

नेगी ने कहा कि सुरक्षा चिंताओं और अन्य कारकों के चलते पहले कई प्रतिबंध लागू थे, जिससे पर्यटक और व्यापारी इन क्षेत्रों तक नहीं पहुंच पा रहे थे। उन्होंने कहा कि पार्वतियों में ढील और व्यापार, फिर से शुरू होने से किन्नौर और आसपास के क्षेत्रों में वाणिज्य को बढ़ावा मिलने और रोजगार सृजन की उम्मीद है। नेगी ने बताया कि पारंपरिक व्यापार कई वर्षों से अधर में लटका हुआ था और स्थानीय व्यापारिक संघ व संगठन इसे फिर से शुरू करने की मांग कर रहे थे।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 23 मार्च 2026

www.amritvichar.com

फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी की 10 से 12% बढ़ सकती है कीमत

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण कच्चे माल, खासकर प्लास्टिक की कीमतें बढ़ रही हैं। साथ ही एलपीजी की आपूर्ति भी कम हो गई है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ रहा है। कंपनियों का कहना है कि प्लास्टिक महंगा होने से वाशिंग मशीन और फ्रिज जैसे बड़े घरेलू उपकरणों की कीमतें 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ सकती हैं।

गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के उपकरण कारोबार के प्रमुख कमल नंदा ने कहा कि कंपनियां इस साल पहले ही कीमतें बढ़ा चुकी हैं, जब जनवरी से नए ऊर्जा लेबलिंग नियम लागू हुए। अब कच्चे माल और दुलाई लागत बढ़ने के कारण अप्रैल में फिर से कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं। गोदरेज ने एक अप्रैल से एसी की कीमतों में पांच से 10 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का संकेत दिया है। हायर इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने बताया कि कारखानों को मिलने वाली एलपीजी गैस की आपूर्ति कम कर दी गई है। अगर यह स्थिति बनी रहती है तो गर्मी के व्यस्त सीजन से पहले उत्पादन में 20 से 30 प्रतिशत तक कटौती करनी पड़ सकती है। सरकार ने घरेलू रसोई गैस को प्राथमिकता देने के लिए प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की आपूर्ति को उनकी औसत खपत के 80 प्रतिशत से घटाकर 65 प्रतिशत कर दिया है।

इससे एसी विनिर्माण में इस्तेमाल होने वाली प्रक्रियाओं पर असर पड़ रहा है। सतीश ने यह भी कहा कि प्लास्टिक महंगा होने से कंपनियों की लागत बढ़ रही है और इसका असर ग्राहकों पर पड़ेगा।

डेम कैपिटल एडवाइजर्स का दावा

• उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से कृषि लागत के बढ़ने की भी आशंका

प्रति बैरल एक डॉलर बढ़ने से 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है राजकोषीय घाटा

प्रत्येक एक डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि से राजकोषीय घाटा लगभग 100 अरब रुपये तक बढ़ सकता है। यदि कीमतें 80 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं तो महंगाई 4.5 प्रतिशत से अधिक हो सकती है और रुपये पर दबाव पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत की आयात निर्भरता, विशेषकर होमुंज जलडमरूमध्य के जरिए, जोखिम को और बढ़ाती है। देश के लगभग 90 प्रतिशत एलपीजी आयात और 50 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल इसी मार्ग से आता है। जबकि कच्चे तेल की आपूर्ति वैकल्पिक स्रोतों और भंडार के कारण कुछ हद तक संभाली जा सकती है, एलपीजी की उपलब्धता सीमित भंडार के कारण अधिक संवेदनशील बनी हुई है।

• पश्चिम एशिया में संघर्ष के बीच आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होने का किया दावा

रही हैं तो हम एक एथनॉल उद्योग के तौर पर 20 प्रतिशत से अधिक की आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं। इससे उसी मात्रा में कच्चे तेल का आयात कम होगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदम से आपूर्ति में रुकावट और देश पर पड़ने वाले आर्थिक प्रभाव को कम किया जा सकेगा।

पेट्रोल में एथनॉल के मिश्रण का लक्ष्य 30 प्रतिशत तक बढ़ाएं

भारत ने अपना ई20 एथनॉल मिश्रण लक्ष्य (पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिलाता) 2025 में तय समय से पहले हासिल कर लिया है। यह लक्ष्य मोदी सरकार ने ईंधन आयात बिल कम करने और उत्सर्जन में कमी लाने के लिए तय किया था। एसोसिएशन ने मांग की है कि सरकार 20 से 30 प्रतिशत के मिश्रण की जरूरत को धीरे-धीरे 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ाए।

• पश्चिम एशिया संकट के कारण कई उद्योगों पर पड़ रहा प्लास्टिक महंगा होने का असर



आधी क्षमता पर चल रहे भारत के यूरिया संयंत्र

नई दिल्ली। एलएनजी की आपूर्ति बाधित होने से देश के यूरिया संयंत्र आधी क्षमता पर चल रहे हैं। उद्योग सूत्रों ने बताया कि देश की सबसे बड़ा एलएनजी प्राप्त करने वाला टर्मिनल चलाने वाली पेट्रोनेट एलएनजी ने अपरिहार्य स्थिति की घोषणा की है। आपूर्तिकर्ताओं ने जलडमरूमध्य व्यवधान की वजह से कंपनी को अनुबंधित मात्रा में गैस आपूर्ति करने में असमर्थता जताई है। इस कदम से सरकारी गैस वितरक कंपनी गुरु, आईओसी और बीपीसीएल ने आपूर्ति में कटौती शुरू कर दी है। ये कंपनियां रासमीस अनुबंध के तहत उर्वरक इकाइयों को गैस की आपूर्ति करती हैं। उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, गैस आपूर्ति सामान्य स्तर से घटाकर 60-65 प्रतिशत तक कर कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कुछ इकाइयों के लिए प्रभावी आपूर्ति 50 प्रतिशत से नीचे आ गई है।

एथनॉल से चलने वाली गाड़ियों और कुकिंग स्टोव को दें बढ़ावा

इसके अलावा एआईडीए ने केंद्र सरकार से ब्राजील की तरह 100 प्रतिशत एथनॉल से चलने वाली प्लेक्स-ईंधन गाड़ियों लाने, घरेलू और वाणिज्यिक इस्तेमाल के लिए एथनॉल आधारित कुकिंग स्टोव को बढ़ावा देने और खर्च को कम करने के लिए डीजल में एथनॉल मिलाने का रास्ता खोजने की डी मांग की है। एआईडीए ने कहा है, इससे संकट और कम होगा।

छोटे शहरों में ईवी विंडसर की बिक्री बढ़ाएगी जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सबसे ज्यादा बिकने वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल विंडसर की बिक्री में 70 प्रतिशत योगदान गैर महानगरों का है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है इसी का लाभ उठाकर और जागरूकता बढ़ाकर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर अपनी बिक्री बढ़ाने का प्रयास कर रही है।

एमजी विंडसर को अक्टूबर, 2024 में पेश किया गया था। तब से अब तक इस मॉडल की कुल बिक्री लगभग 65,000 इकाई रही है। इस मॉडल की कुल बिक्री में से चार महानगरों दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई का हिस्सा 30 प्रतिशत रहा है। शेष भारत ने इसमें 70 प्रतिशत का योगदान दिया है। इस रूढ़ पर जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी विनय रेना ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री शुरू में महानगरों में ही थी, जिसका मुख्य कारण कम जागरूकता और ऐसे उत्पाद की कमी थी जो सव में आम लोगों को पसंद आते। उन्होंने दावा किया, एमजी विंडसर के आने से यह माहौल बदल गया और यह मॉडल गैर-महानगर शहरों में ईवी की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है। यह सही समय पर पेश किया गया सही उत्पाद था। इन बाजारों में ग्राहकों को एक टिकाऊ ड्राइविंग का अनुभव दिया गया है, जिससे उन्हें अच्छी-खासी बचत हुई।

शीर्ष 10 कंपनियों में से 5 का बाजार पूंजीकरण 1.02 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। संसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से पांच के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान एचडीएफसी

बैंक रहा। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 30.96 अंक या 0.04 प्रतिशत नीचे आया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निपटी 36.6 अंक या 0.15 प्रतिशत टूट गया। समीक्षाधीन सप्ताह में जहां एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंस्ट्रक्सी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिटीवर के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारतीय एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), इकोरिस और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत बढ़ गई। शीर्ष 10 में पांच कंपनियों का बाजार मूल्यंकन कुल 1,02,771.87 करोड़ रुपये कम हो गया।

पी.एन.गाडगील ज्वेलर्स ने हासिल किया महत्वपूर्ण पड़ाव

लखनऊ। पी.एन.गाडगील ज्वेलर्स ने आर्थिक वर्ष 2025-26 में 10,000 कोटी रुपये के रेहेंदू का पड़ाव हासिल किया है। यह उपलब्धि व्यवसाय में गति की मजबूत दर्शाती है। साथ ही गुड्री पाड़वा के शुभ अवसर पर कंपनी ने 170.7 करोड़ रुपये की बिक्री की है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। पी.एन.गाडगील ज्वेलर्स के अध्यक्ष

व व्यवस्थापकीय संचालक डॉ. सौरभ गाडगील ने कहा की, 10,000 करोड़ रुपये के रेहेंदू का आंकड़ा पार करना हमारे सफर का एक महत्वपूर्ण क्षण है और यह पड़ाव पार करना हमारी लंबे समय से रही आकांक्षा थी. यह उपलब्धि हमारे ग्राहकों के विश्वास और हमारे कर्मचारियों के निरंतर समर्पण का प्रमाण है। सभी के सामूहिक प्रयासों से ही यह सफलता संभव हो पाई है।

आर्थिक उथल-पुथल

विदेशी निवेशकों ने इस महीने निकाले 1,05,316 करोड़ रुपये

मुंबई, एजेंसी

विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफपीआई) ने मार्च के पहले तीन सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,05,316 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले निवेशक फरवरी में शुद्ध रूप से लिवाल रहे थे, यानी उन्होंने जितना पैसा लगाया था उससे कम निकाला था। एफपीआई ने मार्च में इक्विटी में अपना निवेश 88,180 करोड़ रुपये घटा दिया जो दिखाता है कि भारतीय शेयरों में अभी उनका विश्वास नहीं



है। डेट, म्यूचुअल फंड और हाइब्रिड उपकरणों में भी उनका निवेश नकारात्मक रहा है। डेट में उन्होंने शुद्ध रूप से 13,754 करोड़ रुपये और हाइब्रिड में 471 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की है। म्यूचुअल फंड

भारतीय शेयरों में फिलहाल विश्वास नहीं, इक्विटी में भी घटाया निवेश

आज एफपीआई निपटान नियमों में ढील पर विचार करेगा सेबी बोर्ड नई दिल्ली। सेबी बोर्ड सोमवार को एक व्यापक एजेंडे पर चर्चा करने के लिए बैठक करने वाला है। इसमें विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कोष निपटान नियमों को आसान बनाने और बाजार मध्यस्थों के लिए नियमावली ढांचे में बदलाव के प्रस्ताव शामिल हैं। एजेंडा का एक प्रमुख हिस्सा एफपीआई को उसी दिन के नकद बाजार व्यापार के लिए 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव है। मौजूदा ढांचे के तहत, एक एफपीआई को इक्विटी नकद बाजार सेना का निपटान सकल आधार पर करना होता है। यानी प्रत्येक खरीद लेनदेन के लिए अलग से फंड देना होता है, भले ही उसी दिन कोई बिक्री लेनदेन भी हुआ हो। सेबी ने 'फंड नेटिंग' की अनुमति देने का प्रस्ताव दिया है, जिससे एफपीआई उसी दिन की बिक्री से प्राप्त राशि का उपयोग खरीद देनदारियों को चुकाने के लिए कर सकेगा। इससे उन्हें केवल शुद्ध देय राशि ही चुकानी होगी।

विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि एफपीआई की निकासी को मुख्य वजह पश्चिम एशिया तनाव है। इसके अलावा होमुंज जलडमरूमध्य के बंद होने से कच्चे तेल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल को पार कर गया है, जिससे एफपीआई जोखिम लेने से बच रहे हैं। बढ़ता अमेरिकी बॉन्ड प्रतिक्रिया एफपीआई की निकासी को एक और बड़ी वजह है।

वर्ल्ड व्रीफ

श्रीलंका में फिर बड़े पेट्रोल-डीजल के दाम

कोलंबो। श्रीलंका ने अमेरिका–इजरायल और ईरान के बीच जारी युद्ध के प्रभावों का सामना करने के लिए दो हफ्तों में दूसरी बार ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। सामान्य पेट्रोल की कीमत 317 श्रीलंकाई रुपये से बढ़कर 398 रुपये प्रति लीटर हो गयी है, जबकि डीजल की कीमत 79 रुपये बढ़कर 382 रुपये के बीच वाले स्तर पर पहुंच गयी है। सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के एक अधिकारी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस ताजा बढ़ोतरी से ईंधन की खपत में 15 से 20 प्रतिशत की कमी आएगी।

पांडिचेरी विवि में पद्मश्री पलानिवेल का सम्मान

पुडुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय ने पारंपरिक मार्शल आर्ट सिलबम के मशहूर विशेषज्ञ पद्मश्री पलानिवेल को तमिलनाडु की देसी मार्शल विरासत को बचाने और बढ़ावा देने में उनके शानदार योगदान के लिए सम्मानित किया। उन्हें इस कला के प्रति उनके जीवन भर के समर्पण और योगदान और युवा पीढ़ी को इस सांस्कृतिक विरासत को अपनाने के लिए प्रेरित करने के लिए सम्मानित किया गया। इस अवसर सांस्कृतिक संयोजक प्रो. श्रीकला ने भारतीय संस्कृति और परंपरा की भावना का जश्न मनाने में इस कार्यक्रम की अहमियत पर जोर दिया।

ईरान ने जापानी के एक नागरिक को किया रिहा

तोक्यो। जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने रविवार को बताया कि ईरान में हिरासत में लिए गए दो जापानी नागरिकों में से एक को रिहा कर दिया गया है। मोतेगी ने 'फूजी टेलीविजन' के एक 'टॉक शो' में कहा कि वह व्यक्ति पिछले साल से हिरासत में था और उसे बुधवार को रिहा किया गया। उन्होंने बताया कि इस साल की शुरुआत में गिरफ्तार किया गया एक अन्य जापानी नागरिक अब भी हिरासत में है। जो व्यक्ति ईरान में अब हिरासत में है वह जापान के सार्वजनिक प्रसारणकर्ता का एक पत्रकार है।

ईरान में मृतक संख्या 1,500 के पार पहुंची

काहिरा। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू किए जाने के बाद से ईरान में युद्ध के दौरान 1,500 से अधिक लोग मारे गए हैं। सरकारी प्रसारणकर्ता ने स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से यह जानकारी दी। इस बीच, संरक्षण समाप्त होने के दौरान ईरान की राजधानी में भारी हवाई हमले हुए। पश्चिम एशिया में युद्ध के चौथे सप्ताह भी जारी है।

कतर में हेलीकॉप्टर हुआ क्रैश, छह लोगों की मौत

वोहा, एजेंसी

कतर के क्षेत्रीय समुद्री जलक्षेत्र में तकनीकी खराबी के कारण हुए हेलीकॉप्टर हादसे में तुर्की के तीन नागरिकों सहित छह लोगों की मौत हो गई है। कतर के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, सात में से छह लोगों के शव बरामद कर लिए गए हैं, जबकि एक व्यक्ति अब भी लापता है और उसकी तलाश जारी है।

तुर्कों के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उनके एक सैनिक और हथियार बनाने वाली कंपनी आसेलसन के दो तकनीशियनों सहित सात लोगों की दुर्घटना में मौत हो गई। दुर्घटना के कारण का पता जांच के बाद ही लग पाएगा। कतर के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को

एक व्यक्ति लापता, बचाव अभियान अभी जारी

पहले बताया था कि नियमित ड्यूटी के दौरान कतर के एक हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने से वह समुद्र में जा गिरा। हादसे के तुरंत बाद खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। अंतरिक मंत्रालय ने कुछ घंटों बाद जानकारी दी कि जारी तलाशी अभियान के दौरान हेलीकॉप्टर में सवार सात में से छह लोगों को खोज लिया गया है, जिनकी मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है। शेष एक लापता व्यक्ति की तलाश के लिए विशेष टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटना के बाद व्यापक खोज अभियान चलाया जा रहा है।

जंग में अमेरिका को लगा तगड़ा झटका

आधुनिक युद्धक विमानों के इतिहास में 19 और 20 मार्च, 2026 की तारीखें एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में दर्ज की गई हैं। जिसे दुनिया आसमान का भूत कहती थी और जिसे अजेय मानकर अमेरिकी वायुसेना अपनी श्रेष्ठता का दंभ भरती थी, उस एफ-35 के सुरक्षा कवच में ईरान ने संघ लगा दी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पुष्टि की है कि एक एफ-35 विमान को ईरानी हमले के कारण आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। लेकिन ईरान की इस्तामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड फ़ोर्स ने दावा है कि उन्होंने विमान को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त किया है और इसके क्रैश होने की संभावना बहुत अधिक है। यह घटना केवल एक विमान के क्षतिग्रस्त होने की खबर नहीं है, बल्कि उस अरबों डॉलर की स्टैटेलै टेकोलॉजी पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है, जिसे अब तक कोई भी रडार पकड़ने में नाकाम रहा था।

एफ-35 का मारा जाना



एफ-35 की अजेयता का रहस्य

- **अदृश्य स्टैल्थ** : इसके डिजाइन में सपाट सतहों और समकोणों को खत्म कर दिया गया है ताकि रडार की तरंगें टकराकर वापस न जाएं। इस पर एक विशेष रडार-अवशोषक सामग्री (रेम) की कोटिंग होती है जो इसे रडार स्क्रीन पर एक चिड़िया जितना छोटा दिखाती है।
- **सेंसर प्र्यूजन** : एफ-35 को पलाइंग क्यूटूर कहा जाता है। यह अपने रडार, इन्फ्रारेड और इलेक्ट्रॉनिक सेंसर से मिलने वाले डेटा को एक साथ जोड़कर पायलट को 360-डिग्री की जानकारी देता है।
- **इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर** : इसमें एक शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली है जो दुश्मन के रडार को जाम कर सकती है, जिससे इसे निशाना बनाना लगभग असंभव माना जाता था।

ईरान की तकनीक : कैसे किया शिकार

- **स्वदेशी तकनीक** : ईरान ने दावा किया है कि उसने एफ-35 को गिराने के लिए अपनी स्वदेशी तकनीक का इस्तेमाल किया है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान ने पैंसिव इन्फ्रारेड सेंसर तकनीक का उपयोग किया है।
- **हीट ट्रैकिंग** : रडार की जगह ईरान के एडी-08 माजिद एयर डिफेंस सिस्टम ने विमान के इंजन से निकलने वाली गर्मी को ट्रैक किया।
- **बिना सिग्नल का हमला** : रडार आधारित सिस्टम तरंगें भेजते हैं जिससे विमान को पता चल जाता है कि उसे ट्रैक किया जा रहा है। लेकिन पैंसिव इन्फ्रारेड सिस्टम कोई तरंग नहीं छोड़ता, इसलिए एफ-35 के पायलट को पता ही नहीं चला कि वह निशाने पर है।
- **पहले का अनुभव** : इस तरह की तकनीक का उपयोग यमन में हूतियों द्वारा भी किया जा चुका है, जहां उन्होंने अमेरिकी ड्रॉनों को निशाना बनाया था।

किन देशों के पास है ऐसा विमान

- **एफ-22 रेप्टर (अमेरिका)** : यह दुनिया का सबसे बेहतरीन एयर-सुपीरियरिटी फाइटर माना जाता है, लेकिन इसे अमेरिका किसी भी दूसरे देश को नहीं बेचता।
- **जे-20 माइटी ड्रैगन (चीन)** : चीन का पांचवी पीढ़ी का विमान जो एफ-35 का मुख्य प्रतिस्पर्धी है।
- **एसयू-57 फेलान (रूस)** : रूस का स्टैल्थ फाइटर जो अपनी गति और चपलता के लिए जाना जाता है।
- **जे-35 (चीन)** : यह चीन का नया स्टैल्थ विमान है।

साख को क्षति

- **एफ-35 का शिकार** होना अमेरिका के लिए एक वित्तीय नुकसान नहीं बल्कि वैश्विक छवि का संकट है। दुनिया यह मानने लगी है कि अमेरिकी स्टैल्थ तकनीक को सस्ते और स्वदेशी हीट-सीकिंग मिसाइलों से भी भेदा जा सकता है।

जेंडर परिभाषा पर भारत रहा तटस्थ संरा में टूटी आम सहमति की परंपरा

यूएन महिला आयोग : अमेरिका की जिद पर उत्पन्न हुआ तीखा गतिरोध, हुई वोटिंग

यौन और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर रही तल्खी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्ल्यू) का हालिया सत्र महिलाओं के अधिकारों और न्याय तक पहुंच जैसे गंभीर विषयों पर गहरे कूटनीतिक विभाजन का गवाह बना। दशकों से चली आ रही आम सहमति की परंपरा तब टूट गई, जब जेंडर की परिभाषा और यौन व प्रजनन स्वास्थ्य जैसे संवेदनशील मुद्दों पर सदस्य देशों के बीच तीखा गतिरोध पैदा हो गया।

अमेरिका के पेश किए गए संशोधनों और उस पर बेंलजियम के लिए गए नो एक्शन मोशन ने माहौल को तल्खियों से भर दिया। इसके परिणामस्वरूप मुख्य निष्कर्षों को सर्वसम्मति के बजाय मतदान के जरिये अपनाया पड़ा। इस ऐतिहासिक खींचतान के बीच, भारत सहित छह देशों ने मतदान से दूरी बनाए रखी, जो वैश्विक मंच पर सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दों और बहुपक्षवाद के भविष्य पर उठते बड़े सवालों की ओर इशारा करता



अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के किया खारिज

सत्र के दौरान सबसे बड़ा विवाद अमेरिका के पेश किए गए प्रस्ताव को लेकर हुआ। इसमें जेंडर शब्द की सीमित और रूढ़िवादी व्याख्या करने की कोशिश की गयी थी। बेंलजियम ने यूरोपीय संघ की ओर से इस पर नो एक्शन मोशन पेश किया। इसका अर्थ था कि इस प्रस्ताव पर कोई चर्चा ही न की जाए। बेंलजियम का तर्क था कि यह प्रस्ताव 30 साल पहले बीजिंग घोषणापत्र में तय की गई परिभाषाओं को बदलने और वैश्विक प्रगति को पीछे ले जाने की कोशिश है। अंततः 23 मतों के साथ इस मोशन को मंजूरी मिली और अमेरिकी प्रस्ताव को बिना चर्चा के खारिज कर दिया गया।

हैं। संयुक्त राष्ट्र में महिलाओं की स्थिति पर आयोग (सीएसडब्ल्यू) के हाल ही में आयोजित 70वां सत्र मुख्य रूप से जेंडर की परिभाषा, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य और संप्रभुता जैसे विषयों पर सदस्य देशों के बीच गहरे मतभेद सामने आए। सत्र की शुरुआत में ही एक अभूतपूर्व घटना घटी। इस वर्ष का मुख्य विषय सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना और उसे मजबूत

करना था। आमतौर पर आयोग के निष्कर्ष सर्वसम्मति से स्वीकार किए जाते हैं, लेकिन पेश किए गए संशोधनों को इस बार अमेरिका के खारिज करने के बाद, निष्कर्षों को मतदान के जरिये अपनाया पड़ा। इसमें 37 देशों ने पक्ष में मतदान किया, जबकि अमेरिका ने विरोध में और भारत समेत छह देशों ने मतदान नहीं किया। सत्र के अंतिम दिन पाकिस्तान, नाइजीरिया और सेनेगल जैसे देशों ने मतदान के

भारत का रुख सुस्पष्ट रहा

सत्र के दौरान न्याय तक पहुंच से जुड़े मुख्य निष्कर्षों पर भारत का पारंपरिक और सुस्पष्ट रुख यह रहा है कि महिलाओं के अधिकारों जैसे संवेदनशील वैश्विक विषयों पर निर्णय मतदान के बजाय आम सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए, क्योंकि मतदान सदस्य देशों के बीच विभाजन पैदा करता है। भारत ने महिलाओं के उत्थान के मूल उद्देश्यों का तो समर्थन किया, लेकिन जेंडर और प्रजनन स्वास्थ्य जैसे शब्दावलिियों पर थोपी जाने वाली परिभाषाओं और मतभेदों के कारण खुद को मतदान से दूर रखा।

जरिये निर्णय लेने की प्रक्रिया पर चिंता बताई। इन देशों का मानना था कि मतदान से निष्कर्ष निकालना बहुपक्षवाद के सिद्धांतों के खिलाफ है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया कि हालांकि प्रस्ताव का वह समर्थन करता है, लेकिन यह सभी देशों की साझा सहमति को नहीं दर्शाता। वहीं, वेंेटिकन ने 'जेंडर' और 'प्रजनन अधिकार' जैसे शब्दों के इस्तेमाल पर अपनी पुरानी आपत्तियों को दोहराया।

ईओडब्ल्यू का अधिकारी बनकर

9.5 लाख की ठगी

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में प्रतिरूपण कर ठगी और ब्लैकमेलिंग के एक गंभीर मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना राखी में दर्ज इस प्रकरण में आरोपी ने स्वयं को आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) का अधिकारी बताकर एक सेवानिवृत्त अधिकारी से 9.5 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस के अनुसार, देवलाल सिंह टेकाम, जो लोक निर्माण विभाग से अधीक्षण अभियंता पद से सेवानिवृत्त हैं, को 28 जनवरी 2026 को अज्ञात मोबाइल नंबरों से कॉल कर यह बताया गया कि उनके खिलाफ सतर्कता विभाग, एसीबी एवं ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज है। प्रारंभिक जांच में ये कॉल साइबर ठगी के उद्देश्य से किये गये पाए गए। इस संबंध में प्रार्थी ने अपने परिचित धर्मेन्द्र को जानकारी दी।

सूडान के अस्पताल पर हमले में 64 लोगों की मौत

जिनेवा/खातूम। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सूडान में स्वास्थ्य सेवाओं पर एक और हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि पूर्वी दारफुर प्रांत की राजधानी अल-दईन स्थित अल-दईन टीचिंग अस्पताल पर हुए हमले में कम से कम 64 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 13 बच्चे, दो महिला नर्स, एक पुरुष डॉक्टर और कई मरीज शामिल हैं। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेड्रोस अदहोम गेब्रेयेसुस ने कहा कि इस घटना के साथ ही सूडान में युद्ध के दौरान स्वास्थ्य सुविधाओं पर हमलों में मरने वालों की संख्या 2000 के पार पहुंच गई है। संगठन के अनुसार, करीब तीन साल से जारी संघर्ष के दौरान अब तक 213 हमलों में 2036 लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने बताया कि ताजा हमले में 89 लोग घायल भी हुए हैं, जिनमें आठ स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। हमले में अस्पताल के शिशु, मातृत्व और आपातकालीन विभागों को भारी नुकसान पहुंचा है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अब तक स्वास्थ्य सेवाओं पर हमलों में 720 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं।



पांच राज्यों में होंगे विस चुनाव

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक नीत गठबंधन से अलग हुई टीवीके

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में तमिलनाा व्हाइवुरिमई काची' (टीवीके) ने रविवार को सत्ताधारी द्रविड़ मुन्नेत्र कथगम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन से अलग होने की घोषणा की। टीवीके ने सत्ताधारी दल के 'बड़े भाई' वाले रवैय के विरोध किया और स्टालिन सरकार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े लोगों द्वारा चलाए जाने का आरोप लगाया।

वहीं, मार्क्सवादी पार्टी ने अभी तक मुख्यमंत्री द्वारा 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में लड़ने के लिए दी गयी पांच सीटों की पेशकश पर कोई फैसला नहीं लिया है। मार्क्सवादियों और दलित संगठन 'विदुथलाई चिरुथाइगल काची' (वीसीके) की ओर ज्ञाया सीटों की मांग के चलते द्रमुक के लिए सीटों के बंटवारे की प्रक्रिया पूरी करना मुश्किल होता जा रहा है।

सत्ताधारी दल के बड़े भाई वाले रवैय का किया विरोध

बल्कि इसलिए छोड़ रहे हैं क्योंकि हमारी 10-सूत्रीय मांगों का चार्टर स्वीकार नहीं किया गया। तमिल राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाली टीवीके का जनाधार अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) वन्नियार समुदाय के बीच है, खासकर कुड्डालोर, नेवेली और चिदंबरम के साथ-साथ विलुप्पुरम जिलों में। यह पार्टी सत्ताधारी द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के खिलाफ चुनावी समीकरणों को बदलने की क्षमता रखती है। कुड्डालोर जिले के पनरुति से मौजूदा विधायक टी. वेलमुगनन ने हम 2019 के लोकसभा चुनावों से ही द्रमुक के साथ हैं। सीटों के बंटवारे पर पहली बातचीत के दौरान द्रमुक ने हमें सिर्फ एक सीट देने की पेशकश की थी, लेकिन हमने और सीटों की मांग की। हमने अपनी मांगों का एक चार्टर भी सौंपा था, जिसमें तमिल लोगों को रोजगार में प्राथमिकता देने के लिए कानून बनाना, सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना करवाना और अन्य मांगों के साथ-साथ वन्नियार समुदाय के लिए 10.5 प्रतिशत का विशेष आरक्षण तय करना शामिल था। सरकार ने हमारी इन मांगों को नज़रअंदाज़ कर दिया है। उन्होंने इन्हें भजतोर नहीं छोड़ रहे हैं कि पिछली बार के मुकाबले ज्यादा सीटों की हमारी मांग ठुकरा दी गई,

निर्वाचन आयोग ने बंगाल में बढ़ाई निगरानी

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में निर्वाचन आयोग के चुनावी तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी बढ़ाए जाने के मद्देनजर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने रविवार से राज्य भर के थानों का दौरा शुरू कर दिया। वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान थाना प्रभारियों को स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुरूप आगामी चुनाव से पहले कानून व्यवस्था की समीक्षा के लिए पुलिस आयुक्तों और पुलिस अधीक्षकों ने थानों का दौरा शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया, वरिष्ठ अधिकारियों को जमीनी स्तर पर आकलन करने और स्थानीय पुलिस इकाइयों के मार्गदर्शन देने के निर्देश दिए गए हैं

ताकि शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके। अधिकारी ने बताया, पुलिस अधिकारियों से यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे भय और हिंसा से मुक्त वातावरण बनाए रखने के लिए कड़ा संदेश दें। हमारा ध्यान मतदाताओं में विश्वास जगाने और किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि को रोकने के लिए कड़े कदम उठाने पर है। इस प्रक्रिया के तहत, कोलकाता पुलिस आयुक्त अजय नंद ने भांगर थाने का दौरा किया और पश्चिम के अधिकारियों के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने उन्हें आयोग के दिशानिर्देशों के बारे में जानकारी दी।

नंद ने बताया, सभी अधिकारियों को जानकारी दे दी गई है। मतदाताओं को बिना किसी डर के अपना वोट डालने में सक्षम होना चाहिए। यही हमारा मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि विश्वास बढ़ाने और सुरक्षा के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं।

असम में कांग्रेस की 7 और प्रत्याशियों की सूची

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव के लिए रविवार को सात उम्मीदवारों की पांचवीं और अंतिम सूची जारी की। कांग्रेस ने इसी के साथ 126 सदस्यीय विधानसभा के लिए अपने 101 उम्मीदवारों की छहवां चार्टर दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव केशी वेणुगोपाल ने बताया कि कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने आसम असम विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। कांग्रेस द्वारा घोषित उम्मीदवारों की अंतिम सूची के मुताबिक गोसांइय सीट से जोसेफ हसदा को, डोटमा (एसटी) से बिरखांग बोरो को, बिजानि से रजत कान्ति साहा और भेरगांव सीट से अंबुला ग्वारा दायमारी को प्रत्याशी बनाया गया है। पार्टी ने नारायण अधिकारी को माजबत से, निर्मल लंगथासा को हाफलोंग (एसटी) से और अमर चंद्र जैन को कटिंगोरा विधानसभा क्षेत्र से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। कांग्रेस ने शुक्रवार को सात उम्मीदवारों की अंतिम चौथी सूची जारी की थी, जिसमें एक मौजूदा विधायक का टिकट काट दिया गया था और उसके नेतृत्व वाले गठबंधन में सहयोगी राजेश्वर दल के लिए 11 सीटें छोड़ी गई हैं। राज्य की कांग्रेस नीत गठबंधन में छह दल हैं और उसने 15 सीटें सहयोगियों के लिए छोड़ी हैं। असम विधानसभा के लिए नौ अपील को मतदान होगा जबकि मतगणना के लिए चार मई की तारीख तय की गई है।

महासंग्राम

केरल में भाजपा प्रत्याशी के खिलाफ प्राथमिकी

त्रिशूर। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केरल विधानसभा चुनाव में गुरुवायूर से पार्टी उम्मीदवार बी गोपालकृष्णन के खिलाफ एक प्रचार वीडियो में कथित तौर पर सांप्रदायिक टिप्पणी करने के मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने बताया कि गुरुवायूर निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी की शिकायत के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि गोपालकृष्णन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 192 और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 के तहत मामला दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 जानबूझकर दंगा भड़काने के इरादे से उकसाने से जुड़ी है जबकि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 125 चुनाव के संबंध में वगों के बीच शत्रुता को बढ़ावा देने से जुड़ी है। सूत्रों ने बताया कि निर्वाचन आयोग के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि आपत्तिजनक टिप्पणियों वाले वीडियो को हटाने के लिए पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को निर्देश दे दिए गए हैं। यह घटनाक्रम चुनाव गोपालकृष्णन द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों को लेकर पैदा हुए राजनीतिक विवाद के बीच आया है। राज्य में सत्तारूढ़ मावर्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और विपक्षी कांग्रेस ने उनके खिलाफ कार्यवाई की मांग करते हुए निर्वाचन आयोग से संपर्क किया था।

पुलिस अधिकारी ने बताया, "हमने संबंधित शैली क्षेत्रों, बस्तियों व व्यक्तिवों की पहचान करने और उनसे संपर्क करने जैसे कई कदम उठाए हैं। प्रेसिडेंसी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक कंकर प्रसाद बरुई ने नरेंद्रपुर, सोनारपुर और बरुईपुर थानों का दौरा किया तथा विशेष रूप से कोलकाता के निकट ग्रामीण क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। बरुई ने बताया, चुनाव की घोषणा के बाद हमने तैयारियों की समीक्षा की है। सुचारू मतदान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक उपायों पर भी चर्चा हुई। हर पहलू की जांच की गई है।

वोट की आस में उम्मीदवार बेल रहे रोटियां

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में इन दिनों विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान उम्मीदवार परंपरागत भाषणों या नारों से आगे बढ़कर जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास करते हुए घर में रोटियां बेलते, दुकान में दाढ़ी बनाते और भजन गाते भी नजर आ रहे हैं। हुगली की रसोई से लेकर बीरभूम के सड़क किनारे नाई की दुकान और झाड़ग्राम के कीर्तन सभाओं तक, विभिन्न दलों के उम्मीदवार पारंपरिक रैली मंच से हटकर सीधे लोगों के रोजमर्रा के जीवन से जुड़ रहे हैं। हुगली के पुरसुराम में, गुणमूल कांग्रेस उम्मीदवार पार्थ हजारी को हाल ही में एक मतदाता के घर की रसोई में देखा गया, जहां गैस खत्म होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने पारंपरिक मिट्टी के चूल्हे पर रोटियां बनाईं। इस तरह जनता से जुड़ने के साथ ही उन्होंने राजनीतिक संदेश भी दिया कि लोगों को रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। पार्थ हजारी ने मुस्कुराते हुए कहा कि मैंने पहले भी रोटियां बनाईं हैं, इसलिए मुझे थोड़ी बहुत जानकारी है। गैस सिलेंडर न मिलने के कारण कई परिवार मुश्किल में हैं। मैंने तो बस मदद करने की कोशिश की। वोट मांगते हुए रोटियां बेचने की उम्मीदवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। बीरभूम में भाजपा के एक उम्मीदवार को नाई की दुकान पर दाढ़ी बनाते देखा गया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

	आज आप अधिकारियों को लेकर थोड़े पेशान रहें। यदि सर्दी-खासी से पीड़ित है, तो तुरंत उसका इलाज करवाएं। अनवश्यक खर्च से बचें।		आज का दिन आपको के बीच शांति से बिताएं। अनैतिक कार्यों का भी और प्रेरित हो सकते हैं। कोई निर्णय भी सोच-समझकर ही लें।
	आज भविष्य की योजनाओं में आप निवेश कर सकते हैं। विशेषियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।		आज दिनरात थोड़ी अन्यायमान हो सकती है। आपकी योजनाएं सफल होंगी। पर में कुछ आनुगतुको का आगमन हो सकता है।
	आज कारोबारी मामलों में अड़न आने की संभावना है। छोटी-मोटी नर्स पर अधिक आक्रमक न हों। लोग आपको बोझा दे सकते हैं।		आज पर का वातावरण अनुशासित रहेगा। लोग आपके भोलेपन का लाभ उठा सकते हैं। नकारात्मक आदतों को छोड़ना का प्रयास करें।
	आज आपकी सलाह से लोगों को लाभ होगा। पुराने रोग से मुक्ति मिलने के अच्छे योग हैं। खानपान अत्यंत संतुलित रखें।		आज उबार लेन-देन को लेकर थोड़ी समस्या होगी। आलस्य में अपना समय व्यर्थ न करें। अपनी योग्यताओं पर संदेह न करें।
	आज परिवार में काम की थोड़ी अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य थोड़ा नर्स सा हो सकता है। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।		आज उच्च शिक्षा को लेकर काफी मेहनत करेंगे। आपको सफलता मिल सकती है। धन लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं।
	आज व्यापारिक उद्देश्य से यात्रा हो सकती है। अनवश्यक खर्चों को नियंत्रित करना पड़ेगा। बनते हुए कार्यों में विच आने की आशांका है।		आज आप काम के प्रति एकपन्न रहेंगे। उच्च अधिकारी आपकी प्रशंसा करेंगी। आप काफ़ी अच्छे मूड में रहेंगे।

आज का पंचांग		-1. अश्विन कुमार द्विती		सुदोष - 96 का हस्त									
व.	1	शु.	बु.	र.	मं.	11							
	2	श.	सू.			10							
		गु.	3			9							
	4		6			8							
	5		क.			7							

आज की यह स्थिति		-23 मार्च, सोमवार 2026 संवत् - 2083, शक संवत् 1948 मसा - चैत्र, पक्ष - शुक्ल पक्ष, पंचमी 18.38 तक तरशवाचा पश्टी।	
दिशाशुल - पूर्व, ऋतु - वसंत।	वन्दबल - वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।		
तारबल - भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढा, उत्तराषाढा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।			
नक्षत्र - कृत्तिका 20.49 तक तत्पश्चात रोहिणी।			

सुदोष - 97	
9	6
5	
7	8
3	6
7	8
4	1
3	2
6	9



नीलामी में समझदारी भरे और साहसिक फैसले लेने के बाद पंजाब किंग्स अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है जिससे इंडियन प्रीमियर लीग खिताब के लिए उसका लंबा इंतजार खत्म होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं।

-इरफान पटान

लखनऊ, सोमवार, 23 मार्च 2026

हाईलाइट

शनाका को साइन करने के लिए तैयार राजस्थान रॉयल्स

नई दिल्ली। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) से एक और खिलाड़ी बाहर हो गया है, जिसमें दासुन शनाका इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चले गए हैं। शनाका को राजस्थान रॉयल्स आने वाले सीजन के लिए साइन करने वाली है, वे चोटिल सैम करन की जगह लेंगे, जो पहले आईपीएल 2026 से बाहर हो गए थे। रॉयल्स के एक टॉप अधिकारी ने क्रिकबज को इस साइनिंग की पुष्टि की। फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इस वेबसाइट को बताया ह, हम उन्हें साइन करने के करीब हैं। कुछ फॉर्मैलिटीज बाकी हैं। उन्हें श्रीलंकाई क्रिकेट (एसएलसी) के साथ कुछ पेपरवर्क पूरा करना है। शनाका पिछले दिसंबर में अबु धाबी मिनी-ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे, जिसके बाद उन्होंने पीएसएल ऑक्शन के लिए पनरोल किया, जहाँ उन्हें लाहौर कलंदर्स ने 75 लाख पाकिस्तानी रुपये में खरीदा था।

गोल्फर अदिति शीर्ष पांच से बाहर

मेनलो पार्क। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक फोर्टिनेट फाउंडर्स कप के तीसरे दिन एक ओवर 73 स्कोर करके संयुक्त तीसरे से संयुक्त 24वें स्थान पर खिसक गई। यो जू किम अब अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से पांच स्ट्रोकस आगे शीर्ष पर हैं। नेली कोरडा दूसरे स्थान पर हैं। तीसरे स्थान पर रुइक्सन लियू और गैबी लोपेज हैं।

अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में मुंबई

भारत की स्टाटा खिलाड़ी अनाहत सिंह और अभय सिंह अपने-अपने सेमीफाइनल मैच जीतकर इंडियन ओपन 2026 स्वदेश टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गए। यह लगातार दूसरी बार है ये दोनों भारतीय स्वदेश खिलाड़ी पीएसएल स्पर्धा में खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। सीसीआई ब्रेबॉर्न स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मौजूदा महिला चैंपियन और टॉप सीड अनाहत सिंह ने पूरी तरह से भारतीय सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी हमवतन तन्वी खन्ना को 3-1 (11-6, 9-11, 11-8, 11-2) से हराया। पुरुष वर्ग में एशियाई खेलों के पदक विजेता अभय सिंह ने मलेशिया के अमीशेनराज चंद्रन को 3-1 (11-9, 9-11, 11-3, 11-8) से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

डुप्लांटिस ने जीता विश्व इंडोर पोल वॉल्ट खिताब

टोरुन (पोलैंड)। आर्मंड डुप्लांटिस ने यूनान के एमनोइल करालिस से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद अपना अख्तर प्रदर्शन जारी रखते हुए पोल वॉल्ट में एक और विश्व खिताब जीता। डुप्लांटिस ने 6.25 मीटर की कूद लगाकर लगातार चौथी बार विश्व इंडोर चैंपियनशिप जीती, जो कि एक साल पहले नानजिंग में उनके पिछले रिकॉर्ड से 10 सेंटीमीटर अधिक है। इन दोनों के अलावा अन्य खिलाड़ी 6.05 मीटर तक ही पहुंच पाए। डुप्लांटिस ने 6.10, 6.15 और फिर 6.25 मीटर कूद लगाई। करालिस ने 6.10 और 6.15 मीटर की लंबाई सफलतापूर्वक पार की, लेकिन 6.25 पर अपने प्रयास में सफल हुए, और लगातार दूसरे वर्ष उपविजेता रहे। डुप्लांटिस ने अपना पोल एक तरफ रख दिया और अपने 6.31 मीटर के उस विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने का प्रयास नहीं किया।

ऑस्ट्रेलिया में अगले साल जनवरी से मार्च तक टेस्ट खेलेगा भारत

मेलबर्न, एजेसी

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने रविवार को अपना 2026-27 का अंतर्राष्ट्रीय कैलेंडर जारी किया, जिसमें उसका कार्यक्रम काफी व्यस्त है और इसलिए उसे जनवरी से मार्च तक भारत में होने वाली पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला की प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले तैयारी के लिए बहुत कम समय मिलेगा।

अगले साल भारत के खिलाफ होने वाली पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला पैट कर्मिस की उम्मीदवादी टीम के लिए निर्णायक साबित हो सकती है। उसको इसके लिए तैयारी का बहुत कम समय मिलेगा क्योंकि ऑस्ट्रेलिया को दिसंबर और मार्च के

● कंगारू टीम ने जारी किया 2026-27 के लिए कार्यक्रम

बीच 14 सप्ताह के अंदर 10 टेस्ट मैच खेलेने हैं। ऑस्ट्रेलिया अपने कार्यक्रम का शुरुआत अगस्त 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच से करेगा और इसका समापन मार्च 2027 में एमसीजी में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर खेले जाने वाले दिन रात्रि टेस्ट मैच से होगा। ऑस्ट्रेलिया की इस व्यस्त कार्यक्रम में भारत के खिलाफ उसकी धरती पर होने वाली टेस्ट सीरीज में असली परीक्षा होगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने टीम के लिए कड़ी चुनौती बताया है।

ऑस्ट्रेलिया का टेस्ट कार्यक्रम

अगस्त: बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच
अक्टूबर: दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैच
दिसंबर-जनवरी: न्यूजीलैंड के खिलाफ चार टेस्ट मैच
जनवरी-मार्च: भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैच
11-15 मार्च: इंग्लैंड के खिलाफ 150वीं वर्षगांठ का टेस्ट मैच
जून: विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल
जून-अगस्त: इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैच।

आईपीएल में तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करेंगे ऋषभ पंत

एलएसजी के कप्तान के रूप में यह सत्र साबित हो सकता निर्णायक

नई दिल्ली, एजेसी

भारत की टी-20 टीम में वापसी करने की कवायद में लगे ऋषभ पंत 28 मार्च से शुरू होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए तैयार हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान के रूप में पंत के लिए यह सत्र निर्णायक साबित हो सकता है। उनके लिए काफी कुछ दांव पर लगा है क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में अपनी टीम से जोड़ा था। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अगर पंत इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वह भविष्य में भारत की टी20 योजनाओं का हिस्सा बन सकते हैं। पंत खेल के तीनों प्रारूप में से केवल भारतीय टेस्ट टीम के ही अभिन्न सदस्य हैं जबकि वनडे में वह केएल राहुल के बैकअप विकेटकीपर हैं। इस 28 वर्षीय खिलाड़ी ने 2024 में भारत की विश्व कप जीत के बाद टी20 टीम में अपनी जगह गंवा दी थी। संजू सैमसन और



चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी एमएस धोनी, पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन, अनिरुद्ध श्रीकांत और अन्य लोग।

एजेसी

चेपाँक स्टेडियम में सीएसके का हुआ मेगा फैन शो

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार को भारत के पूर्व हरफनमौला सुरेश रेना और आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम के पहले 'हाल आफ फेम' में शामिल किया। यह घोषणा एम ए विंदब्रम स्टेडियम पर टीम के प्रशंसकों के लिये विशेष कार्यक्रम 'रोआर 26' के दौरान की गई। रेना 2008 से 2021 तक चेन्नई टीम का हिस्सा थे। वह चार बार आईपीएल में चेन्नई की विजेता टीम (2010, 2011, 2018 और 2021) के

सदस्य रहे। प्रशंसकों के बीच 'चिन्ना थाला' के नाम से मशहूर रेना 2010 और 2014 में चैंपियंस लीग जीतने वाली चेन्नई टीम में भी थे और 2014 में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' रहे थे। चेन्नई के लिये उन्होंने सर्वाधिक 5529 रन बनाये हैं। हेडन 2008 से 2010 तक चेन्नई टीम में थे। उन्होंने 2009 में 572 रन बनाकर आरेज कैप हासिल की थी। इस मौके पर चेन्नई सुपर किंग्स के कई पूर्व खिलाड़ी मौजूद थे।

ईशान किशन के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए टीम में वापसी करने के लिए उन्हें कुछ खास प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि इन दोनों खिलाड़ियों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है।

इसलिए पंत के लिए आईपीएल का आगामी सत्र काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें वह अपनी कीमत को जायज

ठहराने के अलावा खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की भी कोशिश करेंगे। पंत ने पिछले सत्र में अधिकतर समय चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की थी लेकिन तब वह आखिर के कुछ मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे थे। उस समय तक हालांकि लखनऊ की वापसी की संभावना समाप्त हो गई थी। पंत

के तीसरे नंबर पर उतरने का मतलब होगा कि निकोलस पूरन को बल्लेबाजी क्रम में नीचे आना पड़ेगा। एलएसजी की टीम अभी लखनऊ में अपने घरेलू मैदान पर अभ्यास कर रही है। उसका पहला मैच एक अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होगा। मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और सहयोगी स्टाफ पंत के बल्लेबाजी क्रम पर एकमत हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बराबर की श्रृंखला

वेल्सिंगटन, एजेसी

कॉनर एस्टरहुइज़न के करियर के पहले अर्धशतक और स्पिनरों के शानदार प्रदर्शन से दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को यहां चौथे टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली।

एस्टरहुइज़न ने 33 गेंदों में अपना पहला अर्धशतक बनाया और वह आखिर में 57 रन बनाकर आउट हुए। उनकी इस पारी ने दोनों टीमों के बीच निर्णायक अंतर पैदा किया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पांच विकेट पर 164 रन बनाए। इसके जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर आउट हो गई। न्यूजीलैंड ने पावर प्ले में दो विकेट पर 63 रन बनाए थे जिसमें टिम रोबिंसन के 22 गेंद पर बनाए गए 32 रन शामिल हैं। लेकिन इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के स्पिनरों ने शिकंसा कस दिया। उसकी तरफ से प्रेनेलन सुब्रायन ने अपने पहले मैच में 13 रन देकर दो जबकि



केशव महाराज का विकेट लेने के बाद जश्न मनाते प्रेनेलन सुब्रायन। एजेसी

केशव महाराज ने 22 रन देकर दो विकेट लिए। लगभग तीन साल बाद न्यूजीलैंड की टीम में वापसी करने वाले डेन व्कीवर ने 16 गेंदों में 26 रन बनाकर अपनी टीम की उम्मीद बरकरार रखी लेकिन उनके आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका की जीत सुनिश्चित हो गई। न्यूजीलैंड के कप्तान जिमी नीशम

ने कहा मुझे लगता है कि 165 रन का लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। मुझे नहीं लगता कि यह बहुत बड़ा लक्ष्य था।

हमारे कुछ खिलाड़ी अनुभवहीन हैं जिसका हमें नुकसान हुआ। न्यूजीलैंड की पहले से ही कमजोर टीम टॉम लैथम के चोटिल होने और सीरीज के आखिरी दो मैचों के लिए डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और लॉकी फर्ग्यूसन के बाहर होने से और कमजोर पड़ गई। इससे पहले एस्टरहुइज़न ने दक्षिण अफ्रीका को तब संभाला जब उसने अपनी पारी की दूसरी ही गेंद पर वियान मुल्डर का विकेट खो दिया था। तब हाथ के बल्लेबाज ने तीसरे ओवर में एक छक्का और एक चौका, तथा चौथे ओवर में एक छक्का और एक चौका लगाया। इसके बाद उन्होंने पांचवें ओवर में एक छक्का और दो चौके लगाकर 17 रन बनाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका पावर प्ले में एक विकेट पर 50 रन बनाने में सफल रहा। टोनी डी जोर्जो (23) ने एस्टरहुइज़न के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन की साझेदारी की।

लिवरपूल और चेलसी पर बाहर होने का खतरा

लिवरपूल। लगातार खराब प्रदर्शन के कारण लिवरपूल और चेलसी के लिए प्रीमियर लीग फुटबाल टूर्नामेंट का खिताब तो दूर की कौड़ी बनता ही जा रहा है, बल्कि उन पर अब चैंपियंस लीग में जगह बनाने की दौड़ से बाहर होने का खतरा भी मंडरा रहा है। लिवरपूल को इस सत्र में प्रीमियर लीग में 10वीं जबकि चेलसी को 10 दिनों में लगातार चौथी हार का सामना करना पड़ा है। शनिवार को ब्राइटन के हाथों 2-1 से मिली हार से लिवरपूल का अपने खिताब का बचाव करने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। मौजूदा चैंपियन टीम पिछले तीन मैच में जीत हासिल नहीं कर पाई है। इसके कुछ घंटों बाद चेलसी को एवर्टन ने 3-0 से हरा दिया।

विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति से गड़बड़ाए समीकरण

नई दिल्ली। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ियों के चोटिल होने या देर से टीम में शामिल होने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र में कुछ टीमों के समीकरण गड़बड़ा गए हैं। कुछ प्रमुख विदेशी खिलाड़ी चोटिल होने के कारण पहले ही पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं जबकि कुछ खिलाड़ी विभिन्न कारणों से टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अगर केवल चोट की बात करें तो कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। उसके भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आकाशदीप चोटिल होने के कारण पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जबकि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना भी पिंडली में लगी चोट के कारण केकेआर के शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे। सनराइजर्स हैदराबाद को भी शुरू के कुछ मैच में अपने नियमित कप्तान पैट कर्मिस के बिना मैदान पर उतरना होगा जो पीठ में खिंचाव की समस्या से उबर रहे हैं। कर्मिस की अनुपस्थिति में ईशान किशन सनराइजर्स की अगुवाई करेंगे।

जबरदस्त प्रतिस्पर्धा



पोलैंड के टोरुन में वर्ल्ड एथलेटिक्स इनडोर चैंपियनशिप में महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले हीट में पुर्तगाल की फातोमाता बिंटा डियालो सबसे आगे जीत के करीब पहुंचीं।

एजेसी

26 मार्च से दर्शकों के बिना होगा पीएसएल

लाहौर, एजेसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को कहा कि ईरान-अमेरिका-इराक युद्ध के कारण क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पाकिस्तान सुपर लीग का पहला चरण दर्शकों के बिना होगा।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने कहा कि पीएसएल का यह सत्र कराची और लाहौर में ही खेला जाएगा। उन्होंने

● पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी ने बताई टूर्नामेंट की तैयारी

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा पीएसएल अंतर्राष्ट्रीय ब्रांड और हमारा गौरव है। यह लीग 26 मार्च से ही होगी लेकिन दर्शकों को अनुमति नहीं रहेगी। पीएसएल के सीईओ सलमान नसीर ने पाकिस्तान में पीएसएल के आयोजन को लेकर किसी तरह की सुरक्षा आशंकाओं को खारिज किया।

आईपीएल जाने वालों पर होगी कार्रवाई

पीसीबी चेरमैन मोहसिन नकवी ने उन खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई करने का वादा किया है, जिन्होंने आखिरी समय पर पीएसएल छोड़कर आईपीएल का रुख किया। लगातार दूसरे साल दोनों लीग एक समय पर हो रही हैं। श्रीलंका के दासुन शनाका ऐसा करने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने लाहौर कलंदर्स टीम से नाम वापस ले लिया है।

मियामी ओपन

सिनर ने जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की

मियामी, एजेसी

जैक सिनर ने शनिवार को हार्ड रॉक स्टेडियम में मियामी ओपन में दामिर जुमहुर को 6-3, 6-3 से हराया। एटीपी रैंकिंग में नंबर 2 खिलाड़ी, जो 2017 में रोजर फेडरर के बाद मशहूर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं।

नवंबर में पेरिस मास्टर्स और इंडियन वेल्स में टाइटल जीतने के बाद अब एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट्स में 12 मैच जीतने के सिलसिले पर, सिनर ने उस लेवल पर लगातार सबसे ज्यादा सेट जीतने के नोवाक जोकोविच के रिकॉर्ड (24) की बराबरी कर ली है। उनके पास 30वीं सीड कोरेटिन



मौटेट के खिलाफ अपने तीसरे राउंड के मुकाबले का पहला सेट जीतकर अपने बड़े विरोधी से आगे निकलने का मौका होगा, जिन्होंने टॉमस माचाक को 6-0, 1-6, 6-4 से हराया था।

जब सिनर से मास्टर्स 1000 में लगातार सीधे सेटों में जीत के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा मुझे लगता है कि कभी-कभी स्कोरबोर्ड

मायने रखता है। मेरे लिए, मैं एक खिलाड़ी के तौर पर बेहतर होने की कोशिश करता हूँ और खुद को ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने की स्थिति में रखता हूँ। मैं हमेशा हर विरोधी के साथ एक जैसा बर्ताव करता हूँ, कोर्ट पर आकर अच्छे एटीट्यूड के साथ अपना बेस्ट देने की कोशिश करता हूँ और इसके लिए पूरी कोशिश करता हूँ।" इस जोड़ी की पहली लेक्सस डेड2हेड मॉर्टिंग में वर्ल्ड नंबर 76 जुमहुर को हराने के लिए टॉप-क्लास सर्विंग परफॉर्मस देने के साथ-साथ, सिनर ने अपनी 71 मिनट की जीत के दौरान नेट पर भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। 25 बार के टूर-लेवल चैंपियन ने आगे बढ़ते हुए 17 में से 14 पॉइंट जीते।

'मेरे लिए ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी'

सिनर ने कहा, मेरे लिए, ट्रांजिशन गेम बहुत जरूरी है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिसे हमने बहुत बेहतर बनाने की कोशिश की है। यह थोड़ा-बहुत दिन-ब-दिन पर भी निर्भर करता है। आज, सीधे ब्रेक से शुरुआत करते हुए, मैंने थोड़ा ऑरियेंटेड होने की कोशिश की। कभी-कभी यह बहुत अच्छा काम करता था, कभी-कभी मैंने कुछ अनफोर्सड गलतियाँ कीं, लेकिन मेरे पास यहां एजेंट करने के लिए ज्यादा समय नहीं था। यह इंडियन वेल्स से बहुत अलग है। पहले राउंड के मैच कभी आसान नहीं होते, इसलिए मैं खुश हूँ।